MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 21 फरवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-51

सुप्रीम कोर्ट का ट्रंप कार्ड

अमेरिकी राष्ट्रपति को टैरिफ का अधिकार नहीं, भारत को राहत

वाशिंगटन, 20 फरवरी (एजेंसियां)।
अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को हथियार बनाकर दुनिया के देशों पर कार्रवाई को गैर-कानूनी बताया है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि डोनाल्ड ट्रंप ने कई देशों पर लगातार टैरिफ लगाकर अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया है। इसके चलते दुनिया भर के व्यापार में भारी उथल-पुथल मच गयी है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के इस ताजा फैसले से भारत सहित अन्य देशों पर लगाए गए ट्रंप के टैरिफ रद्द हो गए

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आईईईपीए के तहत राष्ट्रपति टैरिफ नहीं लगा सकते। कोर्ट ने फैसला सुनाया कि अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं देता है, और प्रशासन द्वारा आयात को विनियमित करना शब्द की व्याख्या को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि टैरिफ लगाने की शक्ति केवल कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के पास है।

कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि संविधान का अनुच्छेद 1 कांग्रेस को टैरिफ सहित कर और शुल्क लगाने का अनन्य अधिकार देता है। कार्यपालिका के पास शांति काल में इन्हें लगाने की कोई अंतर्निहित शक्ति नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत से दिया फैसला

इस फैसले ने राष्ट्रपति ट्रंप के आर्थिक एजेंडे को लागू करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एक महत्व-पूर्ण हथियार को ध्वस्त कर दिया है। कंजरवेटिव बहुमत वाले सुप्रीम कोर्ट

ने छह-तीन के बहुमत से अपने फैसले में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं देता है।

सुप्रीम कोर्ट के जजों ने बहुमत से पाया कि संविधान बहुत स्पष्ट रूप से कांग्रेस को टैरिफ लगाने का अधिकार देता है, जिसमें शुल्क भी शामिल हैं। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने लिखा, संविधान निर्माताओं ने कर लगाने की शक्ति का कोई भी हिस्सा कार्यपालिका शाखा को नहीं सौंपा। हालांकि, न्यायाधीश सैमुअल एलिटो, क्लेरेंस थॉमस और ब्रेट कावानाघ ने असहमति व्यक्त की।

असहमत जजों ने क्या कहा

कावानाघ ने असहमति में लिखा, विचाराधीन टैरिफ उचित नीति हो भी सकती हैं और नहीं भी। लेकिन टेक्स्ट, इतिहास और पूर्व उदाहरणों के आधार पर, वे स्पष्ट रूप से वैध हैं। टैरिफ संबंधी निर्णय ट्रंप को अन्य कानूनों के तहत शुल्क लगाने से नहीं रोकता है। हालांकि उन कानूनों में ट्रंप की कार्रवाइयों की गति और गंभीरता पर अधिक सीमाएं हैं, फिर भी प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों ने कहा है कि वे अन्य अधिकारों के तहत टैरिफ ढांचे को यथावत रखने की उम्मीद करते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप टैरिफ को लेकर मुखर रहे हैं। ट्रंप ने टैरिफ को अमेरिकी इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण मामलों में से एक बताते हुए उन्होंने कहा है कि उनके खिलाफ फैसला देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका होगा। सर्वेक्षणों से पता चला है कि अमेरिका की आम जनता में टैरिफ को लेकर व्यापक चिंता के बीच ये फैसला आया है।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला अदालत की आपातकालीन सुनवाई में मिली कई शॉर्ट टर्म जीतों के बावजूद आया है, जिन्होंने ट्रंप को उच्च पदस्थ अधिकारियों की बर्खास्तगी से लेकर संघीय निधि में भारी कटौती जैसे मुद्दों पर कार्यकारी शक्तियों का असाधारण रूप से इस्तेमाल करने की अनुमति दी है।

कोठी पर बने भूमिगत मार्ग में अब किताबों की दुकानें

सबवे से कतराते हैं हैदराबादी

हैदराबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद में पैदल यात्री व्यस्त सड़क जंक्शनों को पार करने के लिए भूमिगत रास्तों (सबवे) के इस्तेमाल से कतरा रहे हैं। वे तेज रफ्तार वाहनों के बीच से रास्ता बनाने या फुट-ओवर ब्रिज (एफओबी) की सीढ़ियां चढ़ने को तैयार हैं, लेकिन सबवे का उपयोग करने के नाम पर उनकी स्पष्ट ना है। जबकि दुनिया भर के प्रमुख महानगरों और यहाँ तक कि चेन्नई और मुंबई जैसे भारतीय शहरों में सबवे लोकप्रिय हैं, नवाबों के शह में इन्हें स्वीकार्यता नहीं मिल पा रही है। बढ़ते हैदराबाद के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करने वाले योजनाकार अब अपनी योजनाओं में सबवे को शामिल नहीं कर रहे हैं। इसका मुख्य कारण दशकों पुराने सबवे का विफल होना है। उदाहरण के तौर पर, 1992 में कोठी जंक्शन ▶10 पर

कांग्रेस का नंगा नाच

एआई समिट के दौरान 'शर्टलेस' प्रदर्शन, तेलंगाना के युवा भी शामिल

नयी दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)।
भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ शर्टलेस (कपड़े उतारकर) प्रदर्शन ने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। इस घटना ने विरोध के अधिकार और राष्ट्रीय गरिमा के बीच संतुलन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। देशवासियों को आज भारत के लौह पुरुष सरदार

वल्लभभाई पटेल के वे शब्द याद आते हैं, जिनमें उन्होंने कहा था कि कोई भी राजनीति राष्ट्र से ऊपर नहीं हो सकती। अगर राजनीति देशहित को नुकसान पहुंचाने लगे, तो वह राष्ट्र के लिए कैंसर की तरह विनाशकारी बन जाती है। शुक्रवार को जो हुआ है, वह उसी चिंता को दो-हराता है। जिस तरह यूथ कांग्रेस के नेताओं ने मोदी विरोध में अपने कपड़े उतारकर एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान विरोध प्रदर्शन किया, उसे राजनीति नहीं कहा जा सकता। वह राजनीति जो भारत के मान-सम्मान को ठेस पहुंचाए, जो देश को अपमानित करे, जो लोकतंत्र की छवि पर दाग ▶10 पर

अमीरपेट में टला भीषण अग्निकांड

हाइड्रा ने 50 छात्रों को बचाया

हैदराबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अमीरपेट में शुक्रवार को एक बड़ा अग्नि हादसा टल गया। एक जलते हुए कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के अंदर फंसे 50 से अधिक लोगों, जिनमें ज्यादातर छात्र थे, को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया गया। यह घटना अमीरपेट स्थित आदित्य एनक्लेव में घटित हुई।

आग सुबह करीब 11:01 बजे आदित्य एनक्लेव के नीलगिरी ब्लॉक में लगी। बताया जा रहा है कि ग्राउंड फ्लोर पर स्थित इलेक्ट्रिकल पैनल बोर्ड और पावर केबल्स में शॉर्ट सर्किट के कारण यह आग भड़की। केबलों में आग लगते ही सीढ़ियों वाले हिस्से में घना धुआं भर गया, जिससे ऊपरी मंजिलों पर मौजूद लोगों, विशेषकर छात्रों के बीच दहशत फैल गई।

रस्सी की सीढ़ियों से हुआ रेस्क्यू

हाइड्रा कंट्रोल रूम को 11:01 बजे अलर्ट मिला और पास ही तैनात डीआरएफ टीमों को तुरंत सूचना दी गई। पहली रिस्पांस टीम 11:04 बजे मौके पर पहुंच गई और अग्निशामक यंत्रों का उपयोग करके आग बुझाना शुरू किया। चूंकि घने धुएं ने सीढ़ियों का रास्ता ब्लॉक कर दिया था, इसलिए दूसरी मंजिल पर फंसे लोगों को बचाने के लिए डीआरएफ कर्मियों ने रस्सी की सीढ़ियों का इस्तेमाल किया। हाइड्रा की दो अतिरिक्त टीमों के साथ फायर और पुलिस विभाग ने भी बचाव कार्य में सहयोग किया, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ। अमीरपेट एक सघन आबादी वाला व्यावसायिक केंद्र है, जो आईटी प्रशिक्षण संस्थानों के लिए जाना जाता है। ▶10 पर

अवामी लीग पर प्रतिबंध को लेकर शेख हसीना के बेटे ने उठाए सवाल, अध्यादेश की वैधता पर बहस तेज

वाशिंगटन, 20 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पुत्र सजीब वाजेद ने अवामी लीग पर लगाए गए प्रतिबंध को लेकर अंतरिम सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश की वैधता पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि नई बीएनपी-नेतृत्व वाली सरकार के सामने 30 दिनों की संवैधानिक समय-सीमा है, जिसके भीतर उसे इस अध्यादेश पर फैसला करना होगा।

वाजेद ने एक बयान में कहा कि अंतरिम सरकार ने एंटी टेररिज्म एक्ट 2009 में संशोधन करने के लिए एक नया अध्यादेश जारी किया, जिससे उसे किसी राजनीतिक दल की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार मिल गया। इसी आधार पर एस.आर.ओ. 137एआईएन/2025 जारी कर अवामी लीग पर कार्रवाई की गई।

उन्होंने बांग्लादेश के संविधान के अनुच्छेद 93(2) का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी अध्यादेश को नई सरकार के गठन के बाद संसद के पहले सत्र में पेश करना अनिवार्य है। यदि 30 दिनों के भीतर संसद उस अध्यादेश को कानून के रूप में पारित नहीं करती, तो वह स्वत: निरस्त हो जाएगा।

वाजेद के अनुसार, बीएनपी-नेतृत्व वाली सरकार के पास दो विकल्प हैं—या तो वह अध्यादेश को समाप्त होने दे, या फिर उसे विधायी मंजूरी देकर स्थायी कानून में शामिल कर दे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि संसद मौजूदा रूप में संशोधन को मंजूरी देती है, तो अवामी लीग को इकाई के रूप में प्रतिबंधित करने और निर्वाचन आयोग द्वारा पंजीकरण रद्द करने जैसी कार्रवाइयाँ न्यायिक समीक्षा के दायरे में आ सकती हैं। उन्होंने तर्क दिया कि यदि संसद इस संशोधन को पारित करती है, तो यह आतंकवाद-रोधी कानून के असाधारण उपयोग का समर्थन माना जाएगा और इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

वाजेद ने कहा कि यदि नई सरकार अध्यादेश को मंजूरी नहीं देती और उसे 30 दिनों बाद समाप्त होने देती है, तो यह अंतरिम प्रशासन की कठोर नीति से दूरी बनाने और बहुदलीय लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा के लिए स्थान बहाल करने का संकेत होगा।

उल्लेखनीय है कि अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) 1990 के दशक की शुरुआत में संसदीय लोकतंत्र की बहाली के बाद से बांग्लादेश की दो प्रमुख राजनीतिक शक्तियां रही हैं। ऐसे में किसी बड़े राजनीतिक दल पर प्रतिबंध का निर्णय कानूनी और राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

गलवान के बाद चीन ने कर दिया एक और गुप्त परमाणु परीक्षण

वाशिंगटन। भारत-चीन गलवान तनाव के एक सप्ताह बाद चीन द्वारा कथित रूप से गुप्त परमाणु परीक्षण किए जाने का दावा सामने आया है। अमेरिकी विदेश विभाग के वरिष्ठ आर्म्स कंट्रोल अधिकारी क्रिस्टोफर ए फोर्ड ने कहा है कि 2020 में चीन ने एक अंडरग्राउंड न्यूक्लियर ब्लास्ट किया, जिसका संकेत कजाकिस्तान के मकानची स्थित सीस्मिक स्टेशन पर दर्ज हुआ। उनके अनुसार, इस विस्फोट की तीव्रता 2.75 मैग्नीट्यूड आंकी गई और उसका सिग्नेचर सामान्य भूकंप जैसा नहीं था। अमेरिकी अधिकारियों का आरोप है कि यह परीक्षण चीन द्वारा हस्ताक्षरित सीटीबीटीओ के दायित्वों की भावना के विपरीत है। हालांकि चीन ने आधिकारिक तौर पर ऐसे किसी परीक्षण की पुष्टि नहीं की है। वियना स्थित संगठन के कार्यकारी सचिव राबर्ट फ्लायड ने भी लोप नूर परीक्षण स्थल के पास दो असामान्य भूकंपीय घटनाओं का उल्लेख किया, लेकिन उनकी शक्ति 500 टन विस्फोट की औपचारिक सीमा से कम बताई गई। रिपोर्टों के मुताबिक चीन ने डीकपलिंग तकनीक का उपयोग किया, यह ऐसी विधि है जिसमें भूमिगत गहरी खोह में विस्फोट कर भूकंपीय संकेतों को कम किया जाता है, ताकि अंतरराष्ट्रीय निगरानी प्रणालियों से बचा जा सके। परीक्षण स्थल के रूप में लोप नूर का नाम सामने आया है।

कई अधिकारियों को मौत की सजा दिलवाई किम यो जोंग नेः रिपोर्ट

प्योंगयाग। उत्तर कोरिया के विवादित शासक किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग अपने भाई से भी

ज्यादा अप्रत्याशित और निर्दयी हो सकती हैं। कई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में उन्हें ब्लडथर्स्टी डेमन और डेविल वुमन जैसे उपनाम दिए गए हैं। किम यो जोंग, पूर्व नेता किम जोंग-इल की सबसे छोटी संतान हैं और लंबे समय से शासन की राजनीतिक मशीनरी में सक्रिय हैं। 2010 के दशक में उन्होंने प्रोपेगेंडा और एजिटेशन डिपार्टमेंट में अपनी भूमिका के जरिए सत्ता के केंद्र में जगह बनाई। 2018 के दक्षिण कोरिया में हुए विंटर ओलंपिक में वे उत्तर कोरिया के चार्म आफेंसिव की चेहरा बनीं, जहां उनकी शांत छवि ने दुनिया का ध्यान खींचा, लेकिन पर्दे के पीछे वे बेहद कठोर और क्रूर निर्णय लेने के लिए जानी जाती हैं। अमेरिकी विशेषज्ञ सुंग-यून ली की किताब दी सिस्टर: नार्थ कोरियाज किम यो जोंग, दी मोस्ट डेंजरस वुमैन इन दी वर्ल्ड में दावा किया गया है कि किम यो जोंग ने कई अधिकारियों को मामूली वजहों से मौत की सजा दिलवाई, सिर्फ इसलिए कि वे उन्हें चिढ़ा रहे थे या उनकी नीतियों से असहमति रखते थे। कई रिपोर्टों में यह भी कहा गया कि उन्होंने 2021 में कई उच्च अधिकारियों को इरिटेट करने के आरोप में फांसी दिलवाई। उत्तर कोरिया के अंदर अधिकारी उन्हें डेविल वुमन के नाम से बुलाते हैं और उनसे डरते हैं। प्रोपेगेंडा की मास्टर मानी जाने वाली किम यो जोंग अपने बयानों और धमकियों के लिए भी कुख्यात हैं। उन्होंने दक्षिण कोरिया के राष्ट्राध्यक्ष को मुंह बंद रखने की चेतावनी दी थी और अमेरिका को इंपीरियलिस्ट डाग कहकर अपमानित किया था। 2022 के बाद से वह लगातार न्यूक्लियर थ्रेट्स जारी कर रही हैं और प्री-एम्प्टिव स्ट्राइक की धमकी भी दे चुकी हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि वह मुस्कुराते हुए बात करती हैं, लेकिन परमाणु बटन के बेहद करीब खड़ी रहती हैं। हालांकि किम जोंग उन ने अपनी 13 वर्षीय बेटी किमजू -ये को भविष्य का उत्तराधिकारी बताने के संकेत दिए हैं, लेकिन पार्टी और सेना में किम यो जोंग का प्रभाव बेहद मजबूत बताया जाता है।

नाइजीरिया के खदान में जहरीली गैस का रिसाव, 37 लोगों के मौत; 26 लोग अस्पताल में भर्ती

अबुजा। नाइजीरिया के एक खदान में जहरीली गैस के रिसाव के कारण कई लोगों के हताहत होने की सूचना

है। इस घटना को लेकर नाइजीरियाई पुलिस ने बताया है कि जहरीली गैस के रिसाव के कारण 37 लोगों के मौत हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक, गैस रिसाव के कारण प्रभावित हुए 26 लोगों को अस्पताल में भर्ती भी कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, उत्तर-मध्य नाइजीरिया की एक खदान में जहरीली गैस के रिसाव हुआ है। पुलिस प्रवक्ता अल्फ्रेड अलाबो ने एक बयान में बताया कि यह घटना मंगलवार तड़के पठार राज्य के वासे क्षेत्र में स्थित कम्पानी जुराक समुदाय में हुई। उन्होंने कहा, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि खनिक सीसा आक्साइड और सल्फर और कार्बन मोनोआक्साइड जैसी अन्य संबंधित गैसों के अचानक रिसाव से प्रभावित हुए, जो मनुष्यों के लिए जहरीली और हानिकारक हैं।

गाजा में सेना भेजने से पहले ट्रंप से मोलभाव करने में जुटे शाहबाज और असीम मुनीर

अमेरिका को पाकिस्तान की अंदरूनी चुनौतियों के बारे में बताया

वाशिंगटन, 20 फरवरी (एजेंसियां)। **अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गाजा बोर्ड आफ पीस को लेकर पहली बैठक करने वाले हैं। ये बैठक अमेरिकी समय के मुताबिक गुरुवार को होने वाली है। इसमें भाग लेने के लिए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ वाशिंगटन पहुंचे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बैठक के शुरू होने से पहले पाकिस्तान ने अमेरिका के सामने कुछ शर्तें रखी हैं, जिसमें अमेरिका से कुछ खास अधिकार और गारंटी की मांग की गई है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शरीफ भारी भरकम डेलिगेशन के साथ वाशिंगटन पहुंचे हैं, जिसमें उनके विदेश मंत्री इशाक डार, वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब, सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार और स्पेशल असिस्टेंट तारिक फातेमी साथ हैं।**

सूत्रों के हवाले से बताया गया कि पाकिस्तान के आर्मी प्रमुख असीम मुनीर ने सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ सैनिकों की तैनाती पर चर्चा की है। मुनीर ने पिछले दो दिनों में म्यूनिख में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रियाद में सऊदी अरब के रक्षा मंत्री और अबू धाबी में यूएई के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ भी बैठकें की हैं। पाकिस्तान ने तुर्की की सेना के साथ गाजा में अपने सैनिकों को तैनात करने की मांग की है। पाकिस्तान ने इजरायली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के बराबर एक संयुक्त कमांड और कंट्रोल हेडक्वार्टर की मांग की है। मुनीर ने सैनिकों को भेजने के बदले अमेरिका से भारी भरकम डालर की मांग की है। पाकिस्तान यूएस, यूएई, कतर और गाजा पीस बोर्ड और आईएसएफ के दूसरे स्टेकहोल्डर्स से और सिक्योरिटी, गारंटी भी चाहता है।

सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया हैं कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ और फील्ड मार्शल मुनीर, गाजा में सेना भेजने में पाकिस्तान की अंदरूनी चुनौतियों के बारे में अमेरिकी अधिकारियों को जानकारी देने वाले है। इसके अलावा पाकिस्तान, सेना भेजने के लिए और समय की मांग कर सकता है। सूत्रों ने बताया है कि शहबाज और असीम मुनीर के पास अमेरिकी दौरे के समय गेमचेंजर एजेंडा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन दोनों को डर है कि अगर इस्लामाबाद सेना भेजने के लिए राजी होता है, तब घरेलू अशांति, राजनीतिक विरोध और इस्लामी संगठनों की लामबंदी और हमास के प्रति सहानुभूति रखने वाले देशों की प्रतिक्रियाओं का खतरा है।

इसके पहले रिपोर्ट आई थी कि पाकिस्तान ने गाजा में शांति सेना को भेजने के बदले अपने लिए लीडरशिप की मांग की थी। यानि गाजा में सभी देशों की सेनाओं का नेतृत्व पाकिस्तान करता। इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया। इजरायल ने भी पाकिस्तान की किसी भी भूमिका का सख्त विरोध किया है। वहीं, शहबाज शरीफ के दौरे को लेकर पाकिस्तान विदेश मंत्रालय की तरफ से जो प्रेस रिलीज जारी किया है, उसमें कई सारी गलतियां थीं। जिसकी वजह से उसका मजाक उड़ रहा है। यह ऐसी पहली घटना नहीं है। पिछले साल, इंटरनेशनल पालिटिक्स में एक टेंशन वाले समय भी शहबाज शरीफ एक और कथित टाइपो की वजह से सोशल मीडिया का फोकस बन गए थे।

ट्रंप ने तय कर ली ईरान में हमला करने की तारीख.........मीडिया रिपोर्ट में किया जा रहा दावा

वाशिंगटन, 20 फरवरी (एजेंसियां)। तेहरान परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच जारी कूटनीतिक बातचीत के बावजूद युद्ध की आशंका बढ़ रही हैं। अब एक रिपोर्ट में दावा हुआ है कि अमेरिका ने ईरान पर हमले की तारीख तय की है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पेंटागन संभावित ईरानी जवाबी हमले की तैयारी के लिए आने वाले दिनों में कुछ कर्मियों को अस्थायी रूप से मिडिल ईस्ट से हटा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध निकट है और ये हफ्तों तक चलने वाला पूर्ण पैमाने का संघर्ष हो सकता है। इजरायल भी कुछ दिनों में युद्ध की स्थिति के लिए तैयारियां कर रहा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस मुद्दे पर परेशान हो चुके हैं और उनके करीबी सलाहकार ने आने वाले हफ्तों में सैन्य कार्रवाई की 90 प्रतिशत संभावना जाहिर की है। सूत्रों के हवाले से बताया कि यदि सैन्य कार्रवाई शुरू हुई, तब ये सीमित या प्रतीकात्मक नहीं होगी, बल्कि कई हफ्तों तक चलने वाला व्यापक अभियान होगा। ये कार्रवाई पिछले जून में हुए 12-दिवसीय इजरायली हमले से कहीं बड़ा होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका और इजरायल मिलकर ईरान में आपरेशन चला सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अपनी सैन्य ताकत बढ़ा दी है। वर्तमान में दो एयरक्राफ्ट कैरियर, 12 युद्धपोत, सैकड़ों लड़ाकू विमान और कई एयर डिफेंस सिस्टम मिडिल ईस्ट में तैनात हैं। पिछले कुछ दिनों में 150 से अधिक अमेरिकी सैन्य कार्गो विमानों ने हथियारों और गोला-बारूद को मिडिल ईस्ट पहुंचाने के लिए उड़ान भरी। जबकि पिछले 24 घंटों के दौरान अमेरिका ने मध्य पूर्व में अपने सैन्य साजो-सामान की आपूर्ति और तेज कर दी है, जिनमें 50 से ज्यादा लड़ाकू विमानों ने मिडिल ईस्ट की ओर उड़ान भरी है। इस भारी सैन्य जमावड़े ने दुनिया भर में ये डर पैदा कर दिया है कि क्षेत्र में कभी भी एक बड़ा विनाशकारी युद्ध शुरू हो सकता है। व्हाइट हाउस के सूत्रों के अनुसार, ट्रंप ईरान के रवैये से काफी नाराज हैं। एक वरिष्ठ सलाहकार ने दावा किया है कि अगले कुछ हफ्तों में सैन्य कार्रवाई की 90 प्रतिशत संभावना है।

कराची में सिलेंडर धमाके से गिरी इमारत

कराची। पाकिस्तान के कराची में एक बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल सिलेंडर धमाके के चलते कराची में एक रिहायशी इमारत गिर गई। इसके मलबे में दबकर 16 लोगों की मौत हो गई है। हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं। स्थानीय मीडिया ने पुलिस और स्थानीय बचाव दल के हवाले से यह जानकारी दी है। घटना कराची के सोल्जर बाजार के गुल राणा कालोनी इलाके स्थित एक घर में हुई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह धमाका गैस सिलेंडर लीक की वजह से हुआ था। यह घटना सुबह करीब 4:15 बजे, सहरी के समय हुई और गैस धमाका बिल्डिंग के पहले फ्लोर पर हुआ। आपात सेवा ने मलबे से कई लोगों को बचाया है और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया है। हादसे में छह महिलाओं और 4 बच्चों समेत कुल 16 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। हादसे में 14 लोग घायल हैं। सिविल हास्पिटल के ट्रामा सेंटर के डायरेक्टर, डा. मोहम्मद साबिर मेमन के अनुसार, 13 शव उनके अस्पताल में लाए गए थे।

धरती की ओर बढ़ रहे अदृश्य पत्थर, जो पलक झपकते ही पूरे शहर को कर देंगे तबाह

नासा विशेषज्ञों ने दी चेतावनी, अंतरिक्ष में करीब 15,000 ऐसे एस्टेरायड्स मौजूद

वाशिंगटन, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अंतरिक्ष की गहराइयों में कुछ ऐसा तैर रहा है जिसने वैज्ञानिकों की नींद उड़ा दी है। हम अक्सर बड़े एस्टेरायड्स या टूटते तारों की बात करते हैं, लेकिन असली खतरा उन अदृश्य पत्थरों में छिपा है जो खामोशी से हमारी ओर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नासा विशेषज्ञों ने हाल ही में चेतावनी दी है जिसने वैश्विक सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नासा की ग्रह रक्षा विशेषज्ञ ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है कि अंतरिक्ष में करीब 15,000 ऐसे एस्टेरायड्स मौजूद हो सकते हैं जिनके बारे में हमें कोई जानकारी नहीं है। ये साधारण पत्थर नहीं हैं, इनमें से हर एक में इतनी ऊर्जा है कि वे पलक झपकते ही एक पूरे शहर को राख बना सकते हैं। वैज्ञानिक इन्हें सिटी-किलर्स कह रहे हैं, क्योंकि इनका आकार करीब 500 फीट के करीब होता है।

रिपोर्ट के मुताबिक बड़े एस्टेरायड्स की स्थिति हमें पता है और बहुत छोटे पत्थर वायुमंडल में ही जल जाते हैं, इसलिए उनसे डर नहीं है। असली चुनौती ये जरिए आकार के पिंड हैं। ये इतने छोटे हैं कि मौजूदा दूरबीनों की नजरों से बच निकलते हैं, लेकिन इतने बड़े जरूर हैं कि किसी भी क्षेत्र में भारी तबाही मचा सकें।

सबसे बड़ी समस्या इन एस्टेरायड्स का पता लगाना है। ये पिंड पृथ्वी के साथ सूर्य की परिक्रमा कुछ इस तरह करते हैं कि वे सूरज की चमक के पीछे छिप जाते हैं। इस वजह से वे प्रकाश को परिवर्तित नहीं कर पाते और हमारी सबसे आधुनिक दूरबीनें भी उन्हें देख नहीं पातीं। आंकड़ों की मानें तो हमारे पास से गुजरने वाले करीब 25,000 एस्टेरायड्स में से हमें सिर्फ 40फीसदी के ठिकाने का पता है, बाकी 60फीसदी अंधेरे में गुम हैं।

राफेल डील पर फ्रांस ने सोर्स कोड पर दिखाई सख्ती, इंजन असेंबली पर जताई सहमति

पेरिस, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति एम्नुल मेक्रोन की भारत यात्रा के बीच 114 राफेल लड़ाकू विमानों की संभावित डील पर फ्रांस में चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि फ्रांसीसी मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है, कि भारत को राफेल के मुख्य इलेक्ट्रानिक सिस्टम और उसके उन्नत इलेक्ट्रानिक वारफेयर सूट स्पेक्ट्रा का सोर्स कोड नहीं दिया जाएगा। राफेल के निर्माता डेसाल्ट एविएशन और उसके प्रमुख साझेदार थेल्स ग्रुप द्वारा सोर्स कोड साझा न करने का मतलब यह होगा कि भारत भविष्य में विमान में बड़े तकनीकी बदलाव या स्वदेशी हथियारों के एकीकरण के लिए फ्रांस पर निर्भर रहेगा। भारतीय रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, बिना सोर्स कोड भारतीय इंजीनियर एडवांस सेंसर, स्वदेशी

मिसाइल या अन्य हथियार प्रणालियों को स्वतंत्र रूप से इंटीग्रेट नहीं कर पाएंगे। इससे आपरेशनल स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है।

यह व्यवस्था पहले की 36 राफेल विमानों की डील और नेवल राफेल-एम आर्डर में भी लागू रही थी। लेकिन इस बार संभावित सौदा करीब 36 अरब डालर (लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये) का बताया जा रहा है, ऐसे में भारत अधिक तकनीकी हस्तांतरण और स्वायत्तता चाहता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बातचीत में भारत का जोर स्थानीय उत्पादन, रोजगार सृजन और वास्तविक इंजीनियरिंग ट्रांसफर पर है। हेल और टाटा जैसे भारतीय साझेदारों के साथ व्यापक सहयोग पर चर्चा चल रही है। खास बात यह है कि फ्रांसीसी इंजन निर्माता सेफरान ने हेल के साथ मिलकर राफेल के एम88 इंजन को भारत में असेंबल करने पर सहमति जताई है। इसे हाई-टेक इंडस्ट्रियल ट्रांसफर की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि फ्रांस जहां संवेदनशील सोर्स कोड पर सख्त रुख दिखा रहा है, वहीं इंजन असेंबली और औद्योगिक साझेदारी में लचीलापन दिखाकर संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है।

एपस्टीन फाइल्स मामले में ब्रिटेन में बड़ी कार्रवाई, किंग चार्ल्स के भाई एंड्रयू गिरफ्तार

लंदन। ब्रिटेन में किंग चार्ल्स के भाई एंड्रयू को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें सार्वजनिक पद पर रहते हुए गलत बर्ताव के शक में पकड़ा गया है। उन्हें गुरुवार सुबह करीब 8 बजे उनके घर से पकड़ा गया। दरअसल, एपस्टीन मामले में पीड़िता रही वर्जिनिया जिफ्रे ने आरोप लगाया था कि 2001 में जब वह 17 साल की थी तब प्रिंस एंड्रू ने उनका यौन शोषण किया था। हालांकि एंड्रयू ने सभी आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने वर्जीनिया जिफ्रे के आरोपों को भी खारिज किया, जिन्होंने दावा किया था कि एपस्टीन ने उन्हें एंड्रयू के पास भेजा था। जिफ्रे की अप्रैल 2025 में आत्महत्या से मौत हो गई थी। इस मामले में विवाद बढने के बाद किंग चार्ल्स ने पहले ही अपने छोटे भाई एंड्रयू से प्रिंस का खिताब और सभी शाही उपाधियां वापस ले ली थीं। 4 महीने पहले उनसे विंडसर स्थित उनके आलीशान घर रायल लाज को भी खाली करा लिया गया था। प्रिंस एंड्रयू का नाम भी बदला गया 65 साल एंड्रयू दिवंगत क्वीन एलिजाबेथ के दूसरे बेटे हैं। एंड्रयू का नाम लंबे समय से अमेरिकी अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ा रहा है, जिस पर नाबालिगों के यौन शोषण के गंभीर आरोप थे। शाही उपाधियां छिन जाने के बाद अब प्रिंस एंड्रयू को एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर के नाम से जाना जाएगा। अभी तक प्रिंस एंड्यू को प्रिंस एंड्रयू ड्यूक आफ आर्क नाम से जाना जाता था।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास : AI समिट में हुए हंगामे पर बोले राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां) । दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में चल रहे एआई इम्पैक्ट समिट में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट उतारकर विरोध प्रदर्शन किया। इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए इस कृत्य की भर्त्सना की। उन्होंने कहा कि यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शर्मनाक तरीके से कार्यक्रम स्थल पर अनुचित व्यवहार करते हुए हंगामा किया है। वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि भारत की प्रतिष्ठा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल करने का प्रयास भी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''जब पूरा विश्व भारत को नई दिल्ली में मौजूद भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी करते हुए देख रहा था और तकनीक व नवाचार के क्षेत्र में हमारे बढ़ते वैश्विक नेतृत्व का साक्षी बन रहा था, उस समय कांग्रेस ने देश का सम्मान बढ़ाने के बजाय आयोजन में व्यवधान उत्पन्न करने का रास्ता चुना। यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा जिस शर्मनाक तरीके से कार्यक्रम स्थल पर अनुचित व्यवहार करते हुए हंगामा किया गया है वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि भारत की प्रतिष्ठा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर धूमिल करने का प्रयास भी है। मैं कांग्रेस के इस कृत्य की भर्त्सना करता हूं।''

उन्होंने आगे लिखा, ''जब भी भारत वैश्विक मंच पर आगे बढ़ता है, कांग्रेस राष्ट्रहित के साथ खड़े होने के बजाय राजनीतिक लाभ लेने को प्राथमिकता देती दिखाई देती है। दलगत राजनीति को देश की प्रतिष्ठा और सम्मान से ऊपर रखना अत्यंत दुखद है। भारत की जनता भली-भांति समझती है कि कौन भारत को सशक्त और समर्थ बनाने में जुटा है और कौन बार-बार भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास करता है।''

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन पर आईएएनएस से बात करते हुए कहा, आज देश शर्मसार है, कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा सिर्फ कपड़े उतारने की बात नहीं थी, बल्कि कांग्रेस को उनके कृत्य ने नंगा कर दिया। कांग्रेस का असली चेहरा देश और दुनिया ने देख लिया है। भारत माता के सम्मान के साथ यह खिलवाड़ था। मैं सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से पूछना चाहता हूं, क्या आपके लिए राजनीति देश की इज्जत से ज़्यादा ज़रूरी हो गई है। कांग्रेस देश विरोधी हो गई है।

उन्होंने कहा कि पब्लिक से बार-बार रिजेक्ट हुए निराश और हताश लोग इतने कुंठित और हतोत्साहित हो गए हैं कि वे अब देश की इज्जत का मजाक उड़ा रहे हैं, इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक्स पोस्ट में कहा कि भारत मंडपम में इंडियन यूथ कांग्रेस के सदस्यों का शर्मनाक व्यवहार एक बार फिर कांग्रेस की खोखली पॉलिटिक्स को सामने ले आया है। जब कोई विजन नहीं होता, कोई प्रासांगिकता नहीं होती, तो ड्रामा डिफ़ॉल्ट स्ट्रैटेजी बन जाती है। देश की एक बहुत पुरानी पार्टी से ऐसे व्यवहार की उम्मीद बिल्कुल नहीं की जाती। विरोध करना उनकी आदत बन गई है क्योंकि परफॉर्मेंस पॉलिटिक्स, गवर्नेंस में परफॉर्मेंस से ज़्यादा आसान है। भारत की ग्लोबल तरक्की दिखाने वाले इतने बड़े इवेंट में, उन्होंने देश की इमेज की इज्जत करने के बजाय उसे शर्मिंदा करना चुना। इस तरह का व्यवहार एक बहुत ही नेगेटिव सोच को दिखाता है, जो छोटी-मोटी पॉलिटिक्स को देश की प्रतिष्ठा से ऊपर रखती है। भारत ताकत और कॉन्फिडेंस के साथ आगे बढ़ रहा है। जो लोग उस तरक्की का मुकाबला नहीं कर सकते, उन्होंने साफ तौर पर जिम्मेदारी के बजाय ड्रामा चुना है। ऐसे हर काम से, वे नेशनल स्टेज पर खुद को सिर्फ जोकर बना रहे हैं।

कांग्रेस की बुद्धि नहीं कर कर रही काम, एआई भी नहीं कर सकता मदद : नकवी

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां) । भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने एआई समिट को लेकर विपक्ष के आरोपों पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि स्थिति यह है कि एआई का इस्तेमाल कर कांग्रेस अपनी बुद्धि भी ठीक नहीं कर सकती है। इनकी बुद्धि काम नहीं कर रही है और एआई भी इनकी कोई मदद नहीं कर पाएगा। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि अगर आप पिछले 11-12 वर्षों में नरेंद्र मोदी की लीडरशिप को देखें, तो देश ने अपने इतिहास में कई शानदार, हिम्मत वाले और शानदार अध्याय लिखे हैं। जो लोग तूफानों का सामना करते हुए आगे बढ़ते रहे, वही दुनिया बदल रहे हैं। आज भी जब लोग दुनिया की बात करते हैं, तो एक समय था जब कांग्रेस पार्टी मिलजुलकर सरकारें बनाती थी और उनका राजनीतिक गला घोंटकर उन्हें गिरा देती थी। नकवी ने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी में न तो सरकार बनाने की काबिलियत बची है और न ही कोई क्रेडिबिलिटी बची है। आज सुशासन के साथ नरेंद्र मोदी सरकार को आगे बढ़ा रहे हैं, डिजिटल इंडिया को विश्व ने स्वीकार किया है। तकनीक के क्षेत्र में भी भारत आगे बढ़ रहा है। कांग्रेस की मानसिक काबलियत तो उड़न छू हो चुकी है।फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' पर भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि जो फिल्में बनती हैं, वे असल में कमर्शियल होती हैं, लेकिन अगर कोई उनका विरोध करता है, तो सवाल उठने लगते हैं, शक होने लगता है कि उस फिल्म से आपकी कौन सी गलतियां सामने आ सकती हैं। लोगों को चिंता होती है कि इसकी वजह से आपकी कोई दबी हुई फाइल बाहर आ सकती है, इसीलिए इतना हंगामा हो रहा है।

उन्होंने कहा कि जब आप जनता के पास जाते हैं, तो आपके पास थोड़े से पैसे के लिए भी कोई सही सोर्स नहीं होता, फिर भी आप करोड़ों उड़ा देते हैं। जब आपके पास कोई सही जरिया नहीं होता, तो आप उस गड़बड़ में लापरवाही से करोड़ों बर्बाद कर देते हैं। जनता के साथ ऐसा धोखा, चालाकी, फ्रॉड करने से पहले आपको पहले यह समझ लेना चाहिए कि आपको इसका हिसाब देना होगा।

भारत मंडपम में एआई फॉर डेमोक्रेसी समिट: एआई का विकास आशा और चुनौती दोनों का संकेत : डॉ चिन्मय पण्ड्या

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां) । हरिद्वार स्थित देव संस्कृति विश्वविद्यालय, इंडिया एआई मिशन भारत सरकार तथा इंटर पार्लियामेंट्री यूनियन (आईपीयू), स्विट्ज़रलैण्ड के संयुक्त तत्त्वावधान में नई दिल्ली के भारत मंडपम में एआई फॉर डेमोक्रेसी विषय पर अंतरराष्ट्रीय समिट का आयोजन किया गया। यह आयोजन ऐसे समय में हुआ है जब मीडिया, उद्योग, फिल्म और सरकारी-गैरसरकारी संस्थानों सहित विभिन्न क्षेत्रों में एआई की पहुंच तेजी से बढ़ रही है। एआई के उपयोग और उससे जुड़ी सावधानियों पर अखिल विश्व गायत्री परिवार, इंडिया एआई मिशन भारत सरकार और वैश्विक संस्थानों द्वारा मंथन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि यह डेमोक्रेसी पर एकमात्र तथा विश्व का पहला समिट था। भारत मण्डपम में आयोजित इस समिट में लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आज शासन, शिक्षा नीति और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। उनका मानना है कि एआई के माध्यम से भारत की संस्कृति, नैतिक मूल्य और आध्यात्मिक धरोहर को पूरी दुनिया में प्रसारित करने में सहयोग मिलेगा।

बिरला ने कहा कि इस नई तकनीकी पद्धति से लोकतांत्रिक संस्थाओं के साथ सार्थक संवाद स्थापित किया जा सकता है। इससे उत्तरदायी संस्थाएँ और नैतिक मूल्यों वाले जनप्रतिनिधि देश के विकास में अधिक प्रभावशाली योगदान दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि भारत एक विविधताओं से भरा देश है, इसलिए एआई का प्रयोग जवाबदेही और नैतिकता के साथ होना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ने देव संस्कृति विश्वविद्यालय की भी सराहना की।उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में नैतिक शिक्षा, आध्यात्मिक ज्ञान और योग के साथ-साथ आधुनिक तकनीकी शिक्षा का अद्भुत समन्वय किया गया है, जो एक नैतिक और सक्षम राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।इससे पूर्व समिट की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए साउथ एशियन इंस्टीट्यूट फॉर पीस एंड रिकॉन्सिलिएशन (एसएआईपीआर) के अध्यक्ष एवं देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में तेजी से एक वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश के रूप में उभर रहा है।भारत द्वारा डिजिटल नवाचार और डेटा-संचालित शासन को बढ़ावा देने के प्रयासों ने एआई को सार्वजनिक नीति और सेवा वितरण के केंद्र में ला दिया है। यह विकास आशा और चुनौती दोनों का संकेत देता है। उन्होंने कहा कि एआई शासन को अधिक पारदर्शी, कुशल और उत्तरदायी बनाने की क्षमता रखता है। इसके माध्यम से संसाधनों का बेहतर आवंटन, योजनाओं की निगरानी और निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया को सशक्त बनाया जा सकता है।स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में एआई आधारित समाधान नागरिकों तक सेवाओं की पहुंच को तेज और प्रभावी बना सकते हैं। हालांकि लोकतंत्र केवल तकनीकी दक्षता पर आधारित प्रणाली नहीं है। यह सहभागिता, विश्वास, समानता और पारदर्शिता जैसे मानवीय मूल्यों पर टिका है।

कांग्रेस नेतृत्व ने असम में सीट-शेयरिंग अरेंजमेंट पर अपना स्टैंड बदल दिया : अखिल गोगोई

गुवाहाटी,20 फरवरी (एजेंसियां) । असम में क्षेत्रीय पार्टी रायजोर दल के प्रमुख और शिवसागर से विधायक अखिल गोगोई ने शुक्रवार को कांग्रेस और रायजोर दल के बीच हाल ही में हुई मीटिंग के नतीजे पर, खासकर राज्य में आने वाले चुनावों के लिए सीट-शेयरिंग के मुद्दे पर, गहरी नाराजगी जताई।

पत्रकारों से बात करते हुए, गोगोई ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व ने सीट-शेयरिंग अरेंजमेंट पर अपना स्टैंड बदल दिया है, जिससे, उनके अनुसार, गठबंधन दल के बीच भ्रम और अविश्वास पैदा हुआ है। उन्होंने कहा कि वह इस डेवलपमेंट पर अपनी नाराजगी बताने के लिए कांग्रेस नेतृत्व को एक पत्र भेजेंगे।

अखिल गोगोई ने कहा, हमने सिर्फ 15 सीटें मांगी हैं। लेकिन उसमें भी, कांग्रेस ने जरूरी प्रत्याशियों वाली सीटें बदल दी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लिए गए फैसले एकतरफा थे और गठबंधन राजनीति की भावना को नहीं दिखाते।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसे बदलाव भाजपा को हराने के कलेक्टिव मकसद पर बुरा असर डाल सकते हैं।

रायजोर दल के नेता ने जोर देकर कहा कि किसी भी विपक्षी गठबंधन के असरदार तरीके से काम करने के लिए क्लैरिटी और आपसी सम्मान जरूरी है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की बार-बार देरी और पोजीशन बदलने से जमीनी कार्यकर्ताओं का हौसला कमजोर हो रहा है और मतदाता भ्रमित हो रहे हैं।

अखिल गोगोई ने आगे कहा कि सीट-शेयरिंग को बार-बार देरी करने के बजाय तुरंत फाइनल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यह 'तारीख पर तारीख' नहीं हो सकती। सीट-शेयरिंग का तुरंत और साफ इंतजाम होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि लंबे समय तक फैसला न लेने से सिर्फ भाजपा को फायदा होगा।

इसी तरह की चिंताओं को दोहराते हुए, असम जातीय परिषद (एजेपी) के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने भी कांग्रेस को चेतावनी भरा मैसेज दिया। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस असम में भाजपा को हराने के लिए गंभीर है, तो उसे जमीनी हकीकत को समझना होगा और अपने साथियों की चिंताओं का सम्मान करना होगा।

लुरिनज्योति गोगोई ने कहा, कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि भाजपा से निपटने के लिए एकता और समय पर फैसले बहुत जरूरी हैं। कोई भी देरी या तालमेल की कमी विपक्ष की लड़ाई को कमजोर करेगी।

यह डेवलपमेंट ऐसे समय में हुआ है जब असम में सत्ताधारी भाजपा के खिलाफ एक साथ मोर्चा बनाने के लिए विपक्षी पार्टियों के बीच बातचीत चल रही है।

हालांकि, सीट-शेयरिंग और तालमेल को लेकर मतभेद अभी भी मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं, जिससे चुनावों से पहले प्रस्तावित गठबंधन के एकजुट होने पर सवाल उठ रहे हैं।

असम में अमित शाह ने वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-2 की शुरुआत की

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां) । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को असम के नाथनपुर गांव में 6,839 करोड़ रुपए की लागत वाले वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-2 (वीवीपी-2) की शुरुआत की। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि आज शुरू हो रहे वाइब्रेंट विलेजेज-2 कार्यक्रम के माध्यम से पूरी बराक घाटी और असम के सीमांत जिलों के सभी गांवों में भारत के अन्य गांवों जितनी सुविधाएं देने का प्रयास और शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। उन्होंने कहा कि एक दौर था जब सीमांत गांव को देश का आखिरी गांव कहा जाता था क्योंकि वह विकास, रोजगार, बिजली कनेक्टिविटी और शिक्षा की दृष्टि से पिछड़ा हुआ था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वाइब्रेंट विलेजेज-1 कार्यक्रम में तय किया कि सीमा पर स्थित हर गांव आखिरी नहीं बल्कि भारत का प्रथम गांव है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज से असम का यह गांव भी देश का प्रथम गांव बनने जा रहा है। यह गांव न सिर्फ विकास की दौड़ में बल्कि रोजगार, शिक्षा, सड़क और दूरसंचार के क्षेत्र में भी देश के प्रथम गांव होंगे।शाह ने कहा कि वाइब्रेंट विलेजज-2 में लगभग 6,900 करोड़ रुपए के खर्च से 17 राज्यों के 334 ब्लॉक्स के 1,954 गांव शामिल हैं। इनमें 9 जिले, 26 ब्लॉक और 140 गांव असम के हैं। असम के 140 गांवों में भारत के हर गांव जैसी पूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस कार्यक्रम में अरुणाचल प्रदेश, बिहार, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के गांव भी शामिल हैं।शाह ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे 334 ब्लॉक्स में लगभग 2000 गांवों के विकास का लगभग 7,000 करोड़ रुपए का कार्यक्रम आज से शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसमें सुरक्षा, स्कीम सैचुरेशन और कनेक्टिविटी से जुड़ी कई योजनाएं शामिल हैं।

अमित शाह ने कहा कि पिछली सरकारों ने असम में सालों तक शासन किया,लेकिन राज्य के विकास के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि हमने अपने 10 साल के शासन में वो कर दिखाया जो पिछली सरकारें 50 साल में भी नहीं कर सकीं।उन्होंने कहा कि विगत 5 साल में प्रतिदिन असम में 14 किलोमीटर सड़क बनी है, जो भारत में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि असम में 24 हजार किलोमीटर से अधिक सड़कों को अपग्रेड किया गया है, अनेक पुल बनाए गए और 4 बड़े नए पुल पिछले 10 साल में हमारी डबल इंजन की सरकार ने असम की जनता को दिए हैं।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि जब हमारी पार्टी की सरकार बनी थी तब असम में मल्टीडायमेंशनल पॉवर्टी 37 प्रतिशत थी, जो 2023 में घटकर 14 प्रतिशत रह गई। 2013-14 में असम की प्रति व्यक्ति आय 49 हजार रुपए थी, जो 2024-25 में तीन गुना बढ़कर 1 लाख 54 हजार रुपए हो गई।अमित शाह ने कहा कि यहां की जनता के मन में आत्मविश्वास, सुशासन और शांति के कारण आया है। उन्होंने कहा कि असम की हिमंता बिस्वा सरमा सरकार ने पहले होने वाले यहां बम धमाकों और उग्रवाद को भी समाप्त किया है।

अपनी ओछी राजनीति से कांग्रेस बनी राष्ट्रीय शर्म का विषय : अनुराग ठाकुर

हमीरपुर,20 फरवरी (एजेंसियां) । पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को दिल्ली में इंडिया एआई समिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन को शर्मनाक बताया और इसकी निंदा की। उन्होंने इसपर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अपनी ओछी राजनीति से कांग्रेस राष्ट्रीय शर्म का विषय बन चुकी है और जब जब देश प्रगति करता है, कांग्रेस प्रदर्शन करती है। अनुराग ठाकुर ने कहा, आज जब पूरी दुनिया भारत को एआई समिट की मेजबानी की गवाह बन रही है, ऐसे में कांग्रेस ने देश का सम्मान बढ़ाने के बजाय आयोजन में व्यवधान डालने का बहुत ही शर्मनाक रास्ता चुना। कांग्रेस पार्टी पीएम मोदी व एनडीए सरकार का विरोध करते-करते भारत विरोधी पार्टी बन चुकी है। अपनी ओछी राजनीति से कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी से राष्ट्रीय शर्म का विषय बन चुकी है। उन्होंने कहा, कांग्रेस को भारत की प्रगति से कोई सरोकार नहीं मगर भारत विरोधी एजेंडे को हवा देने में, अपने विदेशी आकाओं को खुश करने में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी अव्वल स्थान पर है। एक तरफ जहां दुनिया भारत की तकनीकी क्षमताओं का लोहा मान रही है, तो वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी ऐसे स्तरहीन विरोध प्रदर्शन कर भारत की छवि व प्रतिष्ठा को धूमिल करने का कुत्सित प्रयास कर रही है। कांग्रेस का यह कृत्य मोदी सरकार नहीं भारत की वैश्विक साख व प्रतिष्ठा के खिलाफ प्रदर्शन है।

भाजपा सांसद ने कहा, कांग्रेस ने दुनिया भर में भारत की छवि खराब करने की कोशिश की है और इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। वे इस तरह की अफरा-तफरी मचाकर अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस की राजनीति अब सिर्फ पूरी तरह विरोध की राजनीति हो चुकी है। कांग्रेस मानसकिता तकनीकी विरोधी, प्रगति विरोधी, मोदी विरोधी और अब देश विरोधी है। जब-जब देश प्रगति करता है, कांग्रेस प्रदर्शन करती है। क्या राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी विदेशी निवेशकों को डराने, भारत को कमजोर करने व वैश्विक मंचों का इस्तेमाल भारत विरोधी एजेंडा चलाने का काम कर रही है?

33 मासूमों से दरिंदगी करने वाले को दंपत्ति को फांसी बांदा पॉक्सो कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

बांदा,20 फरवरी (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश के बांदा स्थित विशेष पॉक्सो अदालत ने आज मानवता को शर्मसार करने वाले एक मामले में अपना कड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने सिंचाई विभाग के पूर्व जूनियर इंजीनियर रामभवन और उसकी पत्नी दुर्गावती को 33 मासूम बच्चों के साथ यौन शोषण और उनकी पोर्नोग्राफी बनाने के जुर्म में फांसी की सजा सुनाई है। सीबीआई ने 31 अक्टूबर 2020 को रामभवन और अन्य के खिलाफ बच्चों के यौन शोषण, पोर्नोग्राफी बनाने और उसे इंटरनेट पर प्रसारित करने के आरोपों में मामला दर्ज किया था. जांच में सामने आया कि ये शिकारी 2010 से 2020 के बीच बांदा और चित्रकूट के इलाकों में सक्रिय थे. आरोपी रामभवन बच्चों को ऑनलाइन वीडियो गेम, पैसे और उपहारों का लालच देकर अपनी हवस का शिकार बनाता था। सीबीआई की जांच में जो तथ्य सामने आए, वे रूह कपा देने वाले हैं। दरिंदगी के शिकार 33 लड़कों में से कुछ की उम्र महज तीन वर्ष थी। यौन हमले के दौरान कई मासूमों के निजी अंगों में गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इस आघात के कारण कुछ बच्चों की आंखों में भेंगापन तक विकसित हो गया। पीड़ित आज भी उस भयानक मनोवैज्ञानिक आघात (Psychological Trauma) से जूझ रहे हैं।विशेष न्यायाधीश ने आरोपियों के कृत्य को दुर्लभ से दुर्लभतम (Rarest of Rare) श्रेणी का माना. अदालत ने कहा कि 33 बच्चों का व्यवस्थित तरीके से शोषण करना और उनके प्रति ऐसी नैतिक गिरावट समाज के लिए असहनीय है, जहां सुधार की कोई गुंजाइश नहीं बचती।

अमरावती में एआई और क्वांटम के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करेगा यूएन कंप्यूटिंग सेंटर

अमरावती, 20 फरवरी (एजेंसियां) । संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय कंप्यूटिंग केंद्र (यूए-नआईसीसी) आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती के अमरावती क्वांटम वैली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्वांटम तकनीक के लिए एक 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित करेगा। इस संबंध में शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की उपस्थिति में हुआ। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस अमरावती को सुरक्षित एआई के लिए 'डिजिटल एंबेसी' के रूप में स्थापित करेगा, जिससे संयुक्त राष्ट्र स्तर के मानकों के अनुरूप संप्रभु और साइबर-सुरक्षित एआई तैनाती संभव हो सकेगी।उन्होंने कहा, यह सहयोग अंतरराष्ट्रीय श्रेष्ठ प्रथाओं और वैश्विक साझेदारियों को आंध्र प्रदेश में लाएगा, जिससे राज्य विश्वसनीय एआई और क्वांटम तत्परता के वैश्विक मानचित्र पर उभरेगा। मुख्यमंत्री ने यूएनआईसीसी के निदेशक समीर चौहान और एआई हब प्रमुख अनुशा दंडपाणी से भी मुलाकात की।

समिट के दौरान आंध्र प्रदेश सरकार ने विभिन्न कंपनियों और संस्थानों के साथ कुल सात समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

राज्य ने भारतजेन, नेक्सजेन और आईबीएम इंडिया के साथ मिलकर राज्यव्यापी एआई टेक हब शुरू करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल किसानों से लेकर मछुआरों तक सभी नागरिकों को सशक्त बनाएगी और 'तेलुगू-फर्स्ट' नागरिक-केंद्रित एआई मॉडल प्रस्तुत करेगी, जिसमें भविष्य में क्वांटम-एआई एकीकरण भी शामिल होगा।आंध्र प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नीलिट) के साथ भी एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत अमरावती में दक्षिण भारत का पहला नीलिट कैंपस स्थापित किया जाएगा।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

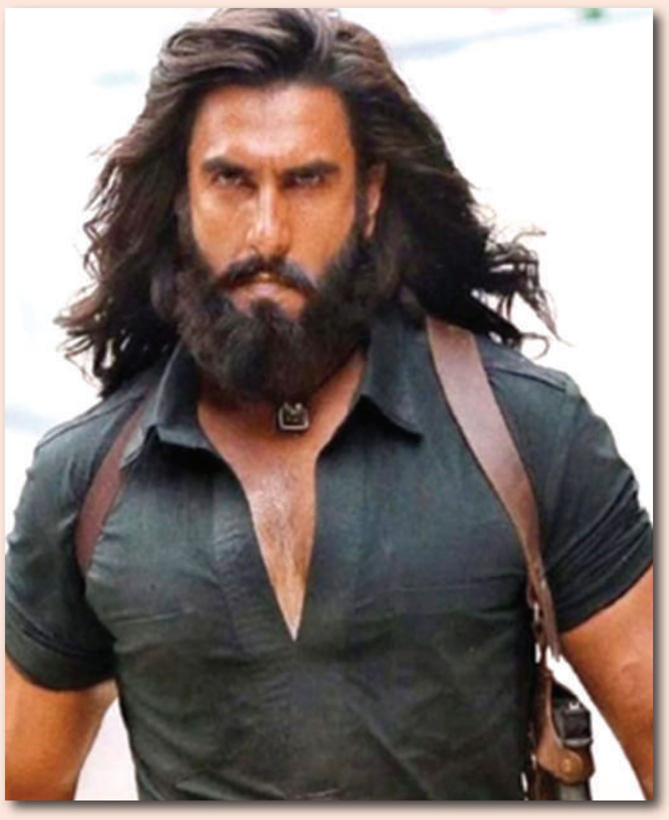

रणवीर सिंह धमकी मामला

अमेरिकी नंबर का इस्तेमाल कर हैरी बॉक्सर ने मांगे थे 10 करोड़

अभिनेता रणवीर सिंह को हाल ही में बिश्नोई गैंग से मिली धमकी और रंगदारी के मामले में पुलिस अलर्ट मोड पर है। जांच में आए दिन नई-नई जानकारी प्राप्त हो रही है। लेटेस्ट अपडेट है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हैरी बॉक्सर (हरी चंद जाट उर्फ हैरी बॉक्सर) ने व्हाट्सएप पर वॉयस नोट भेजकर रणवीर सिंह से 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। यह धमकी रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की घटना के ठीक बाद भेजी गई थी। मुंबई क्राइम ब्रांच की प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई है कि वॉयस नोट में हैरी बॉक्सर की आवाज है। यह मैसेज अमेरिकी नंबर से भेजा गया था, जिसके लिए पुलिस अमेरिकी एजेंसियों से संपर्क कर रही है। जांच में पता चला कि वॉयस नोट वीपीएन का इस्तेमाल करके विदेश से भेजा गया था। धमकी के बाद रणवीर सिंह की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। क्राइम ब्रांच रणवीर सिंह के मैनेजर का भी बयान दर्ज कर चुकी है और मामले की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस ने अभी तक इस मामले में कोई एआईआर नहीं की है, लेकिन प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। मामले को लेकर अन्य सबूत जुटाए जा रहे हैं। रणवीर सिंह ने मैसेज मिलते ही तुरंत मुंबई पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उनके घर के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाते हुए उनके आवास पर अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात किए। उनकी सुरक्षा को और मजबूत कर दिया गया था। यह घटना रोहित शेट्टी के जूहू स्थित घर पर हुई फायरिंग से जुड़ी हुई मानी जा रही है, जहां कुछ दिन पहले गोलीबारी हुई थी। बिश्नोई गैंग ने पहले भी कई बॉलीवुड हस्तियों को धमकियां भेजी हैं। हैरी बॉक्सर, जो बॉक्सर से गैंगस्टर बना, गैंग का सदस्य है और विदेश में छिपा हुआ माना जाता है। मामले में यह जानकारी पहले ही सामने आ चुकी है कि धमकी देने वाले ने अपनी पहचान छुपाने के लिए वीपीएन (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) का इस्तेमाल किया था।

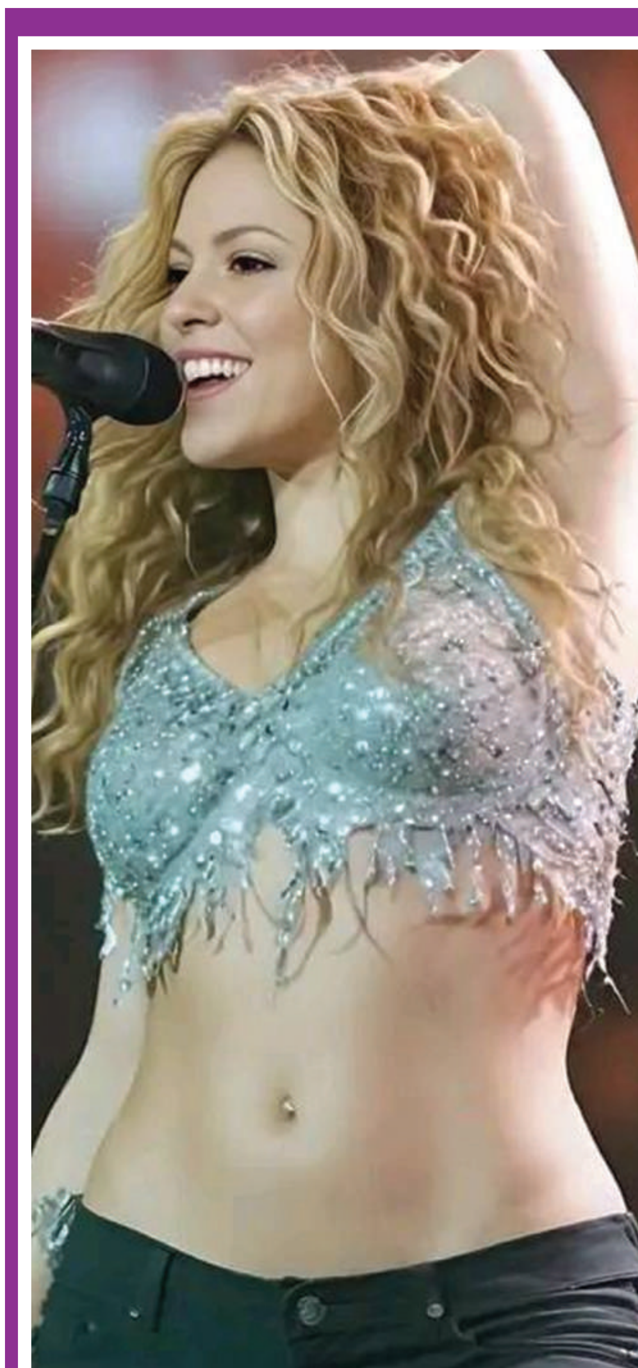

19 साल बाद भारत लौट रहीं शकीरा, मुंबई और दिल्ली में करेंगी लाइव कॉन्सर्ट

करीब दो दशकों के बाद ग्लोबल पॉप स्टार शकीरा एक बार फिर भारत में लाइव परफॉर्म करेंगी। खास बात यह है कि इस बार शकीरा दो बड़े भारतीय शहरों मुंबई और दिल्ली में अपने धमाकेदार कॉन्सर्ट करेंगी। 19 साल बाद भारत में उनकी वापसी को लेकर म्यूजिक लवर्स के बीच जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। आयोजकों की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, शकीरा 10 अप्रैल को मुंबई में और 15 अप्रैल को दिल्ली में परफॉर्म करेंगी। यह पहली बार है कि शकीरा का भारत दौरा दो शहरों में आयोजित किया जा रहा है। दोनों ही शहरों में उनके भारी संख्या में फैंस हैं। माना जा रहा है कि ये कॉन्सर्ट्स पूरी तरह हाउसफुल रहेंगे। शकीरा की एनर्जी, डांस मूव्स और सुपरहिट गानों का जादू भारतीय दर्शकों के सिर चढ़कर बोलेगा। अगर शकीरा के भारत कनेक्शन की बात करें, तो उन्होंने आखिरी बार साल 2007 में मुंबई में परफॉर्म किया था। उस समय वह अपनी 'ओरल फिक्सेशन टूर' के तहत भारत आई थीं। अब लगभग 19 साल बाद फैंस को उनकी लाइव परफॉर्मेंस देखने के लिए मिलेगी।

भारत में अपनी वापसी को लेकर शकीरा खुद भी काफी भावुक और उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि भारत में परफॉर्म करना हमेशा उनके लिए खास रहा है। मुंबई और दिल्ली के फैंस से दोबारा जुड़ना एक यादगार अनुभव होगा। इस 'फीडिंग इंडिया कॉन्सर्ट' के जरिए वह बच्चों के पोषण और बेहतर भविष्य का संदेश देना चाहती हैं। शकीरा का करियर तीन दशकों से भी ज्यादा लंबा रहा है। उन्होंने 1990 के शुरुआती दौर में अपने म्यूजिक सफर की शुरुआत की थी और धीरे-धीरे वह दुनिया की सबसे लोकप्रिय पॉप सिंगर्स में शामिल हो गईं।

'हिप्स डोंट लाइ', 'व्हेनएवर, वेयरएवर', 'वाका वाका', 'शी वुल्फ' और 'ला टोर्टुरा' जैसे गानों ने उन्हें ग्लोबल पहचान दिलाई। आज भी उनके गाने लगभग सभी देशों में पसंद किए जाते है।

सांड की आंख से लेकर पिंक तक तापसी पन्नू की इन फिल्मों ने बदला समाज का नजरिया

भारतीय सिनेमा पर लंबे समय से अभिनेताओं और बड़े स्तर की फिल्मों का कब्जा रहा है, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कामयाबी हासिल की और दर्शक भी खुद को थिएटर में सीटी बजाने से नहीं रोक पाए। अब बदलते समय के साथ महिला प्रधान फिल्मों ने भी हिंदी सिनेमा में अलग जगह बना ली है और लगभग हर अभिनेत्री बिना किसी मेन लीड के सहारे फिल्मों में अपनी धाक जमा रही है। आज तापसी पन्नू की 'अस्सी' सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है और अगर उनके करियर के पन्नों को पलटा जाए तो उन्होंने कई ऐसी महिला प्रधान फिल्में की हैं, जिन्होंने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। सिर्फ सिनेमाघर ही नहीं, बल्कि ओटीटी पर भी तापसी ने महिला प्रधान फिल्मों से फैंस का दिल जीता है। उनकी साल 2019 में आई 'बदला' ने ओटीटी पर नई लहर की शुरुआत की थी, जिसमें अपने प्रेमी के ही मर्डर केस में फंसी तापसी खुद के बेकसूर साबित करने की लड़ाई लड़ती हैं। 'बदला' में उनकी एक्टिंग की जमकर तारीफ हुई थी और आईएमडीबी पर रेटिंग 7.7 थी।

'बदला' से पहले तापसी ने 'पिंक' में काम किया था, जिसका डायलॉग 'नो मींस नो' ने समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया था। फिल्म में महिलाओं की मर्जी और उनकी भावनाओं को तवज्जो दी थी और समाज की संकीर्ण धारणाओं पर प्रहार किया था।

साल 2020 में तापसी 'थप्पड़' को लेकर आई, जिसमें महिलाओं के साथ होने वाली घरेलू हिंसा को उजागर किया गया और बताया गया कि शुरुआत एक थप्पड़ से ही होती है। फिल्म में सिर्फ 'एक थप्पड़' के कारण रिश्तों और सम्मान के सवाल को उठाया गया है, जिसके लिए इसे खूब सराहना मिली। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की और वर्ल्ड वाइड 44 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया।

'सांड की आंख' फिल्म को भी नहीं भुलाया जा सकता है, जिसमें तापसी ने प्रकाशी तोमर का रोल निभाया था। यह फिल्म साठ साल की दो बहनों चंद्रो और प्रकाशी के जीवन पर बनी थी, जो 60 साल की उम्र के बाद निशानेबाजी में आई और कई पुरस्कार भी अपने नाम किए। फिल्म में पितृसत्तात्मक और रुढ़िवादी सोच को भी बखूबी दिखाया गया। साल 2021 में आई रश्मि रॉकेट भले ही पर्दे पर कमाल नहीं कर पाई, लेकिन फिल्म भारतीय महिला खिलाड़ियों के संघर्ष पर बनी है। फिल्म में छोटे से गांव से निकली रश्मि वीरा अपने सपनों को उड़ान देने के लिए कई संघर्षों से गुजरती है। फिल्म में महिला खिलाड़ियों के साथ होने वाले भेदभाव, जेंडर टेस्टिंग और हाइपरएंड्रोजेनिज्म के मुद्दों पर प्रकाश डाला गया है। इसके अलावा लिस्ट में तापसी की 'हसीन दिलरुबा', 'ब्लर', 'शाबाश मिठू', और 'नाम शबाना' जैसी फिल्में भी शामिल हैं।

शतक फिल्म समीक्षा: दृढ़ विश्वास, साहस और राष्ट्र निर्माण की एक सदी

निर्देशक: आशीष मल्ल, लेखक: अनिल अग्रवाल, नितिन सावंत, रोहित गहलोत, उत्सव दान, परिकल्पना: अनिल धनपत अग्रवाल, अवधि: 112 मिनट, रेटिंग: 4.5 राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में दशकों से बहुत कुछ कहा गया है, आलोचना की गई और बहसें भी हुई। 'शतक' बाकी फिल्मों से अलग है, और यह पर्दे पर चर्चा को अनुभव में, बहस को समझ में और इतिहास को जीवंत क्षणों को बखूबी दिखाती है। यह फिल्म सिर्फ घटनाओं के बारे में नहीं है; यह उन लोगों, उनके साहस और अटूट दृढ़ विश्वास के बारे में है जो भारत के सबसे प्रभावशाली आंदोलनों में से एक के पीछे थे। यह फिल्म आरएसएस के पहले 50 वर्षों को समेटती है, और आने वाले 50 वर्षों की कहानी को भी सामने लाती है। यह एक सिनेमाई यात्रा है जो दर्शकों को आगे आने वाली घटनाओं के लिए उत्सुक कर देती है।

पहले ही सीन से, 'शतक' ऐतिहासिक कहानी कहने की एक उत्कृष्ट कृति के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर लेती है। भारत की उन अग्रणी फिल्मों में से एक जो लाइव-एक्शन को अत्याधुनिक तकनीक के साथ जोड़ती है, यह अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग केवल दिखावे के लिए नहीं, बल्कि ऐतिहासिक हस्तियों और क्षणों को आश्चर्यजनक यथार्थवाद के साथ जीवंत करने

के लिए एक सहज सेतु की तरह काम करती है।

फिल्म में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का चित्रण अत्यंत मार्मिक तरीके से दिखाया गया है। वह एक ऐसे व्यक्ति हैं, जो भारत के भुला दिए गए नायक हैं, जिनका अनुशासन, चरित्र और सेवा में दृढ़ विश्वास एक सदी लंबे मिशन की नींव बना। उनके प्रारंभिक जीवन, उनकी सादगी और स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उनके द्वारा किए गए बलिदानों को देखकर वे न केवल एक संस्थापक, बल्कि एक दूरदर्शी व्यक्ति के रूप में उभर कर आते हैं, जिनके शांत संकल्प ने एक ऐसे आंदोलन को आकार दिया जो उनसे कहीं अधिक विशाल था। शुरुआती दिनों की सादगी, खुले मैदान, छोटी-छोटी सभाएं, एक विचार के साथ शुरुआती कदम, सच्चे, जीवंत और प्रेरणादायक प्रतीत होते हैं। ये दृश्य हमें याद दिलाते हैं कि महान आंदोलन अक्सर सबसे साधारण परिवेश में जन्म लेते हैं और दिखावे के बजाय समर्पण से पोषित होते हैं।

जैसे-जैसे कहानी गुरुजी माधव सदाशिव गोलवलकर के नेतृत्व की ओर बढ़ती है, फिल्म का मिजाज गहरा होता जाता है, जिसमें आत्मनिरीक्षण, तनाव और दृढ़ता के क्षणों को पर्दे पर दिखाया गया है। फिल्म स्वतंत्रता संग्राम के दौरान और फिर महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगे कई प्रतिबंधों के विभिन्न पहलुओं को उजागर करती है और उन्हें सूक्ष्म नाटकीयता के बजाय शांत गंभीरता से पेश करती है। फिल्म में संगठन के पुनर्निर्माण को बारीकी से ध्यान देकर दर्शाया गया है। यह रणनीतिक दूरदर्शिता, नैतिक साहस और अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। फिल्म इन अध्यायों को जीवंतता प्रदान करती है, जिससे दर्शकों को चुनौतियों के व्यापक महत्व और व्यापकता को समझने का अवसर मिलता है।

शतक सिर्फ संगठन के इतिहास के बारे में नहीं है; यह भारत के राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण क्षणों को दर्शाती है। दादर और नागर हवेली की मुक्ति को संयम और गरिमा के साथ चित्रित किया गया है, जो स्वतंत्रता का एक शांत लेकिन सशक्त उत्सव है। कश्मीर को सुरक्षित करने के प्रयास और अशांत समय में दिए गए मार्गदर्शन को संवेदनशीलता और सटीकता के साथ दिखाया गया है, जो दर्शकों को याद दिलाता है कि भारत के भविष्य को आकार देने में आरएसएस ने पर्दे के पीछे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ये दृश्य साहस, दूरदर्शिता और सेवा भावना का प्रमाण हैं, जिन्हें इस तरह से प्रस्तुत किया गया है कि स्क्रीन बंद होने के बाद भी लंबे समय तक मन में गूंजते रहते हैं। 'शतक' फिल्म की खासियत यह है कि यह इतिहास में मानवीय कहानियों पर केंद्रित है। घर छोड़कर जाने वाले युवा स्वयंसेवक, अनिश्चितता का सामना कर रहे परिवार, चुपचाप बड़ी जिम्मेदारी उठाने वाले स्वयंसेवक, फिल्म उनके भावों, भय और अटूट समर्पण को बखूबी दर्शाती है। फिल्म का हर दृश्य इतने ठहराव के साथ आता है कि दर्शक प्रतिबद्धता के भार और उद्देश्य की महानता को महसूस कर सकें, जिससे इतिहास बेहद व्यक्तिगत और मार्मिक बन जाता है।

'शतक' की पूरी टीम ने फिल्म को बनाने में बहुत मेहनत की है। अनिल डी. अग्रवाल द्वारा परिकल्पित, आशीष मल्ल द्वारा सूक्ष्मता और सावधानी से निर्देशित, और वीर कपूर द्वारा सह-निर्माता आशीष तिवारी के साथ अदा 360 डिग्री एलएलपी के बैनर तले निर्मित यह फिल्म जुनून, ईमानदारी और दृढ़ विश्वास का परिणाम है। हर रचनात्मक निर्णय इतिहास, संगठन और उन लोगों के प्रति सम्मान को दर्शाता है जिनकी कहानियां फिल्म में बताई जा रही हैं।

आज राजयोग का संयोग, मेष, मिथुन और कर्क समेत पांच राशियां रहेंगी विशेष भाग्यशाली

आज यानी 21 फरवरी शनिवार का दिन कई शुभ योग के साथ प्रविष्ट हो रहा है। चंद्रमा का संचार मीन उपरांत मेष राशि में होगा और इस गोचर में चंद्रमा कल रेवती उपरांत अश्विनी नक्षत्र से संचार करेंगे। चंद्रमा के इस गोचर की वजह से कल मीन राशि में रहकर चंद्रमा अनफा योग बनाएंगे जबकि मेष राशि में पहुंचने पर मंगल से दृष्टि होकर धन योग बनाएंगे। साथ ही कल तीन राजयोग का भी संयोग बन रहा है, दरअसल कल बुधादित्य योग, लक्ष्मी नारायण योग और रुचक राजयोग भी प्रभावी रहने वाला है। और इस पर पर कल शनिवार के स्वामी ग्रह शनिदेव का नक्षत्र चरण बदल रहा है। शनिदेव कल उत्तराभाद्रपद नक्षत्र के दूसरे चरण में प्रवेश करेंगे। इन स्थितियों में कल शनिवार का राशिफल बता रहा है कि कल का दिन मेष, मिथुन, कर्क, धनु और कुंभ राशि के लिए उत्साहजनक और लाभदायक रहेगा। बुद्धि,चतुराई के साथ भाग्य भी इनको कल लाभ का अवसर प्रदान करेगा।

मेष राशि,कमाई के कुछ नए अवसर दरवाजा खटखटाएंगे।

मेष राशि के जातको के लिए कल शनिवार का दिन उत्साहजनक रहेगा। दिन का दूसरा भाग आपके लिए कल विशेष रूप से फलदायी रहने वाला है। आपको कुछ ऐसा काम करने को मिल सकता है जिसका आप काफी समय से इंतजार कर रहे हैं। आर्थिक मामलो में आपको भाग्य का साथ मिलेगा। कमाई के कुछ नए अवसर भी दरवाजा खटखटाएंगे। आपको अपने परिवार के सदस्यों से मेलजोल बनाकर रखना चाहिए, यह आपके लिए किसी फरिश्ता से कम नहीं होगे। आपको इनसे वह सहयोग मिल पाएगा जिसकी आपको जरूरत है। आप कारोबार में भी अच्छी कमाई कर सकते हैं। घर से संबधित काम में आपको जीवनसाथी से भी पूरा सहयोग प्राप्त होगा। आपकी व्यवहारकुशलता भी आपको लाभ दिला सकती है, आवेश में आने से आपको बचना चाहिए।

उपाय : मेष राशि के जातको को कल उपाय के तौर पर हनुमानजी को चमेली के तेल में सिंदूर मिलाकर लेपन करना चाहिए।

मिथुन राशि, आर्थिक योजना सफल होगी

मिथुन राशि के लिए कल 21 फरवरी का दिन अप्रत्याशित लाभ का संयोग बना रहा है। आपकी राशि से कल दसवें और ग्यारहवें भाव में चंद्रमा का संचार होगा जो एक तरफ तो आपके करियर को नई दिशा देगा वहीं आर्थिक क्षेत्र में आपकी योजनाओं को बल प्रदान करेगा। आपके हाथो कुछ पुण्य के काम भी होंगे। आप सामाजिक कार्यो में सहभागी हो सकते हैं। कोई बड़ा अवसर भी आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। आप कोई नया काम या नई योजना की शुरुआत कर सकते हैं। आपको पारिवारिक जीवन में भी आपनी जिम्मेदारियों को निभाना होगा जिसमें जीवनसाथी का पूरा सहयोग बना रहेगा। आपको किसी काम के लिए सम्मानित भी किया जा सकता है। यात्रा का भी संयोग बनेगा।

उपाय : मिथुन राशि के जातको को किसी जरूरतमंद को अन्न अथवा खाने पीने की वस्तुओं का दान करना चाहिए।

कर्क राशि,दिन का दूसरा भाग उत्साहवर्धक रहेगा

कर्क राशि के जातको के लिए कल शनिवार का दिन आरंभ में कुछ उलझन और अनचाहे खर्च को दर्शा रहा है लेकिन दिन का दूसरा भाग आपके लिए लाभ और उत्साह का संदेश लेकर आ रहा है। आपको कार्यक्षेत्र में अधिकारीवर्ग से सहयोग प्राप्त होगा। कुछ ऐसे काम भी आपको करने के अवसर प्राप्त होंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और आपको एक नई पहचान भी मिलेगी। आर्थिक मामलो में आपके लिए दिन अनुकूल रहेगा। आप सुख सुविधाओं की वस्तुओं और मनोरंजन पर धन खर्च कर सकते हैं। पिता और वरिष्ठ व्यक्तियों से आपको सपोर्ट मिलेगा। आपके लिए जरूरी सलाह है कि आप भावनाओं के बहाव में आने से बचें अन्यथा मानसिक कष्ट हो सकता है और लोग आपका फायदा भी उठा सकते हैं।

उपाय : कर्क राशि के जातको को कल उपाय के तौर पर भगवान शिव का घी से अभिषेक करना चाहिए। पीपल को जल देना भी शुभ होगा।

धनु राशि,कोई अधूरी चाहत आपकी पूरी होगी

धनु राशि के जातकों के लिए कल शनिवार का दिन प्रतिष्ठा और लाभ का संयोग बना रहा है। जो जातक विदेश में शिक्षा पाने के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको अपने प्रयास में सफलता मिल सकती है। आपका सामाजिक दायरा बढेगा। कुछ नए पुराने लोगों से आपको मिलने का मौका मिलेगा। कोई अधूरी चाहत आपकी पूरी होगी। दिन के दूसरे भाग में आपको कोई अप्रत्याशित लाभ मिल पाएगा। राशि से चतुर्थ और पंचम भाव में चंद्रमा का गोच करना आपके सुख साधनों में वृद्धि का भी संयोग बना रहा है। मातृपक्ष से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। महिलाओं को मायके की ओर से सहयोग मिल पाएगा। यात्रा का भी संयोग बनेगा और संतान पक्ष से आपको प्रसन्नता मिलेगी।

उपाय : जल में काले तिल और मिसरी मिलाकर पीपल को जल से अर्घ्य दें, शुभ होगा।

कुंभ राशि,कोई मनोकामना आपकी पूरी होगी

कुंभ राशि के जातको के लिए सितारे बताते हैं कि आपको चतुर बुद्धि और अनुभव का विशेष रूप से लाभ प्राप्त होगा। कुछ ऐसे लोगों से भी आपको सहयोग मिल सकता है जिनसे आपको उम्मीद नहीं होगी। पारिवारिक व्यवसाय में आपको परिवार से पूरा सहयोग मिलेगा। कोई मनोकामना भी आपकी पूरी होगी जिससे आप उत्साहित बने रहेंगे। नौकरी पेशा में आपका दिन सकारात्मक रहेगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा और आपको मनोरंजक समय बिताने का भी मौका मिलेगा। आपके लिए अच्छी बात यह भी है कि राजयोग के शुभ प्रभाव से आपको सम्मान और सुख साधनों की भी प्राप्ति होगी। दोपहर से रात तक का समय आपका सुख और आनंद में बीतेगा। आप मनपसंद भोजन का भी आनंद ले पाएंगे।

उपाय : आपको उपाय के तौर पर मछलियों को आटे के गोलियां देना चाहिए, अथवा कुत्ते को रोटी दें। इससे राहु और शनि दोनों के प्रतिकूल प्रभाव में कमी आएगी।

मुख्य द्वार पर फिटकरी रखने से क्या सच में बदलती है घर की किस्मत? जानिए वास्तु की मान्यताएं

घर का मुख्य द्वार और ऊर्जा का संबंध वास्तु शास्त्र में घर के मुख्य द्वार को ऊर्जा का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र माना गया है। माना जाता है कि यहीं से सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह की ऊर्जाएं घर में प्रवेश करती हैं। इसी कारण मुख्य द्वार की साफ-सफाई और देखभाल को घर की शांति, समृद्धि और संतुलन से जोड़कर देखा जाता है।

मुख्य द्वार पर फिटकरी रखने की मान्यता

वास्तु मान्यताओं के अनुसार, मुख्य द्वार के पास फिटकरी रखने या उससे समय-समय पर सफाई करने से घर की ऊर्जा में सकारात्मक बदलाव महसूस किया जा सकता है। कहा जाता है कि फिटकरी एक क्रिस्टल की तरह कार्य करती है, जो आसपास की नकारात्मक ऊर्जा को अपने भीतर समाहित कर लेती है और घर के अंदर उसके प्रभाव को कम करती है।

नकारात्मक ऊर्जा और बुरी नजर से जुड़ी मान्यताएं

मान्यता है कि फिटकरी भारी और नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर निष्क्रिय कर देती है। खासतौर पर उन घरों में जहां प्रवेश द्वार पर लोगों की आवाजाही अधिक रहती है, वहां इसे बुरी नजर और ईर्ष्या से पैदा होने वाली नकारात्मकता को कम करने वाला माना जाता है।

वास्तुदोष और मानसिक शांति से जुड़ा विश्वास

कुछ वास्तु मान्यताओं के अनुसार, मुख्य द्वार पर कांच के जार में फिटकरी रखने से दिशा से जुड़े सूक्ष्म दोषों का प्रभाव कम हो सकता है। इसे घर में मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन और आपसी सद्भाव बनाए रखने में सहायक माना जाता है, जिससे तनाव और अनावश्यक कलह में कमी आने की बात कही जाती है।

सेहत और नींद से जुड़ी धारणाएं

फिटकरी के बारे में यह भी विश्वास है कि इसके एंटीसेप्टिक गुण वातावरण को शुद्ध करने में मदद करते हैं। आध्यात्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह बुरे सपनों, बेचैनी और नकारात्मक प्रभावों से बचाव में सहायक हो सकती है, जिससे नींद और मानसिक सुकून बेहतर होता है।

फिटकरी से जुड़ा रखरखाव

वास्तु मान्यताओं में यह कहा जाता है कि जब फिटकरी का रंग बदलने लगे, तो उसे बदल देना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि रंग बदलना इस बात का संकेत है कि फिटकरी ने नकारात्मक ऊर्जा को अवशोषित कर लिया है। इसके बाद पुरानी फिटकरी को घर से बाहर फेंक देना बेहतर माना जाता है।

सपने में बार बार सांप दिखाई देना का क्या है मतलब, जानें शुभ अशुभ संकेत और उपाय

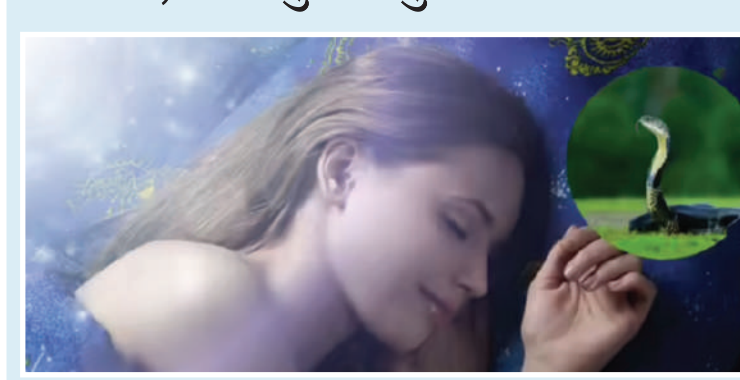

सपने में बार बार सांप का आना बहुत कोई आम बात नहीं है। स्वप्न शास्त्र में इस तरह के सपनों का अलग-अलग मतलब बताया गया है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, इस तरह के सपनों का अलग अलग मतलब बताया गया है। स्वप्न शास्त्र में बताया गया है कि सपनों की दुनिया बहुत ही विचित्र और मायावी है। कई बार लगातार एक ही तरह के सपने व्यक्ति को आते रहते हैं लेकिन, उनका सही अर्थ नहीं जान पाने के कारण व्यक्ति उस मायावी दुनिया में उलझा हुआ ही रहता है। लेकिन, सपनों का अर्थ समझकर सही उपाय करने से इन सभी मुश्किलों से बचा जा सकता है। तो आइए जानते हैं सपने में बार बार सांप को देखने का क्या मतलब है साथ ही जानें उपाय भी।

सपने में सांप देखना शुभ या अशुभ ?

कई बार ऐसा होता है कि आपको सोते समय अचानक ही सपने कोई बड़ा सांप दिखाई दे जाता है और आप सपने में किसी भयानक स्थिति में फंसे होते हैं। यानी सांप आपके पीछे भाग रहा है तो इसका अर्थ है कि आपके जीवन में कई ऐसी परेशानियां हैं जिनसे आप भाग रहे हैं। साथ ही सांप का भागना इस बात का संकेत भी देता है कि आपको अपने आसपास थोड़ा सावधानी से रहने की जरूरत है।

सपने में सांप का काटना

अगर आपको सपने में सांप डस लेता है या आपको काट लेता है इसका अर्थ है कि आप किसी न किसी बात को लेकर काफी ज्यादा तनाव में हैं। ऐसा सपने का मतलब यह भी है कि आप किसी पारिवारिक उलझन के बारे में भी काफी चिंतित हैं।

सपने में काले रंग का सांप देखना

अगर आपको अपने सपने में काले रंग का सांप दिखाई देता है तो इसका अर्थ है कि आपको आने वाले समय में स्वास्थ्य संबंधी ,समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

इस तरह के अशुभ सपने देखने के बाद अगर आप डर जाते हैं तो कुछ खास उपाय जरुर करने चाहिए।

सांप से जुड़े नकारात्मक सपने देखने के बाद भगवान शिव की पूजा करें। सोमवार के दिन भगवान शिव का अभिषेक किया करें।

महामृत्युंजय मंत्र का जप करें।

चांदी के नाग नागिन शिवलिंग पर अर्पित करें।

सपने में सांप देखने का सकारात्मक संकेत

स्वप्न शास्त्र में बताया गया है कि सांप का सपने में आना सिर्फ परेशानी और नकारात्मकता का प्रतीक नहीं है बल्कि यह नई शुरुआत और सकारात्मक को भी दर्शाता है।

सपने में शांत सांप को देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार,अगर आपको सपने में सांप पानी में शांत दिखाई देता है तो यह एक शुभ सपना माना जाता है। इस तरह के सपनों का अर्थ है कि आपके जीवन में कोई नया और अच्छा परिवर्तन हो सकता है।

अगर आप सपने में खुद को सांप को देखते हुए पाते हैं तो इसका अर्थ है कि आप जीवन में आने वाली सभी चुनौतियों के लिए तैयार है।

सपने में सुनहरे रंग का सांप देखना

सपने में हरे और सुनहरे रंग को सांप अगर आपको दिखाई देता है तो इस तरह के सपने बहुत ही शुभ माने जाते हैं। यह आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। इस सपने का अर्थ है कि आपको कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

ढुण्ढिराज चतुर्थी पर रवि योग के साथ अभिजित मुहूर्त, जानें भद्रा और पंचक का समय

भगवान गणेश की उपासना के लिए विशेष महत्व रखने वाली ढुण्ढिराज चतुर्थी 21 फरवरी को है। मत्स्य पुराण में इसे मनोरथ चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर भगवान गणेश के ढुण्ढिराज स्वरूप की पूजा-अर्चना करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और विघ्नों का नाश होता है। ढुण्ढिराज चतुर्थी पर गणेश जी की आराधना का विशेष महत्व है। गणपति को लाल फूल, दूर्वा, मोदक और सिंदूर चढ़ाकर विधिवत पूजा करना। मंत्र का जाप या स्त्रोत का पाठ विशेष फलदायी होगा। इस व्रत से बुद्धि, समृद्धि और सफलता की प्राप्ति होती है। जीवन से बाधाओं का नाश होता है और सफलता के द्वार खुलते हैं। दृक पंचांग के अनुसार, चतुर्थी तिथि 20 फरवरी को दोपहर 2 बजकर 38 मिनट से शुरू होकर 21 फरवरी की दोपहर 1 बजे तक रहेगी। उदयातिथि के आधार पर यह तिथि 20 फरवरी (शनिवार) को पूरे दिन मान्य होगी। इस दिन कई शुभ योग बन रहे हैं, जो पूजा के लिए अत्यंत उत्तम हैं। रवि योग सुबह 6 बजकर 54 मिनट से शाम 7 बजकर 7 मिनट तक रहेगा, जो सूर्य की शक्ति से युक्त होता है और कार्य सिद्धि में सहायक माना जाता है।

वहीं, अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 12 मिनट से 12 बजकर 58 मिनट तक है, जिसे सर्वश्रेष्ठ मुहूर्तों में से एक माना जाता है। अन्य शुभ काल में विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 28 मिनट से 3 बजकर 14 बजे तक, अमृत काल शाम 4 बजकर 49 मिनट से 6 बजकर 21 मिनट तक और गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 13 मिनट से 6 बजकर 38 मिनट तक रहेगा।

ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 13 मिनट से 6 बजकर 4 मिनट तक रहेगा, जो ध्यान और पूजा के लिए सर्वोत्तम होता है। वहीं, सूर्योदय 6 बजकर 54 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 15 मिनट पर होगा। हालांकि, कुछ अशुभ समय भी हैं, जिनसे बचना चाहिए। भद्रा सुबह 6 बजकर 54 मिनट से दोपहर 1 बजे तक रहेगी, इसलिए इस दौरान पूजा-पाठ या शुभ कार्य की मनाही होती है। पंचक भी सुबह 6 बजकर 54 मिनट से शाम 7 बजकर 7 मिनट तक प्रभावी रहेगा।

राहुकाल सुबह 9 बजकर 45 मिनट से 11 बजकर 10 मिनट तक, यमगंड दोपहर 2 बजे से 3 बजकर 25 मिनट तक और गुलिक काल सुबह 6 बजकर 54 मिनट से 8 बजकर 19 मिनट तक रहेगा। इन कालों में कोई नया कार्य या पूजा -पाठ नहीं करनी चाहिए।

शनिवार को आजमाएं ये 10 सरल उपाय कुंडली में कमजोर शनि होंगे बलवान

शनिवार के दिन शनिदेव को समर्पित है। मान्यता है कि शनिवार के दिन शनिदेव को बलवान करने के लिए कुछ सरल उपाय लाल किताब में बताए गए हैं। कुंडली में अगर शनि कमजोर होते हैं तो व्यक्ति को आर्थिक तंगी के साथ साथ पारिवारिक कलह आदि का सामना करना पड़ता है। कुंडली में अगर शनि कमजोर होते हैं तो व्यक्ति को जीवन में काफी संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है। वैदिक ज्योतिष में शनि को प्रसन्न करने के लिए कुछ उपाय बताए गए हैं। जिन्हें करने से शनि शांत होते हैं। लाल किताब में भी शनि को शांत करने के कुछ सरल उपाय बताए हैं।

शनिवार को शनिदेव को प्रसन्न करने के उपाय

* लाल किताब में बताया गया है शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए शनिवार के दिन काला नमक लें या काला सुरमा लेकर किसी सुनसान स्थान पर दबा दें।

* लाल किताब के अनुसार, शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए शनिवार के दिन मंदिर में उड़द, काली मिर्च, चना या चंदन का दान करें।

* लाल किताब के अनुसार, शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए बांसुरी में गुड़ भरकर उसे एकांत स्थान पर दबा आएं।

* लाल किताब के अनुसार, शनिवार के दिन 12 बादाम लेकर एक काले कपड़े में बांध लें और उसे अपने घर की दक्षिण दिशा में रख दें। ऐसा करने से शनि का अशुभ प्रभाव कम होगा।

* लाल किताब में बताया गया है कि शनि को मजबूत करने के लिए शनिवार के व्रत करने चाहिए।

* कामकाज में सफलता पाने के लिए लाल किताब में बताया गया है कि कोई भी काम की शुरुआत करने से पहले अपने घर में एक मिट्टी का घड़ा लेकर उसमें पानी भर दें फिर अपने काम की शुरुआत करें। आपको काम में सफलता मिलने लगेगी।

* शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए 12 शनिवार को लगातार मछलियों को दाना खिवाएं। इस उपाय को करने से कुंडली में अशुभ शनि ठीक होने लगते हैं।

* शनिवार के दिन नारियल को चलते पानी में प्रवाहित कर दें। इस उपाय को भी कम से कम 7 या 12 शनिवार करना है। लाल किताब में बताया गया है कि इस उपाय को करने से शनि का अशुभ प्रभाव कम होता है।

* शनिवार के दिन रोटी पर सरसों का तेल लगाकर किसी काले कुत्ते या कौए को खिलाएं । लाल किताब के अनुसार, इस उपाय को करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।

* कुंडली में अगर शनिदेव नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं तो लगातार 43 दिन तक शनिवार से शुरू करें और रोजाना नंगे पैर मंदिर जाएं और भगवान से हाथ जोड़कर माफी मांगे।

संपादकीय

एआई के 'प्रणेता' और 'चोर'

एआई के महाकुंभ में कुछ भारतीय 'प्रणेताओं' की खूब चर्चा है। उनके अनुसंधान और नवाचार समाजपरक, व्यावहारिक, शिक्षक, भाषाविद, वैज्ञानिक आदि की श्रेणियों में हैं, लिहाजा प्रशंसा और पुरस्कार दोनों मिल रहे हैं। भारतीय स्टार्टअप 'सर्वम एआई' ने एक साथ 11 एआई प्लेटफॉर्म पेश कर पूरी दुनिया को चौंका दिया है। सर्वम केज (चश्मा), विक्रम, सारस, बुलबुल, सर्वम डब, सर्वम विजन, संवाद, आर्या, सर्वम एज, सर्वम 105बी (सुपर स्मार्ट मॉडल) और सर्वम 30बी वे प्लेटफॉर्म हैं, जिनसे साधारण फीचर फोन पर कॉल के जरिए एआई की सेवाएं ली जा सकती हैं। ऐसा भी एआई है, जो इंटरनेट के बिना भी फोन पर चलेगा। दरअसल मनुष्य के भीतर जो चेतना होती है अथवा उसके अवचेतन में जो मौजूद रहता है या मस्तिष्क शेष शरीर को संचालित करता है, दिशा दिखाता है, ये एआई प्लेटफॉर्म भी लगभग उसी भूमिका में हैं। अर्थात यह भी साबित हो रहा है कि एआई मानवोपयोगी है, उसका सहायक है। बेशक नई प्रौद्योगिकी के कारण आईटी कंपनियों में हलचल है और बड़े स्तर पर कर्मचारियों की छंटनी की जा रही है, लेकिन आईटी में ही एक निश्चित समय के बाद उछाल लौट कर आएगा। फिर एआई और आईटी समन्वित रूप से दुनिया पर राज करेंगे। एआई के इन अनुसंधानों और उपलब्धियों की ही चर्चा होनी चाहिए थी, लेकिन सुर्खियों में नोएडा की गलगोटिया यूनिवर्सिटी है, जिसने न केवल भारत की छवि को कलंकित किया है, बल्कि नवाचार के नाम पर 'चोर' साबित हुई है। गलगोटिया से सिर्फ स्टॉल ही खाली नहीं कराना चाहिए था, बल्कि उसके खिलाफ 'बौद्धिक चोरी' का केस दर्ज करा, दोषी व्यक्ति को, जेल भिजवाना चाहिए था। गलगोटिया ने अपने बूथ पर प्रदर्शित 'रोबोटिक डॉग' को 'इन-हाउस इनोवेशन' बताया था, जो बाद में चीन का उत्पाद साबित हुआ। गलगोटिया द्वारा घोषित 'ड्रोन सॉकर' भी दक्षिण कोरिया का निकला। यह कोई स्कूली प्रदर्शनी नहीं है, अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन है, जिसका आयोजन भारत अपनी राजधानी दिल्ली में कर रहा है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई कहते हैं कि भारत एआई के साथ दुनिया में एक असाधारण मुकाम हासिल करेगा। एआई हमारे जीवन का सबसे बड़ा 'प्लेटफॉर्म शिफ्ट' (तकनीकी बदलाव) है और भारत 'फुल-स्टैक प्लेयर' बनने की स्थिति में है। मेटा के एआई प्रमुख एलेक्जेंडर वैंग ने माना है कि भारत एआई के क्षेत्र में बहुत ही सकारात्मक केस स्टडी है। उसमें 'वैश्विक पॉवरहाउस' बनने की पूरी क्षमता है, लेकिन गलगोटिया सरीखे कलंक और 'तकनीकी चोर' सामने आए हैं, तो उनसे आयोजकों की निगरानी, जांच-पड़ताल भी सवालिया है, छिद्रपूर्ण है। दरअसल यह कोई पुराना, धार्मिक मेला नहीं है। यह राष्ट्राध्यक्षों, प्रौद्योगिकी के शीर्ष नेतृत्व, वैज्ञानिकों और अंतरराष्ट्रीय मीडिया की निगाहों का मेला है। दिल्ली में पहले दिन ही अराजकता, अस्त-व्यस्त भीड़ दिखी। यह भारत की फजीहत की शुरुआत थी। लोगों ने सभा-स्थलों में प्रवेश करने को धक्के दिए, संघर्ष किए, क्योंकि व्यवस्था दुरुस्त नहीं थी। पंजीकरण प्रणाली और डिजिटल भुगतान को लेकर शिकायतें सामने आईं। हमारे पास स्वर्णिम अवसर था कि हम दुनिया को दिखा सकते थे कि भारत प्रथम दर्जे का, तकनीकी रूप से सम्पन्न आयोजक है। यह पश्चिम को यूपीआई की ताकत, कुशलता, सुगमता दिखाने का भी मौका था, लेकिन दूसरे ही दिन चीन के 'रोबोडॉग चोरी' के मामले ने आयोजकों की मिट्टी पलीद कर दी। भारत के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव को माफी मांगनी पड़ी। बहरहाल भारत अभी एआई के शीर्ष दावेदारों में शामिल नहीं है। हमारे यहां करीब 150 डाटा केंद्र हैं, जबकि अमरीका में 5100 से अधिक केंद्र हैं। स्टैनफोर्ड ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंडेक्स 2025 के मुताबिक, भारत 'एआई वाइब्रेंसी' में दुनिया में तीसरे स्थान पर है, लेकिन 0.49 के स्कोर के साथ भारत 174 देशों में 72वें स्थान पर है, जबकि चीन 31वें स्थान पर है। डाटा केंद्रों की सूची में भारत 14वें स्थान पर है। भारत एक संदर्भ में 47वें स्थान पर भी है और उसे 'उभरती अर्थव्यवस्था' की श्रेणी में रखा गया है। भारत में 17 वर्षीय प्रणेत खेतान, आदित्य भंडारी और मान्या चतुर्वेदी सरीखे 'प्रणेताओं' की जरूरत है।

भारतीय स्टार्टअप 'सर्वम एआई' ने एक साथ 11 एआई प्लेटफॉर्म पेश कर पूरी दुनिया को चौंका दिया है। सर्वम केज (चश्मा), विक्रम, सारस, बुलबुल, सर्वम डब, सर्वम विजन, संवाद, आर्या, सर्वम एज, सर्वम 105बी (सुपर स्मार्ट मॉडल) और सर्वम 30बी वे प्लेटफॉर्म हैं, जिनसे साधारण फीचर फोन पर कॉल के जरिए एआई की सेवाएं ली जा सकती हैं। ऐसा भी एआई है, जो इंटरनेट के बिना भी फोन पर चलेगा। दरअसल मनुष्य के भीतर जो चेतना होती है अथवा उसके अवचेतन में जो मौजूद रहता है या मस्तिष्क शेष शरीर को संचालित करता है, दिशा दिखाता है, ये एआई प्लेटफॉर्म भी लगभग उसी भूमिका में हैं। अर्थात यह भी साबित हो रहा है कि एआई मानवोपयोगी है, उसका सहायक है। बेशक नई प्रौद्योगिकी के कारण आईटी कंपनियों में हलचल है और बड़े स्तर पर कर्मचारियों की छंटनी की जा रही है, लेकिन आईटी में ही एक निश्चित समय के बाद उछाल लौट कर आएगा। फिर एआई और आईटी समन्वित रूप से दुनिया पर राज करेंगे। एआई के इन अनुसंधानों और उपलब्धियों की ही चर्चा होनी चाहिए थी, लेकिन सुर्खियों में नोएडा की गलगोटिया यूनिवर्सिटी है, जिसने न केवल भारत की छवि को कलंकित किया है, बल्कि नवाचार के नाम पर 'चोर' साबित हुई है। गलगोटिया से सिर्फ स्टॉल ही खाली नहीं कराना चाहिए था, बल्कि उसके खिलाफ 'बौद्धिक चोरी' का केस दर्ज करा, दोषी व्यक्ति को, जेल भिजवाना चाहिए था। गलगोटिया ने अपने बूथ पर प्रदर्शित 'रोबोटिक डॉग' को 'इन-हाउस इनोवेशन' बताया था, जो बाद में चीन का उत्पाद साबित हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस- 21 फरवरी, 2026

डिजिटल युग में मातृभाषाओं को बचाना बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

वर्ष 2026 में इसकी मुख्य थीम "बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज़" है, जो यह संकेत देती है कि भविष्य की भाषाई दिशा युवा पीढ़ी तय करेगी। यह वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इस दिवस की 25वीं वर्षगांठ-रजत जयंती का प्रतीक है। वर्ष 1999 में यूनेस्को द्वारा इसकी घोषणा की गई और 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जा रहा है। इस वर्ष का फोकस 13 से 18 वर्ष के युवाओं को भाषाई विविधता के संरक्षण, मातृभाषा में शिक्षा के विस्तार और डिजिटल युग में भाषाओं की भूमिका पर सक्रिय संवाद के लिए प्रेरित करना है। मातृभाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती, वह मनुष्य के मन, मस्तिष्क और संवेदनाओं की प्रथम अभिव्यक्ति है। बच्चा जब जन्म लेता है तो वह किसी औपचारिक शिक्षा से पहले अपनी माँ की ध्वनियों, लोरियों और संवादों के माध्यम से भाषा का संस्कार ग्रहण करता है। यही भाषा उसकी सोच, उसकी रचनात्मकता और उसकी पहचान का आधार बनती है।

21 फरवरी को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस केवल मातृभाषा संस्कृति को बचाने का अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि मानवता की सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। वर्ष 2026 में इसकी मुख्य थीम "बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज़" है, जो यह संकेत देती है कि भविष्य की भाषाई दिशा युवा पीढ़ी तय करेगी। यह वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इस दिवस की 25वीं वर्षगांठ-रजत जयंती का प्रतीक है। वर्ष 1999 में यूनेस्को द्वारा इसकी घोषणा की गई और 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जा रहा है। इस वर्ष का फोकस 13 से 18 वर्ष के युवाओं को भाषाई विविधता के संरक्षण, मातृभाषा में शिक्षा के विस्तार और डिजिटल युग में भाषाओं की भूमिका पर सक्रिय संवाद के लिए प्रेरित करना है। मातृभाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती, वह मनुष्य के मन, मस्तिष्क और संवेदनाओं की प्रथम अभिव्यक्ति है। बच्चा जब जन्म लेता है तो वह किसी औपचारिक शिक्षा से पहले अपनी माँ की ध्वनियों, लोरियों और संवादों के माध्यम से भाषा का संस्कार ग्रहण करता है। यही भाषा उसकी सोच, उसकी रचनात्मकता और उसकी पहचान का आधार बनती है। शोधों से यह सिद्ध हो चुका है कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होने पर बच्चों की समझ, विश्लेषण क्षमता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। फिर भी वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत बच्चों को उस भाषा में शिक्षा नहीं मिलती जिसे वे बोलते या समझते हैं। इस दिवस का ऐतिहासिक संदर्भ हमें 21 फरवरी 1952 की उस त्रासदी की याद दिलाता है जब पूर्वी पाकिस्तान में अपनी मातृभाषा बांग्ला के सम्मान के लिए छात्रों ने आंदोलन किया और गोलीबारी में अनेक युवा शहीद हो गए। बाद में यही पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र होकर बांग्लादेश बना। उन शहीदों की स्मृति में यह दिवस भाषाई अधिकारों और अस्मिता का प्रतीक बन गया। यह हमें सिखाता है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि स्वाभिमान और स्वतंत्रता का आधार है। वर्ष 2026 की थीम युवाओं की भागीदारी को केंद्र में रखती है। आज का युवा डिजिटल संसार में जी रहा है। सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑनलाइन शिक्षा उसके जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मातृभाषाओं के लिए पर्याप्त स्थान है? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ओर तो विलुप्तप्राय भाषाओं के शब्दकोश, ध्वनि-संग्रह और अनुवाद प्रणाली विकसित कर उन्हें पुनर्जीवित कर सकता है, वहीं दूसरी ओर यदि तकनीक कुछ सीमित भाषाओं तक सिमट जाए तो भाषाई असमानता और गहरी हो सकती है। इसलिए युवाओं को तकनीक का उपयोग मातृभाषा सशक्तिकरण के लिए करना होगा-ऐप, ब्लॉग, पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और डिजिटल पुस्तकालयों के माध्यम से अपनी भाषाओं को वैश्विक मंच देना होगा। यूनेस्को का मानना है कि स्थायी समाज के लिए सांस्कृतिक और भाषाई विविधता बहुत जरूरी है। शांति के लिए अपने जनादेश के तहत यह

संस्कृतियों और भाषाओं में अंतर को बनाए रखने के लिए काम करता है जो दूसरों के लिए सहिष्णुता और सम्मान को बढ़ावा देते हैं। बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक समाज अपनी भाषाओं के माध्यम से अस्तित्व में रहते हैं जो पारंपरिक ज्ञान और संस्कृतियों को स्थायी तरीके से प्रसारित और संरक्षित करते हैं। भाषाई विविधता लगातार खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अधिकाधिक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं। मातृभाषा जीवन का आधार है, यह एक ऐसी भाषा होती है जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। लेकिन मानव समाज में कई दफा हमें मानवाधिकारों के हनन के साथ-साथ मातृभाषा के उपयोग को गलत भी बताया जाता रहा है। भारत जैसे बहुभाषी देश में यह चुनौती और अवसर दोनों है। पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार पिछले कुछ दशकों में सैकड़ों भाषाएँ लुप्त हो चुकी हैं। यह केवल शब्दों का खो जाना नहीं, बल्कि परंपराओं, लोककथाओं, लोकगीतों और जीवनदृष्टि का विलुप्त होना है। यदि नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा से विमुख हो जाएगी तो सांस्कृतिक जड़ों से उसका संबंध कमजोर हो जाएगा। इसलिए आवश्यक है कि विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन मिले, स्थानीय साहित्य और लोकसंस्कृति को पाठ्यक्रम में स्थान दिया जाए, और युवाओं को अपनी भाषा में अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान किए जाएँ। आज एक बड़ा भ्रम यह है कि केवल विदेशी भाषा ही विकास का मार्ग है। निस्संदेह वैश्विक संपर्क के लिए अन्य भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है, परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि हम अपनी मातृभाषा की उपेक्षा करें। मातृभाषा में शिक्षा से ही मौलिक चिंतन और नवाचार संभव है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 ने भी प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में देने पर बल दिया है। यह निर्णय वैज्ञानिक दृष्टि से भी उचित है, क्योंकि जब विद्यार्थी अपनी सहज भाषा में सीखता है तो वह केवल जानकारी ग्रहण नहीं करता, बल्कि उसे आत्मसात करता है। हमारे देश में मातृभाषाओं के प्रति अनेक प्रकार के भ्रम फैले हैं, जिनमें एक भ्रम है कि अंग्रेजी विकास और ज्ञान की भाषा है। जबकि इस बात से यूनेस्को सहित अनेक संस्थानों के अनुसंधान यह सिद्ध कर चुके हैं कि अपनी भाषा में शिक्षा से ही बच्चे का सही एवं सर्वांगीण मायने में विकास हो पाता है। इस दृष्टि से मातृभाषा में शिक्षा पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है। युवाओं में मातृभाषा के प्रति आकर्षण कैसे बढ़ाया जाए? पहला उपाय है-भाषा को बोझ नहीं, गौरव के रूप में प्रस्तुत करना। जब हम अपने साहित्यकारों, वैज्ञानिकों और महापुरुषों की उपलब्धियों को मातृभाषा से जोड़कर बताते हैं, तो युवाओं में स्वाभिमान जागृत होता है। दूसरा उपाय है-रचनात्मक मंच उपलब्ध कराना। कविता-पाठ, नाटक, वाद-विवाद, ब्लॉग लेखन और डिजिटल कंटेंट निर्माण के माध्यम से युवा अपनी भाषा में सृजन करें। तीसरा उपाय है-परिवार की भूमिका। घर में यदि संवाद मातृभाषा में होगा तो बच्चे में स्वाभाविक अनुराग उत्पन्न होगा। भाषाई विविधता के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। भारत में सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ हैं; प्रत्येक भाषा अपने साथ एक विशिष्ट जीवनदर्शन लेकर आती है। हमें यह समझाना होगा कि किसी भी भाषा को छोटा या बड़ा कहना अनुचित है। सभी भाषाएँ समान रूप से सम्माननीय हैं। हिन्दी राजभाषा है, परंतु अन्य भारतीय भाषाएँ भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। संस्कृत हमारी प्राचीन ज्ञान-परंपरा की धरोहर है, तो तमिल, बांग्ला, मराठी, गुजराती, उड़िया, असमिया, कन्नड़, मलयालम, पंजाबी, कश्मीरी और अन्य भाषाएँ अपनी-अपनी सांस्कृतिक संपदा से राष्ट्र को समृद्ध करती हैं। डिजिटल युग में युवाओं को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे अपनी मातृभाषा में कम से कम एक रचनात्मक कार्य अवश्य करेंगे-चाहे वह एक ब्लॉग हो, एक कहानी, एक गीत या एक शैक्षिक वीडियो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुवाद उपकरणों और भाषा मॉडल्स का उपयोग करके वे अपनी भाषा की सामग्री को वैश्विक पाठकों तक पहुँचा सकते हैं। इससे न केवल भाषा का संरक्षण होगा, बल्कि आर्थिक अवसर भी बढ़ेंगे। स्थानीय भाषाओं में स्टार्टअप, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल प्रकाशन नए रोजगार के द्वार खोल सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2026 हमें यह संदेश देता है कि भाषाई विविधता ही मानवता की वास्तविक समृद्धि है। यदि हम सतत विकास का लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं तो समावेशी शिक्षा आवश्यक है, और समावेशी शिक्षा का आधार मातृभाषा है। युवाओं की आवाज़ जब बहुभाषी शिक्षा के समर्थन में उठेगी, तभी समाज में व्यापक परिवर्तन संभव होगा। आज आवश्यकता है एक सामूहिक संकल्प की-हम अपनी मातृभाषा का सम्मान करेंगे, उसे डिजिटल मंचों पर प्रतिष्ठित करेंगे और आने वाली पीढ़ियों तक उसकी विरासत पहुँचाएँगे। भाषा हमारी आत्मा है; उसे जीवित रखना हमारा दायित्व है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर यही संदेश गूंजना चाहिए कि युवा ही भाषाई भविष्य के प्रहरी हैं। जब युवा अपनी जड़ों से जुड़ेंगे, तभी विश्व अधिक समावेशी, सहिष्णु और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनेगा।

देश दुनिया से

खाद्य सुरक्षा के लिए जरूरी मौसम अनुकूल खेती

फरवरी का महीना आमतौर पर गुलाबी ठंड और वसंत की मंद बयार का प्रतीक माना जाता रहा है। यह वह समय होता है जब रबी की फसलें और आम के बगीचे अपने यौवन पर होते हैं। लेकिन साल 2026 की यह फरवरी डराने वाली है। फरवरी के मध्य में ही देश के एक बड़े हिस्से में पारा 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के पार जा चुका है, जो सामान्य से करीब 5 से 7 डिग्री अधिक है। यह केवल एक मौसमी उतार-चढ़ाव नहीं है, बल्कि 'ग्लोबल वार्मिंग' का वह क्रूर चेहरा है जो सीधे हमारी थाली और देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रहार कर रहा है। जलवायु परिवर्तन का सबसे घातक प्रहार हमारी खाद्य सुरक्षा और 'फलों के राजा' आम पर हो रहा है। रबी की मुख्य फसल गेहूं के लिए फरवरी का दूसरा पखवाड़ा 'ग्रैन फिलिंग' यानी बालियों में दाना भरने की अवस्था का होता है। इस नाजुक दौर में अचानक बढ़ी गर्मी 'थर्मल स्ट्रेस' पैदा कर रही है। जब तापमान 30 डिग्री के ऊपर बना रहता है, तो पौधों के भीतर चयापचय की प्रक्रिया असामान्य रूप से तेज हो जाती है और दाना पूरी तरह विकसित होने से पहले ही सख्त होने लगता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'फोर्स्ड मेच्योरिटी' कहा जाता है। परिणामस्वरूप, दाना छोटा, हल्का और झुर्रियों वाला रह जाता है। कृषि वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि तापमान में इसी तरह की वृद्धि जारी रही, तो गेहूं की पैदावार में प्रति हेक्टेयर 15 से 20 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। सागर और औरैया के खेतों से आ रही रिपोर्टें बताती हैं कि गेहूं की बालियां समय से पहले सफेद पड़ रही हैं, जो सीधे तौर पर किसान की साल भर की मेहनत पर पानी फेरने जैसा है। विशेषज्ञ बताते हैं कि आम का पुष्पन जाड़े के अंत और वसंत की शुरुआत में स्थिर तापमान और मध्यम आर्द्रता में होता रहा है। किंतु तापमान की वर्तमान अनिश्चितता ने इस प्रक्रिया को 'रोलर-कोस्टर' बना दिया है। इसके विपरीत, यदि अचानक तापमान गिरता है, तो फूलों का खुलना असमान हो जाता है। सुबह की अत्यधिक नमी फफूंदजनित रोगों का जोखिम बढ़ा रही है, जबकि दोपहर की शुष्क हवा पराग के अंकुरण को बाधित कर रही है। नतीजा यह है कि या तो फूल गिर रहे हैं, या निषेचन के बाद भी फल टिक नहीं पा रहे हैं। आमतौर पर सर्दियों में होने वाली 'मावट' या बारिश फसलों के लिए अमृत समान होती थी, लेकिन इस

साल शुष्कता और बढ़ती गर्मी ने मिट्टी की नमी को सोख लिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले एक दशक में फरवरी के महीने में लू जैसी स्थितियों की आवृत्ति बढ़ी है। इस पैटर्न में भारत के मौसम चक्र से 'वसंत' ऋतु धीरे-धीरे गायब हो रही है। इसका असर केवल गेहूं और आम पर ही नहीं, बल्कि सरसों और दलहन पर भी पड़ रहा है। सरसों की फलियों में तेल की मात्रा कम होने की आशंका है और चने के पौधों में फूल समय से पहले ही झड़ रहे हैं। इस विकट परिस्थिति का निदान अब केवल पारंपरिक खेती के ढर्रे पर चलकर संभव नहीं है। हमें 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर' यानी जलवायु-अनुकूल कृषि की ओर युद्धस्तर पर बढ़ना होगा। मिट्टी की नमी बचाने के लिए गन्ने की सूखी पत्तियों, भूसे या सूखी घास से 'मल्चिंग' करना अब अनिवार्यता है। यह तकनीक सतह के तापमान को स्थिर रखती है और पानी के वाष्पीकरण को रोकती है। इसके साथ ही, सूक्ष्म-सिंचाई (ड्रिप/स्प्रिंकलर) को अपनाकर 'कम पानी—ज़्यादा असर' के सिद्धांत पर काम करना होगा। बागों की मेढ़ों पर कटहल, बांस या नीम जैसे वायुरोधी अवरोध लगाने चाहिए ताकि तेज पछिया हवाओं से फूलों और फलों का बचाव हो सके। वैज्ञानिकों के अनुसार, पुष्पन के दौरान बोरॉन और जिंक जैसे सूक्ष्म-पोषक तत्वों का संतुलित छिड़काव फूलों की जीवन-क्षमता को बढ़ा सकता है। साथ ही, कीटों और रोगों के प्रबंधन के लिए मौसम-पूर्वानुमान आधारित छिड़काव ही कारगर होगा। ब्लॉक-स्तरीय मौसम परामर्श और सटीक पूर्वानुमान आज किसानों के लिए सबसे बड़े 'निर्णय-सहायक उपकरण' हैं। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में किस्मों का विवेकपूर्ण चयन भी महत्वपूर्ण है। आम्रपाली, मल्लिका और गेहूं की 'हीट टॉलरेंट' किस्में जैसे डीबीडब्ल्यू 187 बदलती परिस्थितियों में बेहतर अनुकूलन दिखा रही हैं। यदि देश के कुल अनाज उत्पादन में बड़ी गिरावट आती है, तो इसका असर केवल किसान की आय पर ही नहीं, बल्कि देश की जीडीपी और आम आदमी की रसोई पर पड़ेगा। समझना होगा कि धरती का बढ़ता तापमान हमारे विकास के मॉडल पर प्रकृति का प्रतिघात है। मिट्टी की नमी को बचाना और बदलती जलवायु के अनुसार खुद को ढालना अब हमारी पसंद नहीं, बल्कि अस्तित्व की मजबूरी है। नीति-निर्माताओं, कृषि वैज्ञानिकों और स्वयं किसानों को एक मंच पर आकर इस चुनौती का सामना करना होगा। विज्ञान-आधारित प्रबंधन और समयबद्ध निर्णयों के साथ हम इस नई सच्चाई के साथ तालमेल बिठा सकते हैं।

आप का नज़रिया

फिर कसौटी पर राज्यसभा चुनाव

फिर वही करवटें और आसमां पे लिखी जाएगी कहानी। एक सफर राज्यसभा की ओर और चंद कदमों के फासले पर राजनीतिक इच्छाशक्ति। हिमाचल पुनः कांग्रेसी सत्ता की कसौटी पर राज्यसभा की सदस्यता में एक नया चेहरा आजमाना चाहेगा। एक नया पड़ाव, नई महत्त्वाकांक्षा और फानूस के नीचे अपने अंधेरों से युद्ध। परिस्थितियां पहले भी गणित के हिसाब से कांग्रेस को अवसर दे चुकी थीं, लेकिन सियासत के खोट ने सत्ता पक्ष की जेब काट डाली थी। तब के छूटे आसमान को इस बार तसल्ली से कांग्रेस छूना चाहेगी। सोलह मार्च तक होने हैं चुनाव, जब वर्तमान सांसद इंदु गोस्वामी की जगह कांग्रेस का कोई पहलवान सामने आएगा। इस बार पहरे में ही दरिया बहेंगे, तू चल तो सही साहिल पे रहेंगे। राज्यसभा की सदस्यता की अहमियत में हिमाचल का सियासी कद अपनी वकालत नहीं कर पाता। इसलिए चेहरे ढूंढती पार्टियां प्रदेश के बाहर से अकसर उम्मीदवार आयात कर लेती हैं। पिछली बार कांग्रेस अभिषेक मनु सिंघवी को हिमाचल के कोटे से राज्यसभा पहुंचाना चाहती थी, लेकिन पार्टी के भीतर ऐसा खेला हुआ कि सारी तिजोरी लुट गई। इस बार किसका नंबर आएगा, यह कहानी फिर से एक नई कहावत बनेगी। क्या केंद्रीय पूल से कांग्रेसी नेताओं की एडजस्टमेंट हिमाचल से होगी या पार्टी हिमाचल से किसी को चिन्हित करेगी। राज्यसभा एक खुला आसमान रहा है, जबकि राष्ट्रीय बहस के पैमानों में सांसदों का बेहतरीन कौशल यहीं देखा जाता है। हिमाचल के बौद्धिक जगत, शिक्षाविद, वकील और अर्थ-शास्त्रियों से खोजा जाए, तो मुद्दों की वकालत में कोई तहरीर निकल आए। हिमाचल के पक्ष को मजबूत करने के लिए राज्यसभा का चुनाव, ऐसी हस्तियां खोज सकता है जो चुनावी प्रणाली की ठेठ परीक्षा से हटकर, विजन के धरातल पर देश को अपना पक्ष बताना चाहते हैं। राज्यसभा की सीटें विशुद्ध राजनीति से हटकर मानी जाती रही हैं। अब चीखने-चिल्लाने की सोहबत में यहां भी आसमान घट रहा है। राज्यसभा की वोटिंग के बाद 37 नए सांसद जुड़ेंगे। दस राज्यों की खाली सीटों में कांग्रेस के लिए हिमाचल एक बड़ा ठौर होगा। इस साल 72 सीटों पर चुनाव होंगे और इस तरह भाजपा का पलड़ा थोड़ा सा और भारी हो सकता है। मौजूदा राज्यसभा में भाजपा के 103 और एनडीए के 126 सांसद हैं। हिमाचल के बहुत सारे मुद्दे केंद्र में जब्त हैं। बात डबल इंजन की विरासत पर नहीं रुकती, बल्कि हिमाचल के चिरागों को हक की रोशनी चाहिए। आखिर केंद्र की आंखों में आंख डाल कर कौन बात करेगा कि हमें दूर से चिलमन के झरोखों से क्यों देखा गया। अगर शिमला में बजट सत्र आरडीजी से तपा है, तो यही मंसूबे दिल्ली में कब जाहिर होंगे। क्या सत्ता को केंद्रीय सत्ता का राजनीतिक प्रश्रय ही चाहिए या प्रदेश के मसलों को उठाने की ताकत चाहिए। ऐसे में अगर कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर के किसी नेता का सियासी विस्थापन हिमाचल की राज्यसभा सीट से दूर करती है, तो यह राज्य की भुजाओं को ही कमजोर करेगा। कई अनुभव प्राप्त पार्टी के नेता या कांग्रेस की नीतियों के समर्थक मिल जाएंगे, जो राज्य की प्राथमिकताओं को जुबां दे सकते हैं। हालांकि अतीत में हमारे सांसदों ने कोई ऐसा काम नहीं किया कि हम वर्षों से लंबित मामलों में बढ़त हासिल करते। आश्चर्य यह कि हिमाचल के संसाधनों पर राष्ट्रीय स्तर की डकैती का पर्दाफाश न हो सका। सांसद बनते रहे, लेकिन विस्थापितों के मसले ज्यों के त्यों रहे। पंजाब पुनर्गठन की लेनदारियां और न्यायोचित मांगें आज भी सिफर रहीं तो इसलिए कि कोई राजनीति से ऊपर उठ कर यह नहीं कह पाया कि अब 'शानन परियोजना' हमारी होनी चाहिए। ऐसे में देखें कांग्रेस का ऊंट किस करवट बैठता है और सियासत के दांव पर भाजपा किस 'हर्ष महाजन' का नाम पुनः इस्तेमाल करती है।

राज्यसभा की सदस्यता की अहमियत में हिमाचल का सियासी कद अपनी वकालत नहीं कर पाता। इसलिए चेहरे ढूंढती पार्टियां प्रदेश के बाहर से अकसर उम्मीदवार आयात कर लेती हैं। पिछली बार कांग्रेस अभिषेक मनु सिंघवी को हिमाचल के कोटे से राज्यसभा पहुंचाना चाहती थी, लेकिन पार्टी के भीतर ऐसा खेला हुआ कि सारी तिजोरी लुट गई। इस बार किसका नंबर आएगा, यह कहानी फिर से एक नई कहावत बनेगी। क्या केंद्रीय पूल से कांग्रेसी नेताओं की एडजस्टमेंट हिमाचल से होगी या पार्टी हिमाचल से किसी को चिन्हित करेगी। राज्यसभा एक खुला आसमान रहा है, जबकि राष्ट्रीय बहस के पैमानों में सांसदों का बेहतरीन कौशल यहीं देखा जाता है। हिमाचल के बौद्धिक जगत, शिक्षाविद, वकील और अर्थ-शास्त्रियों से खोजा जाए, तो मुद्दों की वकालत में कोई तहरीर निकल आए। हिमाचल के पक्ष को मजबूत करने के लिए राज्यसभा का चुनाव, ऐसी हस्तियां खोज सकता है जो चुनावी प्रणाली की ठेठ परीक्षा से हटकर, विजन के धरातल पर देश को अपना पक्ष बताना चाहते हैं। राज्यसभा की सीटें विशुद्ध राजनीति से हटकर मानी जाती रही हैं। अब चीखने-चिल्लाने की सोहबत में यहां भी आसमान घट रहा है। राज्यसभा की वोटिंग के बाद 37 नए सांसद जुड़ेंगे। दस राज्यों की खाली सीटों में कांग्रेस के लिए हिमाचल एक बड़ा ठौर होगा। इस साल 72 सीटों पर चुनाव होंगे और इस तरह भाजपा का पलड़ा थोड़ा सा और भारी हो सकता है। मौजूदा राज्यसभा में भाजपा के 103 और एनडीए के 126 सांसद हैं।

कुछ अलग

लौट आओ फागुन...

एक दिन फागुन गौरी के कपोलों में फूटा और वेणी का फूल बनकर खिलखिलाया तो उसने सखी से पूछ ही लिया, 'क्योंरी यह मुझे हुआ क्या है? जबरन हंसी आने लगी है तथा मन में रह-रहकर गुदगुदी उठने लगी है, जरा कोई भेद हो तो मुझे समझाओ।' गौरी की बात को सखी समझ गई- संकोच से नजर झुकाए जमीन खुरचती हुई बोली, 'अरी मुई, कुछ समझती भी नहीं, परदेसी प्रीतम के लौटने के दिन आ गए हैं, देखती नहीं, बागों में फूल खिलने लगे हैं तथा हवा सनसना रही है। फागुन प्रकृति के पाहून (मेहमान) बनकर आ गए हैं- समझो अब वह भी आने ही वाले हैं!' सखी की बात सुनकर गौरी कनपटियों तक लाल हो गई, वह धीरे से बोली- 'हां सखी, तभी उनका इस महीने मनिआर्डर नहीं आया। सखी वे आएंगे तब मेरे लिए क्या-क्या लेकर आएंगे?' सखी ने बताया, 'अरी मरी, चीजों की चिंता क्यों करती है, अब तो वे स्वयं पधारेंगे, उनसे बड़ी चीज अब तेरे लिए और क्या हो सकती है?' 'क्या बक रही हो सखी, क्या मेरे लिए साड़ियों के बड़े-बड़े बण्डल तथा सौन्दर्य-प्रसाधनों के ढेर से तोहफे नहीं लाएंगे।

दृष्टि कोण

फिटनेस है तो नशे व डिप्रैशन से दूरी भी होगी

फिटनेस के अभाव में आज का विद्यार्थी जहां असमय ही विभिन्न जानलेवा शारीरिक बीमारियों की चपेट में आ रहा है, वहीं पर मानसिक रूप से भी स्वस्थ नहीं रह रहा है। अभी तक इस तरफ न तो अभिभावक ध्यान दे रहा है और स्कूल फिटनेस के लिए प्रशिक्षक व आधारभूत ढांचा बनाने से बच रहा है। फिटनेस न होने के कारण हुई बीमारियों का पता तीस बर्ष बाद चलता है। 2000 आरंभ होने के बाद जीवनशैली में बहुत परिवर्तन आया है। विद्यार्थी जीवन में पैदल चलना व शारीरिक गतिविधियों से दूर होना आम चलन हो गया है। अगले पांच सात वर्षों में युवा भरी जवानी में जब बीमार नजर आएंगे तो उस समय हमारे पास क्या बचेगा, इस पर अभी से सोचना शुरू कर दें तो ठीक रहेगा। पिछले एक वर्ष में दर्जनों युवाओं ने हृदयघात से दुनिया को अलविदा कह दिया है। जब किशोर अवस्था में फिटनेस पर काम नहीं होगा तो ऐसे हालात आम देखने को मिलेंगे। जब मन का विकास स्कूल का काम है तो फिर विद्यार्थी के स्वास्थ्य का जिम्मेदार कौन? शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो। क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, सट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी स्कूल आने की उम्र में ही शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पाई है। इस कॉलम के माध्यम से कई बार इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं किशोरों तक चरस, अफीम, समैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के

दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है। इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिए। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है तो वह फिर युवावस्था आते आते समझदार हो गया होता है। माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडना बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है जिससे वह आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सके। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण है विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांव में रहती थी। वहां पर सवेरे-शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करता था। विद्यालय आने जाने के लिए कई किलोमीटर दिन में पैदल चलता था। इसलिए उस समय के विद्यार्थी को किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम की कोई जरूरत नहीं थी।

इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 में कांग्रेस का आचरण दुर्भाग्यपूर्ण : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने द पर कहा कि इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 के प्रतिष्ठित और गौरवशाली अंतरराष्ट्रीय मंच पर कांग्रेस का आचरण अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि जब पूरा विश्व भारत की तकनीकी प्रगति, नवाचार क्षमता और उज्ज्वल भविष्य की सराहना कर रहा है, उस समय कांग्रेस द्वारा देश की छवि को धूमिल करने का यह प्रयास निंदनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समिट में विश्वभर से आए विदेशी प्रतिनिधि, निवेशक और दिग्गज तकनीकी विशेषज्ञ भारत की बढ़ती वैश्विक साख, डिजिटल क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में उभरती नेतृत्वकारी भूमिका पर सकारात्मक चर्चा कर रहे थे। ऐसे अवसर पर भी कांग्रेस ने अंतरराष्ट्रीय मंच से देश की छवि को नीचा दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस का यह रवैया नया नहीं है। कांग्रेस ने व्यापार समझौतों पर भ्रम फैलाने से लेकर 'ऑपरेशन सिंदूर' और गलवान में वीरता दिखाने वाले सैनिकों के शौर्य पर प्रश्नचिह्न लगाने तक, अनेक अवसरों पर राष्ट्रहित से ऊपर अपने राजनीतिक स्वार्थ को प्राथमिकता दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कांग्रेस ने करोड़ों भारतीयों के स्वाभिमान को चुनौती दी है। भारत की प्रतिष्ठा किसी दल की नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों की सामूहिक अस्मिता से जुड़ी है। इसे आहत करने का अधिकार किसी को नहीं है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके शीर्ष नेतृत्व को बिना विलंब देशवासियों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। जनता कांग्रेस की इस नकारात्मक और अवसरवादी राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेगी।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने किया स्वास्थ्य भवन का निरीक्षण

साफ-सफाई व प्रबंधन में सुधार को सराहा

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार प्रातः स्वास्थ्य भवन पहुंचकर मुख्य भवन एवं एनएचएम भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण करने के साथ ही कार्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विगत दिनों में स्वास्थ्य भवन में हुए सुधारों की सराहना की। मुख्य सचिव प्रातः 9.30 बजे स्वास्थ्य भवन पहुंचे। उन्होंने मुख्य भवन एवं एनएचएम भवन का निरीक्षण करते हुए कार्मिकों की बैठक व्यवस्था, कार्यालयों में साफ-सफाई एवं कार्यालय प्रबंधन व्यवस्थाओं का विस्तार से अवलोकन किया। उन्होंने भवन में स्वच्छता, अनुपयोगी सामान के निस्तारण, कामकाज एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विगत निरीक्षण में दिए गए निर्देशों की पालना पर सराहना व्यक्त की। साथ ही उन्होंने इसे निरंतर बनाए रखने और साफ-सफाई, रंग-रोगन आदि को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ भी साथ रहीं और कार्यप्रणाली आदि के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

सूर्य किरण और सारंग ने हैरतअंगेज करतबों से जयपुरवासियों को किया रोमांचित

जयपुर , 20 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर में शुक्रवार को जल महल पर भारतीय वायु सेना के शौर्य, साहस और शौर्य का अद्भुत प्रदर्शन हुआ। भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित ब्रांड एंबेसडर सूर्य किरण एरोबेटिक टीम और सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने अपने हैरतअंगेज करतबों से हजारों दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके साथ प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सेना के वरिष्ठ अधिकारी, एनसीसी कैडेट्स, स्कूली विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे। जल महल की पाल से खुले आसमान में सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने अपने पांच रंग-बिरंगे हेलिकॉप्टरों के साथ सटीकता और सामूहिक समन्वय का अद्भुत प्रदर्शन किया। आसमान में सधे हुए अंदाज़ में उड़ते हेलिकॉप्टरों ने जटिल संरचनाएँ बनाईं और हैरतअंगेज एरियल मूवमेंट्स प्रस्तुत कर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। हेलिकॉप्टरों की सटीक दूरी, संतुलन और तालमेल भारतीय वायु सेना के अनुशासन एवं उच्च स्तरीय प्रशिक्षण का जीवंत उदाहरण रहा, जिसकी दर्शकों ने जमकर सराहना की।

इसके पश्चात जब लाल-सफेद रंग के आकर्षक कुज्ञ चज्ञ-132 जेट विमानों ने उड़ान भरी तो वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सूर्य किरण एरोबैटिक टीम ने लूप, बैरल रोल, उलटी उड़ान, फॉर्मेशन फ्लाइंग तथा लोकप्रिय 'डीएनए' संरचना जैसे जटिल और रोमांचक करतबों का प्रदर्शन कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। आकाश में लहराते तिरंगे रंगों ने दर्शकों के मन में गर्व और देशभक्ति का भाव भर दिया।

सूर्य किरण एरोबैटिक टीम के तीन प्रतिभाशाली पायलट विंग कमांडर राजेश काजला, विंग कमांडर अंकित वशिष्ठ और स्क्वाड्रन लीडर संजेश सिंह जयपुर के ही निवासी हैं। अपने गृह नगर में साहस, हुनर और कौशल का प्रदर्शन करना उनके लिए विशेष गौरव का क्षण रहा। दर्शकों ने जांबाज पायलटों के सम्मान में खड़े होकर तालियों से उनका अभिनंदन किया। यह आयोजन विशेष रूप से युवाओं और एनसीसी कैडेट्स के लिए प्रेरण-स्रोत बना। कार्यक्रम ने उनमें देशभक्ति, साहस और सैन्य सेवा के प्रति उत्साह का संचार किया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने इसे जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बताया। रविवार, 22 फरवरी को जल महल पर एरोबैटिक डिस्प्ले का मुख्य एवं विस्तृत आयोजन किया जाएगा, जिसमें और भी भव्य हवाई करतब देखने को मिलेंगे।

ज्वैलर से व्हाट्सएप पर मांगी फिरौती

जीरो टॉलरेंस नीति के तहत पुलिस ने आरोपी लादेन को दबोचा

जोधपुर/सरदारपुरा, 20 फरवरी (एजेंसियां)। जोधपुर में अपराधियों के खिलाफ पुलिस की 'जीरो टॉलरेंस' नीति का असर दिखने लगा है। सरदारपुरा इलाके में एक प्रतिष्ठित ज्वैलर को जान से मारने की धमकी देकर फिरौती मांगने वाले आरोपी को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दस्तयाब कर लिया है। क्या है पूरा मामला?

सरदारपुरा 11 बी रोड निवासी ज्वैलर कमल सिंधी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 18 फरवरी की दोपहर को उनके पास एक अज्ञात व्यक्ति का व्हाट्सएप कॉल आया। कॉल करने वाले ने ज्वैलर से फिरौती की रकम मांगी और पैसे न देने पर जान से मारने की गंभीर धमकियां दीं।

पुलिस की कार्रवाई: पीड़ित की शिकायत पर सरदारपुरा थाना पुलिस ने तुरंत संज्ञान लिया और भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(4) और 351(2) के तहत मामला दर्ज किया।पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश जी के निर्देशन में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस ने तकनीकी जांच और मुखबिरों की सहायता से आरोपी को ट्रैक किया। पुलिस ने लादूराम मेघवाल उर्फ लादेन नाम के युवक को दस्तयाब किया है।

इस मामले की विस्तृत जांच सब इंस्पेक्टर विश्राम जी द्वारा की जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या आरोपी किसी बड़े गैंग से जुड़ा है या उसने अकेले ही इस वारदात को अंजाम दिया।

नवाचारों से बदल रहा शैक्षिक परिदृश्य, समग्र प्रयासों से भविष्य के लिए तैयार हो भावी पीढ़ी : कृष्ण कुणाल

चूरू, 20 फरवरी (एजेंसियां)। स्कूल शिक्षा, भाषा, पुस्तकालय विभाग एवं पंचायती राज (प्रारम्भिक शिक्षा) विभाग शासन सचिव तथा जिला प्रभारी सचिव कृष्ण कुणाल ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर डाइट का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं और जिले में शिक्षा नवाचारों की समीक्षा करते हुए समुचित निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर कृष्ण कुणाल ने कहा कि नवाचारों के माध्यम से शैक्षिक परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। शिक्षा अधिकारियों के समग्र व समन्वित प्रयासों से भावी पीढ़ी भविष्य के लिए तैयार हो। विद्यालयों में विद्यार्थियों को कोडिंग, एआई और तकनीक आधारित शिक्षण को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि अध्यापक बच्चों के अभिभावक की भूमिका भी निभाते हैं, इसलिए कक्षा - कक्ष में बच्चों के सीखने के स्तर का अध्ययन कर उनकी समस्याओं का समाधान करें। शिक्षा में पिछड़ने वाले बच्चों की हैंड होल्डिंग करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

उन्होंने कहा कि लर्निंग आउटकम्स सुधारना हमारी जिम्मेदारी है। शिक्षक शिक्षा में तकनीक, रचनात्मकता और मूल्य आधारित दृष्टिकोण को संतुलित रूप से अपनाते हुए भावी पीढ़ी को आत्मनिर्भर व सक्षम बनाकर वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करें।

प्रभारी सचिव कुणाल ने कहा कि शिक्षा में डिजिटल समावेशन को प्राथमिकता दी जाए। शिक्षकों को सतत प्रशिक्षण के माध्यम से नवीन शिक्षण पद्धतियों से जोड़ा जाए। समग्र प्रयासों से ही विद्यार्थियों में रचनात्मकता, तार्किक क्षमता और समस्या समाधान कौशल विकसित किए जा सकते हैं। शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, गुणवत्ता और परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

उन्होंने जिले में आरआरआर सेंटर के लिए बनाई गई वेबसाइट व अटल टिंकरिंग लैब हेतु वेबसाइट व पाठ्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इसे विस्तृत रूप से तैयार कर प्रदेश में लागू करने के प्रयास किए जाएंगे।

प्रभारी सचिव ने शिक्षा अधिकारियों से कहा कि संबलन को प्रभावी बनाएं एवं वर्कबुक की शिक्षकों द्वारा प्रभावी जांच सुनिश्चित करवाएं। साथ ही सम्बलन में कम-से-कम दस वर्कबुक मूल्यांकन अवश्य करें। नए सत्र से पूर्व प्रवेश योग्य छात्रों का सर्वे कर आंगनबाड़ी के समस्त छात्र-छात्राओं का प्रवेश सुनिश्चित करें। इस अवसर पर कोड फ्लू कार्यक्रम के बच्चों द्वारा बनाई गई अटल टिंकरिंग लैब, आरआरआर सेंटर, डिजिटल सखी, लाइब्रेरी मैनेजमेंट, आशा सहयोगिनी व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के कार्यों, सालासर बालाजी धार्मिक स्थल आदि वेबसाइट का प्रजेंटेशन दिया गया। प्रभारी सचिव ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को कोडिंग, एआई व तकनीक के उपयोग के बारे में प्रोत्साहित किया जाए।

हरविन्द्र कल्याण ने हरियाणा विधानसभा की समिति प्रणाली सुदृढ़ करने की योजना तैयार की

चंडीगढ़, 20 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने समिति प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए विस्तृत योजना बनाई है। बजट सत्र शुरू होने से पूर्व वीरवार शाम उन्होंने सभी समितियों के चेयरपर्सन्स के साथ बैठक कर इसका खाका तैयार किया। इस दौरान उन्होंने समितियों की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए अनेक निर्देश भी दिए तथा चेयरपर्सन्स से उनके अनुभवों के आधार पर सुझाव भी लिए गए। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि कमेटियों की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करके ही कार्यपालिका को विधायिका के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने गत वर्ष अपने 13 राज्यों में हुए अध्ययन दौरों का अनुभव साझा करते हुए बताया कि सभी प्रदेशों में विधान सभा समितियों की सिफारिशों की स्वीकार्यता लगभग एक जैसी ही है। उन्होंने कहा कि हमें योजनाबद्ध ढंग से इस दिशा में काम करना है। जमीन से जुड़े बिन्दुओं पर गहन अध्ययन करना होगा। हमारी सिफारिशें (रिकमेंडेशन्स) जितनी सटीक होंगी उनका प्रभाव उतना ही ज्यादा होगा। नियमित रूप से फालोअप लेना होगा। हमें इस पूरी प्रणाली को उच्चतम स्तर तक लेकर जाना है। उन्होंने कहा कि हमारी संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधायिका और कार्यपालिका एक दूसरे प्रतिद्वंद्वी न होकर एक दूसरे की सहयोगी संस्थाएं हैं। दोनों संस्थाओं का मूल उद्देश्य जन हित को साधना है। इस उद्देश्य की पूर्ति में विधान सभा की कमेटियों सबसे प्रभावी उपकरण हैं।

उन्होंने कहा कि आगामी वित्त वर्ष की कमेटियों के गठन करते समय कमेटियों में सदस्यों की पुनरावृत्ति का ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि समितियों की संख्या के अनुपात में सदन की सदस्य संख्या अपेक्षाकृत कम है। इसके चलते अनेक सदस्य एक से ज्यादा कमेटियों में भागीदारी करते हैं। विस अध्यक्ष ने कहा कि समितियों की सिफारिशों का पूर्णत: क्रियान्वयन तभी संभव है जब सदस्य विषय की गहराई में उतरकर सिफारिशें तैयार करेंगे।

इसके साथ ही उन्होंने स्टडी विजिट, दूसरे राज्यों में होने वाले अध्ययन दौरों, विधायकों का व्यक्तिगत विकास, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम योजना पर भी विस्तार से विचार रखे। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक का प्रयोग कर इन सभी कार्यक्रमों को विस्तार दिया जाएगा।

इस दौरान समिति चेयरपर्सन्स ने भी अपने सुझाव रखे। इस बैठक में विधान सभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, चेयरपर्सन रामकुमार गौतम, भारत भूषण बत्रा, आफताब अहमद, लक्ष्मण यादव, रामकुमार कश्यप, विनोद भ्याणा, कृष्णा गहलावत, घनश्याम दास अरोड़ा, भगवान दास कबीरपंथी मौजूद रहे।

भाजपा सरकार के खिलाफ युवाओं को एकजुट करके जेजेपी लड़ेगी मजबूती से लड़ाई : चौटाला

चंडीगढ़, 20 फरवरी (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा है कि भाजपा सरकार प्रदेश के युवाओं के रोजगार और बुजुर्गों के सम्मान का हक मारने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार कभी सरकारी भर्तियों में गड़बड़ी तो कभी बुढ़ापा पेंशन में कटौती करके युवाओं और बुजुर्गों के साथ अन्याय कर रही है, जिसे जेजेपी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगी। दिग्विजय ने कहा कि सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जेजेपी युवाओं को एकजुट कर रही है और बीजेपी के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ी जाएगी। वे शुक्रवार को अंबाला में जेजेपी द्वारा आयोजित युवा योद्धा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। दिग्विजय ने युवाओं से आह्वान किया कि सभी 13 मार्च को जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला के जन्मदिन पर हांसी जिले में होने वाले प्रदेश स्तरीय सर्व हरियाणा जन चेतना दिवस कार्यक्रम में शामिल होकर भाजपा सरकार के खिलाफ हुंकार भरे। चंडीगढ़ में अंग्रेजी सहायक प्रोफेसर भर्ती के अभ्यर्थियों की पुलिस हिरासत में लेने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए दिग्विजय चौटाला ने कहा कि इस घटनाक्रम ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि प्रशासन की सक्रियता आम युवाओं की समस्याओं के लिए नहीं, बल्कि सत्ता के इशारों पर चल रही है। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को जब तेज हवाओं और बारिश के बीच हमारे युवा पूरे दिन खुले आसमान के नीचे भीगते रहे, तब कोई अधिकारी उनका हाल जानने नहीं पहुंचा, लेकिन जैसे ही वही युवा शांतिपूर्ण तरीके से एकजुट होकर अपने अधिकारों की आवाज उठाने लगे तो पुलिस कार्रवाई शुरू हो गई। आखिर इन युवाओं का दोष क्या है? दिग्विजय ने कहा कि ये वही युवा है जो पिछले 55 दिनों से पंचकूला में शांतिपूर्ण धरने पर बैठे है और उनकी मांग केवल इतनी है कि हरियाणा लोक सेवा आयोग की भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी हो, खाली पदों को तुरंत भरा जाए, इंटरव्यू के लिए दोगुने अभ्यर्थियों को बुलाया जाए और आरक्षण व प्रतिनिधित्व के संवैधानिक अधिकारों से छेड़छाड़ बंद की जाए। दिग्विजय ने कहा कि हरियाणा का युवा भीख नहीं मांग रहा, वह अपना हक मांग रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को समझना होगा कि लोकतंत्र में आवाज दबाने से समाधान नहीं निकलते। दिग्विजय चौटाला ने भी कहा कि जननायक चौधरी देवीलाल ने बुजुर्गों का सम्मान बढ़ाने के लिए 100 रूपए से बुढ़ापा पेंशन शुरू की थी और इस पेंशन को किसी भी पूर्व सरकार की काटने की हिम्मत नहीं हुई, लेकिन मौजूदा भाजपा सरकार ने हजारों बुजुर्गों की पेंशन काट दी, जो कि सरासर गलत है। दिग्विजय ने कहा कि आज इसी तरह भाजपा सरकार से हर वर्ग दुखी है। इस दौरान जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष बृज शर्मा ने युवाओं को संगठन मजबूती बारे आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि बूथ स्तर पर संगठन की पकड़ मजबूत बनाने के लिए युवाओं को जिम्मेदारियां सौंपी जा रही है।

रिश्वतखोरी पर बड़ी कार्रवाई : पब्लिक हेल्थ विभाग के तीन कर्मचारी गिरफ्तार

अम्बाला, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अम्बाला ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए एक महत्वपूर्ण कार्रवाई को अंजाम दिया है। कैथल निवासी शिकायतकर्ता की शिकायत पर 20 फरवरी को पब्लिक हेल्थ विभाग, डिवीजन नं. 01, कैथल के तीन कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया।

ब्यूरो की टीम ने आरोपी कमलकांत, डिप्टी सुपरिटेंडेंट को 20,000 रुपये तथा अशोक कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर को 10,000 रुपये, कुल 30,000 रुपये (तीस हजार रुपये) नकद रिश्वत स्वीकार करते हुए रंगे हाथों काबू किया। इसके अतिरिक्त सह-आरोपी बलजीत, कंप्यूटर ऑपरेटर को भी इस मामले में संलिप्तता के चलते पब्लिक हेल्थ डिवीजन कार्यालय, कैथल से गिरफ्तार किया गया।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसने और उसके भाई ने वर्ष 2025-26 में पब्लिक हेल्थ विभाग, कैथल डिवीजन नं. 01 में निर्माण एवं अन्य विकास कार्य किए थे, जिनके लगभग 30 लाख रुपये के बिल स्वीकृति के लिए लंबित थे। इन बिलों को सैंक्शन करने की एवज में आरोपियों द्वारा रिश्वत की मांग की गई थी। शिकायत की पुष्टि होने पर ब्यूरो ने स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में पूरी ट्रैप कार्रवाई को कानूनी प्रक्रिया के तहत पारदर्शी ढंग से अंजाम दिया। इस संबंध में आरोपियों के विरुद्ध अभियोग संख्या 1 दिनांक 20.02.2026 को धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 तथा धारा 61(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अम्बाला में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

देश की गरिमा से खिलवाड़ करने वालों पर हो सख्त कार्रवाई: नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 20 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि देश को अलग-अलग स्थानों पर शर्मिंदा करना और भारत की छवि को ठेस पहुंचाना कुछ लोगों के डीएनए में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार देश की संवैधानिक संस्थाओं का अपमान कर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित समिट के दौरान कांग्रेस द्वारा अपनाए गए विरोध के तरीके को बेहद अफसोसजनक बताया। उन्होंने कहा कि इस समिट में पूरे विश्व से प्रबुद्धजन, नीति-निर्माता और प्रतिनिधि भाग लेने के लिए आए हैं। ऐसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर समिट के अंदर जिस प्रकार का अशोभनीय कार्य किया गया है, वह न केवल अनुचित है बल्कि देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस प्रकार की हरकत करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति राष्ट्र की गरिमा को आहत करने का साहस न कर सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर प्रगति और विकास के पथ पर अग्रसर है। आज वैश्विक मंच पर भारत की साख मजबूत हुई है और देश विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। ऐसे समय में विपक्ष द्वारा इस प्रकार का आचरण दुर्भाग्यपूर्ण और गैर-जिम्मेदाराना है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के साथ प्रारंभ हुआ है। महामहिम ने अपने संबोधन में सरकार की उपलब्धियों को सदन के माध्यम से प्रदेश की जनता तक पहुंचाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने आमजन के जीवन में सकारात्मक और ठोस बदलाव लाने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने गरीबों को पक्के मकान उपलब्ध कराए, युवाओं को पारदर्शी तरीके से रोजगार प्रदान किया, किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य प्रदान किया तथा आयुष्मान योजना के माध्यम से प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति को स्वास्थ्य सुरक्षा कवच देने का कार्य किया है।

गुरुकुल विद्यालयों की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष कदम : हरिता

आसिफाबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर के. हरिता ने गुरुकुल विद्यालयों की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष पहल करने का आश्वासन दिया है। शुक्रवार को आदिवासी कल्याण विभाग द्वारा जिले के तिरयानी मंडल के चिंतापल्ली गांव स्थित कन्या गुरुकुल स्कूल का औचक दौरा किया गया। इस दौरान, कलेक्टर ने स्कूल की कक्षाओं, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, और छात्रों को दी जाने वाली सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए कई कार्यक्रम चलाएगी, ताकि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

गर्मी के मौसम के मद्देनजर, उन्होंने संबंधित इंजीनियरिंग अधिकारियों को उस क्षेत्र में बोरवेल स्थापित करने के निर्देश दिए, जहां पानी की कमी है। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक भोजन और स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने की बात भी की गई।

इसके अलावा, कलेक्टर ने छात्रावासों में बुनियादी सुविधाएँ, जल निकासी, और मूत्रालय के दरवाजों की व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया। कलेक्टर ने शिक्षकों को समय का ध्यान रखते हुए कर्तव्य निभाने के लिए चेतावनी दी और प्राचार्य की शिकायत पर तुरंत बदलाव करने का आदेश दिया।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाने की बात कही। उन्होंने सभी छात्रों से 10वीं और इंटरमीडिएट की वार्षिक परीक्षा के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में शिक्षकों, इंजीनियरिंग अधिकारियों, और छात्रों ने भाग लिया।

मंचरियाल जिले में वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी के लिए सख्त निर्देश

मंचरियाल, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचरियाल जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने वार्षिक परीक्षाओं के संचालन को लेकर अधिकारियों को समन्वय में काम करने का निर्देश दिया है। नासपुर स्थित एकीकृत जिला कार्यालय में हुई समीक्षा बैठक में उन्होंने बताया कि परीक्षाएं 25 फरवरी से 16 मार्च के बीच आयोजित की जाएंगी।जिले में 23 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां प्रथम वर्ष में 5,372 सामान्य और 888 व्यावसायिक छात्र शामिल होंगे। द्वितीय वर्ष के लिए 5,227 सामान्य और 830 व्यावसायिक छात्रों की भागीदारी होगी। कक्षा 10 की परीक्षाएं 14 मार्च से 16 अप्रैल तक होंगी।कलेक्टर ने परीक्षा के दौरान पुलिस बल की तैनाती, फ्लाइंग स्क्वाड और चिकित्सा शिविरों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा, सभी संबंधी अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों की स्वच्छता और आवश्यक दवाओं का प्रबंध करने का आदेश दिया गया है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि प्रश्नपत्रों के रिसाव की झूठी सूचनाएं फैलाई गईं, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कुमार दीपक ने छात्रों के स्वास्थ्य का खास ध्यान रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, और अधिकारियों को परीक्षा के सफल संचालन के लिए मिलकर काम करने का निर्देश दिया।

अस्पताल आने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं

जिलाधिकारी के. हरिता ने सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। शुक्रवार को उन्होंने चिंतापल्ली गांव में सामाजिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा किया, जहां उन्होंने स्टाफ उपस्थिति चार्ट, अस्पताल के वार्ड, दवा के स्टॉक और स्वच्छता प्रबंधन का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर, उन्होंने चिकित्सकों और स्टाफ को समय की पाबंदी का पालन करने की नसीहत दी और देर से आने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। हरिता ने कहा कि अस्पताल में आवश्यक दवाइयों का स्टॉक हमेशा उपलब्ध रहना चाहिए और चिकित्सक सदैव मरीजों की सुविधा के लिए मौजूद रहें।इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी ने मंडल केंद्र में जिला परिषद हाई स्कूल का भी दौरा किया। उन्होंने कक्षाओं, शिक्षण शैली, और छात्र परिवेश का निरीक्षण करते हुए छात्रों से बातचीत की और उनकी सीखने की क्षमता को जांचने का कार्य किया। उन्होंने मंडल शिक्षा अधिकारी अंजैया को अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण की प्रक्रिया की निगरानी करने और इसे शीघ्र पूरा करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि 10वीं कक्षा की परीक्षाएं नजदीक हैं, इसलिए विद्यार्थियों को विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने पौष्टिक भोजन समय पर उपलब्ध कराने और छात्रों के स्वास्थ्य पर निगरानी रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस कार्यक्रम में शिक्षकों और अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

सिंगरेनी संस्था का कंप्यूटर उपलब्ध कराने के लिए आगे आना सराहनीय

जिला कलक्टर के. हरिता ने सरकारी स्कूलों को कंप्यूटर उपलब्ध कराने के लिए सिंगरेनी संस्था की सराहना की है। शुक्रवार को एकीकृत जिला समाहरणालय भवन के सभा कक्ष में सिंगारेनी संस्था ने जिले के चार प्राथमिक विद्यालयों को कंप्यूटर, प्रिंटर और सीपीयू प्रदान किए।

इस अवसर पर, महाप्रबंधक विजया भास्कर रेड्डी के साथ मिलकर ग्राम प्रधानों को उपकरण सौंपते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सिंगारेनी संस्था का यह कदम कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत छात्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने बताया कि संस्था ने 11 कंप्यूटर, 11 सीपीयू और 5 प्रिंटर उपलब्ध कराए हैं।

आगे के लिए उन्होंने स्कूलों में बुनियादी ढांचे के विकास में सहयोग प्रदान करने का सुझाव दिया।

कार्यक्रम में सिंगारेनी संस्था के पदाधिकारी, स्कूलों के प्रिंसिपल, और स्कूल योजना समन्वयक आबिद अली सहित अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

पेंशन बकाया न मिलने से खम्मम में सेवानिवृत्त एसआई की आर्थिक तंगी के कारण मृत्यु

खम्मम, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के पैतृक जिले खम्मम से एक दुखद घटना सामने आई है। यहाँ पुलिस विभाग के एक सेवानिवृत्त उप-निरीक्षक की बीमारी और पेंशन बकाया न मिलने से उपजी आर्थिक तंगी के कारण मृत्यु हो गई। परिजनों के अनुसार, जिले की सशस्त्र पुलिस विंग में कार्यरत रहे के. मैसैया पिछले साल फरवरी में सेवानिवृत्त हुए थे। वे पिछले एक साल से अपने सेवानिवृत्ति लाभों की प्रतीक्षा कर रहे थे। लगभग 60 लाख रुपये के बकाया भुगतान में देरी के कारण उनका परिवार गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहा था।

इसी बीच, मैसैया और उनकी पत्नी भाग्यम्मा दोनों का स्वास्थ्य बिगड़ गया। वे क्रमशः किडनी और हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। कुछ दिन पहले दोनों को खम्मम के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहाँ से भाग्यम्मा को बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया। बुधवार की आधी रात के बाद मैसैया की स्थिति और खराब हो गई और उनका निधन हो गया।

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी संघ के अध्यक्ष आर. राधाकृष्ण मूर्ति और महासचिव आर. वेंकट नारायण ने अस्पताल के बिल के एक हिस्से का भुगतान किया। परिवार की दयनीय स्थिति को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने शेष बिल माफ कर दिया। एसोसिएशन के मानद अध्यक्ष और पूर्व विधायक रामुलु नायक ने सेवानिवृत्त एसआई के अंतिम संस्कार के लिए एसोसिएशन के म्यूचुअल को-ऑपरेटिव फंड से 25,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की।

एसोसिएशन के नेताओं ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा, सेवानिवृत्ति बकाया का भुगतान न होने के कारण एसआई के परिवार को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। राज्य सरकार को इस मामले पर ध्यान देना चाहिए और बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त कर्मियों द्वारा सामना की जा रही इस समस्या का समाधान करना चाहिए।

इंटरमीडिएट परीक्षाओं का आयोजन पुख्ता तरीके से करें : विशेष अधिकारी विश्वेश्वर

गद्वाल सर्कल, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। इंटरमीडिएट शैक्षणिक परीक्षाओं के संयुक्त जिला विशेष अधिकारी विश्वेश्वर ने अधिकारियों को आगामी इंटर परीक्षाओं को पूरी पारदर्शिता और पुख्ता इंतजामों के साथ आयोजित करने का निर्देश दिया है।आगामी 25 फरवरी से शुरू होने वाली परीक्षाओं के मद्देनजर, गद्वाल के सरकारी जूनियर कॉलेज में इंटर परीक्षाओं के जिला संयोजक हृदयराजू की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए विश्वेश्वर ने कहा कि जिले भर में कुल 8,471 छात्र परीक्षाओं में शामिल होने वाले हैं।

उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर छात्रों के लिए पीने के पानी और अन्य आवश्यक सुविधाओं को सुनिश्चित करने का सुझाव दिया। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि छात्र किसी भी तरह की 'मास कॉपीइंग' (सामूहिक नकल) में शामिल न हों।

जिला इंटरमीडिएट शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जिले भर में स्थापित 14 परीक्षा केंद्रों के सीसीटीवी कैमरों को सीधे इंटरमीडिएट बोर्ड से जोड़ा गया है। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे किसी भी असुविधा से बचने के लिए निर्धारित समय से पहले ही अपने परीक्षा केंद्रों पर पहुँच जाएँ।इस बैठक में कॉलेज के प्रिंसिपल वीरन्ना, सरकारी कन्या जूनियर कॉलेज के प्रिंसिपल कृष्ण, डीईसी सदस्य देवेंद्र रेड्डी, पद्मावती और विभिन्न परीक्षा केंद्रों के मुख्य अधीक्षक व विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सत्ता में 800 दिन बाद भी वादे पूरे करने में विफल रही कांग्रेस : हरीश राव

सिद्दीपेट, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर झूठे वादों के सहारे सत्ता में आने का आरोप लगाते हुए कहा है कि 100 दिनों के भीतर सभी वादे लागू करने की कसम खाने वाली सरकार 800 दिन बाद भी अपने आश्वासन पूरे करने में विफल रही है।

शुक्रवार को सिद्दीपेट नगरपालिका के 37वें वार्ड में बीआरएस (इठड) पार्टी कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की उपस्थिति में बीसी सब-प्लान के तहत विशेष फंड आवंटित करने और अपने घोषणापत्र में शामिल एससी डिक्लेरेशन को लागू करने का वादा किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अब तक इस दिशा में एक कदम भी आगे नहीं बढ़ाया है।

पूर्व मंत्री ने वारंगल जनसभा में घोषित 'रायथु डिक्लेरेशन' को लागू न करने के लिए सरकार की आलोचना की। चूंकि राज्य सरकार जल्द ही विधानसभा में 2026-27 का वार्षिक बजट पेश करने की तैयारी कर रही है, राव ने मांग की कि इन योजनाओं को पर्याप्त फंड के साथ बजट में शामिल किया जाए। उन्होंने महालक्ष्मी योजना के तहत प्रत्येक महिला को 2,500 रुपये। बुजुर्गों और अन्य पात्रों को 4,000 रुपये पेंशन मांगों पर जोर दिया।

राव ने कहा कि सरकार ने 'राजीव युवा विकास' के तहत आवेदन तो मांगे, लेकिन योजना को लागू करने का कोई प्रयास नहीं किया, जिससे युवा निराश हैं। इसके अलावा, गांवों में श्रमिकों के लिए 'राजीव आत्मीय भरोसा' योजना लागू करने में भी सरकार विफल रही है।

हरीश राव ने स्पष्ट किया कि बीआरएस जनता की ओर से लड़ना जारी रखेगी और सत्तारूढ़ दल को अपने सभी वादे पूरे करने के लिए मजबूर करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी आगामी बजट सत्र के दौरान भी इन अधूरे वादों का मुद्दा उठाएगी।

इससे पहले, राव ने यूनियन बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण लेने वाली महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए।

देवादुला परियोजना पर सरकार की लापरवाही, नदी में पानी होने के बाद भी मोटरें बंद : हरीश राव

जनगांव, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री और बीआरएस नेता टी. हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि गोदावरी नदी में पर्याप्त पानी होने के बावजूद देवादुला परियोजना की मोटरें नहीं चलाई जा रही हैं। उन्होंने इसे किसानों के प्रति सरकार की घोर लापरवाही करार दिया।

शुक्रवार को देवनपल्ली पंप हाउस का दौरा करने के बाद मीडिया से बात करते हुए हरीश राव ने कहा कि जिले के मंत्रियों ने यहाँ केवल दिखावा किया है। उन्होंने दावा किया कि पिछली बार मोटरें न चलाने के कारण 60,000 एकड़ में फसल का नुकसान हुआ था। पंपिंग रुकने से जनगांव, स्टेशन घनपुर और पालकुर्ती निर्वाचन क्षेत्रों के किसानों को भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है।

हरीश राव ने सरकार की कार्यक्षमता पर सवाल उठाते हुए निम्नलिखित बिंदु रखे- 1) रखरखाव में विफलता: उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार सत्ता में आने के बाद से देवादुला परियोजना की सुध नहीं ले रही है। जो मोटरें पहले से मौजूद हैं, उन्हें चलाना भी इस सरकार के बस की बात नहीं है। 2) बजट का अभाव: बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी ने इस परियोजना पर 7,300 करोड़ रुपये खर्च किए थे, जबकि वर्तमान सरकार ने इसके रखरखाव पर 200 करोड़ रुपये भी खर्च नहीं किए हैं।मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए राव ने कहा जब आंध्र प्रदेश 'नल्लामल्ला सागर' का निर्माण कर रहा है, तब मुख्यमंत्री मौन हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को 'गुरुदक्षिणा' चुका रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार गोदावरी और कृष्णा नदियों में तेलंगाना के जल अधिकारों की रक्षा करने में पूरी तरह विफल रही है। आंध्र प्रदेश अवैध रूप से पानी ले जा रहा है और सरकार इसे रोकने में असमर्थ है। राव ने अंत में कहा कि मुख्यमंत्री 'रायथु भरोसा' के नाम पर लगातार किसानों को धोखा दे रहे हैं।

मेदक के रेगोड में नाश्ता करने के बाद 22 छात्राएं और तीन शिक्षक बीमार

मेदक, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रेगोड मंडल मुख्यालय स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में शुक्रवार को नाश्ता करने के बाद कम से कम 22 छात्राएं और तीन शिक्षक अचानक बीमार पड़ गए।जानकारी के अनुसार, नाश्ता करने के ठीक एक घंटे बाद 22 छात्राओं को उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी। स्कूल में मौजूद तीन शिक्षकों ने भी, जिन्होंने वही नाश्ता किया था, समान लक्षणों की शिकायत की।स्थिति को देखते हुए उन्हें तुरंत रेगोड के क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया।

वहां उन्हें सलाइन चढ़ाया गया और डॉक्टरों की एक टीम आवश्यक उपचार प्रदान करते हुए उनके स्वास्थ्य की बारीकी से निगरानी कर रही है।छात्राओं और उनके माता-पिता ने केजीबीवी प्रबंधन पर छात्रावास में घटिया गुणवत्ता वाला भोजन परोसने का आरोप लगाया है। उन्होंने शुक्रवार की इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

टमाटर की कीमतों में भारी गिरावट: किसानों ने मुफ्त में बांटे टमाटर, लूटने उमड़ी भीड़

महबूबाबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । टमाटर की कीमतों में आई भारी गिरावट ने किसानों की कमर तोड़ दी है। व्यापारियों द्वारा कौड़ियों के दाम पर फसल खरीदने के कारण परेशान होकर एक किसान ने अपनी उपज मुफ्त में ही जनता के बीच बांट दी।

व्यापारी अब एक किलो टमाटर के लिए 10 रुपये भी देने को तैयार नहीं हैं। पड़ोसी राज्यों से भारी आवक के कारण किसानों को केवल 5 रुपये प्रति किलो का भुगतान किया जा रहा है। स्थिति इतनी खराब है कि यदि किसान मजदूरों से फसल तुड़वाकर बाजार ले जाते हैं, तो मजदूरी और परिवहन का खर्च भी नहीं निकल पा रहा है। इस वजह से कई किसान खेतों में ही फसल छोड़ रहे हैं या पशुओं को खिला रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि थोक दाम गिरने के बावजूद खुले बाजार में टमाटर अब भी 20 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है।

शुक्रवार को महबूबाबाद जिले के कोत्तगुडा में साप्ताहिक बाजार (संता) था। गुडूर मंडल के भूपतिपेट गांव का एक किसान ऑटो में टमाटर भरकर बाजार लाया था। जब व्यापारियों ने टमाटर खरीदने से इनकार कर दिया, तो निराश किसान फसल वापस ले जाने के बजाय उसे वहीं मुफ्त में बांटने लगा। मुफ्त टमाटर की खबर मिलते ही स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और लोग टमाटर लेने के लिए एक-दूसरे पर झपट पड़े।हजारों रुपये का निवेश कर टमाटर की खेती करने वाले किसानों का कहना है कि उन्हें लागत निकालना भी भारी पड़ रहा है। मजदूरों का खर्च भी जेब से भरना पड़ रहा है। किसानों ने सरकार से गुहार लगाई है कि टमाटर के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित कर उन्हें इस आर्थिक संकट से बचाया जाए।

श्रीजेश एक बार फिर बन सकते है भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश एक बार फिर भारत की जूनियर पुरुष हाकी टीम के मुख्य कोच बन सकते हैं। उन्होंने कोच के लिए आवेदन किया है। श्रीजेश को अगस्त 2024 में जूनियर पुरुष टीम का मुख्य कोच बनाया गया था और उसके बाद भारतीय टीम ने चेन्नई में आयोजित एफआईएच पुरुष हाकी जूनियर विश्व कप जीता था। ऐसे में उन्हें एक बार फिर जिम्मेदारी दिये जोन की अधिक संभावना है। श्रीजेश का कोच पद से करार विश्व कप के बाद गत दिसंबर में समाप्त हो गया था और उसके बाद से ही वह नये काम की तलाश में हैं। अब उन्होंने कोच पद के लिए दोबारा आवेदन भेजा है। इसमें उनके अलावा सात अन्य उम्मीदवार भी दावेदार हैं।

उन्होंने अपने कोचिंग के अनुभव को लेकर कहा कि इसमें सीखने का शानदार अनुभव रहा। मैंने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने अनुभव साझा किए। संन्यास के बाद मेरा लक्ष्य खेल को कुछ लौटाना था और जूनियर खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव का साझा करने से बेहतर क्या हो सकता था।

वहीं हाकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि कम से कम छह अन्य उम्मीदवार भी दौड़ में हैं। उन्होंने हालांकि नामों को सार्वजनिक नहीं किय है।

उन्होंने कहा, नियमित प्रक्रिया के तहत जूनियर पुरुष टीम के कोच पद के लिए विज्ञापन जारी किया गया है क्योंकि श्रीजेश का अनुबंध विश्व कप के बाद समाप्त हो गया था। छह-सात उम्मीदवारों ने रुचि दिखाई है, जिनमें श्रीजेश भी शामिल हैं। स्क्रीनिंग और साक्षात्कार के बाद अगले एक-दो सप्ताह में नियुक्ति कर दी जाएगी। वहीं भोला नाथ ने एफआईएच प्रो लीग के राउरकेला चरण में सीनियर भारतीय पुरुष टीम के निराशाजनक प्रदर्शन पर कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है।

उनके अनुसार मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन सर्वश्रेष्ठ संयोजन तलाशने के लिए टीम में प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, चिंता की कोई बात नहीं है। महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से पहले हम प्रो लीग में कुछ युवा और नए खिलाड़ियों को आजमा रहे थे। हमें जरूरी फीडबैक मिल गया है और भविष्य में परिणाम दिखाई देंगे। भारत अपना अगला दौरा 20 से 25 फरवरी तक होने वाले एफआईएच प्रो लीग के होबार्ट चरण के लिए करेगा।

न्यूज ब्रीफ

म्यांमार के यांगून में दो मैत्री मैच खेलेगी भारतीय, अंडर-17 पुरुष फुटबाल टीम

नई दिल्ली। भारत की अंडर-17 पुरुष फुटबाल टीम म्यांमार के यांगून में 3 और 5 मार्च 2026 को दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेलेगी। यह मुकाबले टीम की एएफसी अंडर-17 एशियाई कप सऊदी अरब 2026 की तैयारियों का हिस्सा हैं। ब्लू कोल्ट्स के नाम से मशहूर भारतीय टीम इस वर्ष अब तक चार अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले खेल चुकी है। टीम ने गोवा में ताजिकिस्तान के खिलाफ दो और तुर्किये के अंताल्या में दो मैच खेले थे। तुर्किये दौरे से लौटने के बाद मुख्य कोच बिबियानो फर्नांडिस की टीम गोवा में ही अभ्यास कर रही है। भारतीय दल 28 फरवरी को म्यांमार की राजधानी यांगून के लिए रवाना होगा। भारत की तरह म्यांमार ने भी एएफसी अंडर-17 एशियाई कप सऊदी अरब 2026 के लिए क्वालीफाई किया है। म्यांमार ने क्वालीफायर के ग्रुप-सी में शीर्ष स्थान हासिल किया था। इस ग्रुप में ओमान, सीरिया, अफगानिस्तान और नेपाल जैसी टीमें शामिल थीं। एएफसी अंडर-17 एशियाई कप सऊदी अरब 2026 में भारत को ग्रुप-डी में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला 6 मई को आस्ट्रेलिया, 10 मई को उज्बेकिस्तान और 13 मई को डीपीआर कोरिया से होगा ।

टी20 क्रिकेट में ये उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय बने पांड्या

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी आलराउंडर हार्दिक पांड्या ने नीदरलैंड के खिलाफ

मैच में अपनी 30 रनों की पारी और एक विकेट लेने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इस पारी के साथ ही पांड्या टी-20 क्रिकेट में 6000 रन और 200 विकेट लेने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन गये हैं। डच टीम के खिलाफ मैच में उन्होंने 3 ओवर में 40 रन देकर एक विकेट लिया। पांड्या ने साल 2013 में घरेलू टी-20 क्रिकेट में बड़ौदा की ओर से टी-20 डेब्यू किया था। उन्होंने इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के बल पर साल साल 2015 में मुंबई इंडियंस की आईपीएल टीम में जगह बनायी। जनवरी 2016 में आईपीएल खेलने के बाद उन्हें भारतीय टी-20 टीम में शामिल किया गया। पांड्या ने साल 2016 टी-20 विश्व कप में भी अच्छा प्रदर्शन किया। साल 2018 में मुम्बई इंडियंस ने उन्हें रिटेन किया। वहीं 2022 में वे गुजरात जायंट्स आईपीएल टीम के कप्तान बने और उसे पहले ही सत्र में टीम को विजेता बनाने में सफल रहे। आईपीएल 2024 में उन्होंने एक बार फिर मुंबई इंडियंस में वापसी करते हुए कप्तानी हासिल की। पांड्या ने 2024 टी20 विश्वकप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में शानदार गेंदबाजी कर भारतीय टीम को जीत दिलायी।

टी20 विश्वकप में आस्ट्रेलिया का प्रदर्शन बेहद खराब रहा : पोंटिंग

सिडनी। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि टी20 विश्व कप में इस बार उनकी टीम का प्रदर्शन

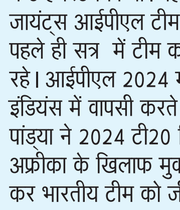

बेहद खराब रहा है। पोंटिंग ने कहा कि शुरुआत में उन्हें लगा कि अनुभवी गेंदबाजों जोश हेज़लवुड और पैट कमिंस के बाहर होने से टीम को नुकसान हुआ है पर जिस प्रकार से वह जिम्बाब्वे से हारी उससे ये पता चल गया कि इस बार टीम में जीत का जज्बा ही नहीं है। इसी मैच से तय हो गया कि टीम विश्वकप नहीं जीत पायेगी। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही मुझे लगा था कि श्रीलंकाई टीम को उसकी धारती पर हराना मुश्किल होगा और ये सही निकला। जिस प्रकार से श्रीलंका ने हमारी टीम से खेला उससे उनके बढ़े हुए मनोबल का अंदाजा होता है। जिस प्रकार लंकाई टीम ने लक्ष्य का पीछा किया उससे वह जीत की अधिकारी थी। इस तरह के स्कोर का पीछा करना कभी आसान नहीं होता। वहीं जिम्बाब्वे ने जिस प्रकार से उलटफेर किया उससे उन्हें हैरानी हुई है। जिस प्रकार उन्होंने आस्ट्रेलिया को हराया उससे टीम हंसी का पत्र बनी है। टीम को हमेशा ही खिताब का दावेदार माना जाता रहा है पर इस टूर्नामेंट में उसके बल्लेबाज और गेंदबाज पूरी तरह से विफल रहे। पोंटिंग ने मजाकिया अंदाज में कहा कि आस्ट्रेलिया के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद उन्हें कई लोगों के ताने भी सुनने पड़े।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

ऑस्ट्रेलिया ने ओमान को हराया

पल्लेकेले, 20 फरवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप 2026 में अपना आखिरी मुकाबला जीत लिया है। पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर ऑस्ट्रेलिया ने 9 विकेट से मैदान मारा। पहले खेलते हुए ओमान की पारी 17वें ओवर में सिर्फ 104 रनों पर ही सिमट गई है। मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ने ऑस्ट्रेलिया के लिए विस्फोटक बैटिंग की। टीम ने आसानी से 9.4 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। ओमान की टीम टूर्नामेंट में एक भी मुकाबला नहीं जीत पाई।

ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज हावी रहे सुपर-8 की रेस से बाहर हो चुकी ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर ओमान को बैटिंग के लिए बुलाया। पहली ही गेंद पर बार्टलेट ने आमिर कलीम का विकेट ले लिया। ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह और करण सोनावाले (12) ने दूसरे विकेट के लिए 24 रन जोड़े। करण । जतिंदर (17) ने कवर प्वाइंट के बीच से बार्टलेट को चौका जड़ा लेकिन अगली शानदार गेंद पर चकमा खा गए और फुटवर्क का इस्तेमाल किये बिना विकेट गंवा बैठे।हम्माद मिर्जा ने कैमरन ग्रीन को प्वाइंट के ऊपर से चौका लगाया जिससे पावरप्ले के आखिर में ओमान का स्कोर तीन विकेट पर 47 रन था। पावरप्ले के बाद ऑस्ट्रेलिया ने अनुभवी लेग स्पिनर जम्पा को गेंद सौंपी गई। उन्होंने पहले ही ओवर में 16 रन बनाने वाले मिर्जा का विकेट चटकाया।

इसके बाद ओमान की पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। एडम जम्पा ने 21 रन देकर चार विकेट लिए जबकि जेवियर बार्टलेट और ग्लेन मैक्सवेल को दो-दो विकेट मिले। वसीम अली ने ओमान के लिए 33 गेंद में 32 रन बनाये।

मिचेल मार्श की तूफानी बैटिंग ऑस्ट्रेलिया के लिए 105 रनों का टारगेट कभी मुश्किल नहीं होने वाला था। पहले ही ओवर में मार्श ने तीन चौके मारे। हालांकि, वह पहले ओवर की आखिरी गेंद पर आउट थे लेकिन ओमान ने डीआरएस नहीं लिया। इसके बाद 5वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने अपने 50 रन पूरे कर लिए। अगले ओवर में मिचेल मार्श ने 26 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। 32 रनों की पारी खेलने के बाद ट्रेविस हेड आउट हुए लेकिन 9.4 ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने लक्ष्य हासिल कर लिया। मिचेल मार्श ने 33 गेंद पर 64 रन बनाए।

भारतीय बल्लेबाजों को अंगुली के स्पिनरों से रहना होगा सावधान : डोएशे

अहमदाबाद, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा है कि उसे सुपर-8 में उतरने से पहले कुछ सुधार करने होंगे। डोएशे के अनुसार टीम जीत के साथ अगले दौर में पहुंच गयी है पर अभी तक एक भी मैच ऐसा नहीं रहा हे जिसमें पूरी तरह से वह हावी रही हो। उन्होंने कहा कि अब भी शीर्ष क्रम के बाएं हाथ के बल्लेबाज अंगुली के स्पिनरों के खिलाह सहज होकर नहीं खेल पा रहे और ये कमजोरी उन्हें दूर करनी होगी।

कोच के अनुसार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ईशान किशन के अलावा तिलक वर्मा बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और ये तीनो ही अंगुली के स्पिनरों के निशाने पर रहेंगे। अब तक हुए मैचों से साफ अंदाजा हो गया है कि विरोधी टीमें समझ गयी हैं कि अंगुली के स्पिनरों का सामना करते समय ये गलती कर रहेहैं। ये टीमें इन बल्लेबाजों को रनों से रोकने के लिए अब पावरप्ले में इन स्पिनरों का इस्तेमाल कर रही हैं। नीदरलैंड के स्पिनर आर्यन दत्त ने पावरप्ले में इसी रणनीति से अभिषेक और किशन को शिकार बनाया। डोएशे का मानना है कि ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल में बड़े सुधार करना होगा। उसे दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर आठ मैचों में उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों से निपटने का तरीका ढूंढना होगा। वहीं नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने भी अपनी इसी गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया था, जिसके बाद पाकिस्तान के उस्मान कादिर, सलमान आगा और साइम अयूब भी कोलंबो में भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में सफल रहे। अगर आप आंकड़ों की बात करें तो मुझे लगता है कि पाकिस्तान ने पिछले मैच में 14 ओवर अंगुली के स्पिनरों से करवाए। डोएशे ने कहा, अगले तीन मैच में भी हमें अंगुली के स्पिन गेंदबाजी का सामना करना पड़ेगा और उसे देखते हुए मुझे लगता है कि हमें इस पर ध्यान देना होगा। भारतीय टीम रविवार को यहां सुपर 8 के अपने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी।

टी20 विश्वकप में सबसे अधिक कैच छोड़ने के मामले में दूसरे नंबर पर है भारतीय टीम

अहमदाबाद। भारतीय टीम अब रविवार को आईसीसी टी20 विश्वकप सुपर-आठ के पहले मुकाबले में पिछले बार की उपविजेता दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उतरेगी। भारतीय टीम को इस मुकाबले में जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन न केवल बल्लेबाजी और गेंदबाजी बल्कि क्षेत्ररक्षण में भी करना होगा। भारतीय टीम का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। वह इसी के साथ ही इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक कैच छोड़ने वाली दूसरी टीम बन गयी है। भारतीय टीम ने अब तक इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक 9 कैच छोड़े हैं। इस प्रकार वह सबसे अधिक कैच छोड़ने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं सबसे अधिक 10 कैच छोड़कर आयरलैंड टीम पहले नंबर पर है। इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा कैच छोड़ने के मामले में तीसरे नंबर पर नामीबिया की टीम है। उसने 6 कैच छोड़े हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने भी माना है कि टीम के इस प्रकार कैच छोड़ने से हाथ आया मैच भी निकल सकता है। इसी कारण खिलाड़ी कैच पकड़ने का अभ्यास भी कर रहे हैं। डोएशे ने कहा, कैच छोड़ना काफी नुकसानदेह होता है और इससे परिणाम भी प्रभावित होता। इसे सुधारने के लिए खिलाड़ी प्रयास कर रहे हैं सुपर-8 चरण में हमारा सामना कुछ बहुत अच्छी फील्डिंग वाली टीमों से होगा।

नर्मदापुरम ने जीती एम.वाई. मेमोरियल ट्रॉफी, यश दुबे के दोहरे शतक से इंदौर को 156 रनों से दी शिकस्त

इंदौर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। म.प्र. क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित अंतर-संभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट एम.वाई. मेमोरियल ट्राफी 2025-26 का खिताब नर्मदापुरम संभाग ने अपने नाम कर लिया है। डेली कालेज मैदान पर खेले गए पांच दिवसीय फाइनल मुकाबले के अंतिम दिन, नर्मदापुरम ने इंदौर संभाग को 156 रनों के बड़े अंतर से हराकर ट्राफी पर कब्जा जमाया। मैच के असली नायक नर्मदापुरम के सलामी बल्लेबाज यश दुबे रहे। पहली पारी में पिछड़ने के बाद, दूसरी पारी में यश दुबे ने मैराथन बल्लेबाजी करते हुए 449 गेंदों पर 242 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 22 चौके और 3 छक्के जड़े। उन्हें हिमांशु शिंदे (119 रन) का शानदार साथ मिला और दोनों के बीच छठे विकेट के लिए हुई 262 रनों की विशाल साझेदारी ने इंदौर के सामने जीत के लिए नामुमकिन सा लक्ष्य रख दिया। नर्मदापुरम ने अपनी दूसरी पारी 491/8 पर घोषित की। पहली पारी में 255 रन बनाकर 81 रनों की बढ़त लेने वाली इंदौर की टीम दूसरी पारी में लक्ष्य का पीछा करते हुए दबाव में बिखर गई। इंदौर की पूरी टीम अपनी दूसरी पारी में 254 रनों पर ही सिमट गई। टीम की ओर से सागर सोलंकी ने सर्वाधिक 60 रन और अंश यादव ने 50 रन बनाए। नर्मदापुरम के लिए गेंदबाजी में आर्यन देशमुख ने 3 विकेट, जबकि ऋत्विक दीवान और हिमांशु शिंदे ने 2-2 विकेट लेकर अपनी टीम को जीत की दहलीज पर पहुँचाया।

टूर्नामेंट के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एमपीसीए के सचिव सुधीर असनानी और डेली कालेज के बर्सर हर्षवर्धन सिंह उपस्थित थे। उन्होंने विजेता टीम को एम.वाई. मेमोरियल ट्राफी प्रदान की। इस अवसर पर एमपीसीए के कोषाध्यक्ष संजीव दुआ और प्रबंध समिति के सदस्य अनुराग मिश्रा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

भावुक जोनाथन ट्रॉट ने अफगानिस्तान के साथ अपने सफर को कहा अलविदा, 'संयोग' से शुरु हुई थी कोचिंग यात्रा

चेन्नई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के मुख्य कोच जोनाथन ट्राट ने 2026 टी20 विश्व कप में टीम के अंतिम ग्रुप मुकाबले के बाद अपने कार्यकाल को भावुक अंदाज़ में अलविदा कहा। कनाडा के खिलाफ जीत के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में 44 वर्षीय ट्राट अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। उन्होंने स्वीकार किया कि अफगानिस्तान के साथ उनकी यात्रा संयोग से शुरू हुई, लेकिन यह अनुभव उनके जीवन के सबसे संतोषजनक अध्यायों में से एक रहा। अफगानिस्तान ने अपने अंतिम ग्रुप मैच में कनाडा को हराया। इस मुकाबले में इब्राहिम ज़दरान 95 रन की नाबाद पारी खेलकर प्लेयर आफ द मैच बने। उन्होंने अपना पुरस्कार कोच ट्राट को समर्पित किया और विदाई प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान सामने बैठकर अपने कोच को भावुक होते देखा।

2022 में संभाली थी कमान - जोनाथन ट्राट ने 2022 में अफगानिस्तान टीम की कमान संभाली थी। उन्होंने खुलासा किया कि मूल रूप से यह पद ग्राहम थार्प को संभालना था, लेकिन परिस्थितियों के चलते वह यह जिम्मेदारी नहीं ले सके। इसके बाद ट्राट को यह अवसर मिला। उन्होंने कहा, मुझे यह मौका संयोग से मिला। ग्राहम थार्प ने मेरे कोचिंग करियर के विकास में बड़ी भूमिका निभाई थी। जब यह जिम्मेदारी मिली तो मैंने इसे दोनों हाथों से स्वीकार किया और पूरी निष्ठा से काम किया।

उपलब्धियों से भरा रहा कार्यकाल - ट्राट ने अपने कार्यकाल की कई यादगार उपलब्धियों को याद किया। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान ने विश्व कप में पहली बार पाकिस्तान को हराया, इंग्लैंड को मात दी और पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों के खिलाफ विदेशी सरजमीं पर द्विपक्षीय सीरीज जीती। हालांकि 2026 टी20 विश्व कप में टीम 2024 जैसी सफलता दोहराने में सफल नहीं रही, लेकिन ट्राट ने परिणामों से अधिक टीम के मानवीय विकास को

अहम बताया। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने पहली बार इब्राहिम ज़दरान, अजमतुल्लाह उमरज़ई और रहमानुल्लाह गुरबाज़ जैसे खिलाड़ियों को देखा, तो उनकी प्रतिभा ने प्रभावित किया।

व्यक्तियों से टीम बनने का सफर - ट्राट ने बताया कि अफगानिस्तान की असली ताकत केवल उनके स्पिन गेंदबाज नहीं, बल्कि टीम के रूप में उनका विकास है। उन्होंने कहा कि जब वह पहली बार टीम के साथ आयरलैंड दौरे पर गए थे, तब उन्हें महसूस हुआ कि खिलाड़ियों में अपार प्रतिभा है, लेकिन उन्हें केवल संरचना और पेशेवर रवैये की जरूरत है। उन्होंने कहा, थोड़ी-सी संरचना, पेशेवर मानसिकता और उच्च मानक जोड़ने से बड़ा बदलाव आया। आज की टीम और पहले की टीम में जमीन-आसमान का अंतर है, ।

सीमित संसाधनों के बावजूद बड़ा प्रदर्शन - ट्राट ने यह भी रेखांकित किया कि अफगानिस्तान के खिलाड़ी सीमित संसाधनों में खेलते हैं। उनके पास स्थायी घरेलू मैदान, आधुनिक अकादमियां और बुनियादी ढांचे की वैसी सुविधाएं नहीं हैं जैसी अन्य बड़ी टीमों के पास हैं। उन्होंने कहा, इन खिलाड़ियों को जो सुविधाएं मिलती हैं, उसकी तुलना में उनका प्रदर्शन अविश्वसनीय है। कई खिलाड़ियों को वह शिक्षा और प्रशिक्षण नहीं मिला जो मुझे मिला था, फिर भी वे 20 हजार दर्शकों के सामने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव संभालते हैं। मैं हर खिलाड़ी को सलाम करता हूं।

मैदान के बाहर भी बदली जिंदगी - ट्राट ने कहा कि उनके लिए सबसे बड़ी संतुष्टि यह देखना रहा कि खिलाड़ियों की जिंदगी मैदान के बाहर भी बदली है। उन्होंने कहा, इन खिलाड़ियों ने न केवल अपने खेल से, बल्कि अपने परिवारों की तकदीर बदलने की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। युवा लड़कों को जिम्मेदार युवाओं में बदलते देखना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा, ।

भविष्य पर नजर - अफगानिस्तान की बल्लेबाजी को लेकर पूछे गए सवाल पर ट्राट ने टीम में गहराई बढ़ाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि भविष्य में अलग-अलग परिस्थितियों के लिए विविध विकल्प तैयार करना जरूरी है, जैसे बाएं-दाएं हाथ के संयोजन और अतिरिक्त बल्लेबाजी विकल्प। अपने अगले कदम पर ट्राट ने फिलहाल कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया। हालांकि इंग्लैंड टीम के कोच बनने की संभावना पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, मैंने अपने करियर का बड़ा हिस्सा इंग्लैंड में बिताया है। किसी दिन उस टीम को कोच करने का मौका मिले तो अच्छा लगेगा, लेकिन अभी मैं कुछ दिन आराम करना चाहता हूं।

एआई बजट खर्च पर उठ रहे सवाल, विदेशी कंपनियों की बढ़ती मौजूदगी के बीच स्वदेशी शोध की रफ्तार पर बहस

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को लेकर बड़े स्तर पर आयोजन और नीतिगत घोषणाएं हो रही हैं, लेकिन बजट उपयोग और जमीनी प्रगति को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पिछले वर्ष केंद्र सरकार ने एआई क्षेत्र के विकास के लिए 2000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया था।

किंतु उपलब्ध जानकारी के अनुसार करीब 800 करोड़ रुपये ही खर्च हो सके। शेष राशि के उपयोग न हो पाने से नीति क्रियान्वयन की गति पर बहस तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों को अपेक्षित वित्तीय सहायता समय पर नहीं मिल पाई, जिससे स्वदेशी एआई अनुसंधान प्रभावित हुआ है। आईटी विशेषज्ञों का कहना है कि उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, डेटा सेंटर और दीर्घकालिक निवेश के बिना भारत वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ सकता है। इधर एआई समिट और तकनीकी मंचों पर विदेशी कंपनियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ी है। वैश्विक दिग्गज जैसे गूगल, माइक्रोसाफ्ट और ओपन एआई भारतीय बाजार में अपने उत्पाद और समाधान तेजी से पेश कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत एआई उत्पादों का बड़ा उपभोक्ता बाजार बनता जा रहा है, लेकिन घरेलू उत्पादन और पेटेंट की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम है।

आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार यदि स्वदेशी नवाचार और निर्यात समान गति से नहीं बढ़े, तो आयात पर निर्भरता बढ़ने से व्यापार घाटा और विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ सकता है। रक्षा, विनिर्माण और औद्योगिक क्षेत्रों में एआई के सीमित उपयोग को भी विस्तार की जरूरत बताई जा रही है। सरकार एआई को भविष्य की परिवर्तनकारी तकनीक बताते हुए निवेश बढ़ाने और नवाचार को प्रोत्साहन देने की बात कर रही है। अब निगाह इस पर है कि घोषित योजनाएं और बजट आवंटन जमीनी स्तर पर कितनी तेजी और प्रभावशीलता से लागू होते हैं।

न्यूज ब्रीफ

कान्टिनेंटल जीटी 650 का मिड-साइकल अपडेट लाने की तैयारी

नई दिल्ली। रायल एनफील्ड कंपनी अपनी पापुलर कैफे-रेसर बाइक कान्टिनेंटल जीटी 650 का मिड-साइकल अपडेट लाने की तैयारी में है। जानकारी के मुताबिक यह अपडेटेड माडल 2026 के आखिर तक भारतीय बाजार में लान्च किया जा सकता है। खास बात यह है कि कंपनी द्वारा ईआईसीएमए 2025 और मोटोवर्स 2025 में पेश की गई अधिक पावरफुल जीटी-आर 750 के बावजूद 650सीसी जीटी को बंद करने का कोई प्लान नहीं है। नई कान्टिनेंटल जीटी 650 में सबसे बड़ा बदलाव इसके लुक और स्टाइल में देखने को मिल सकता है। उम्मीद है कि कंपनी इसमें नए कलर आप्शन्स जोड़कर इसे और अधिक फ्रेश व आकर्षक बनाएगी। साथ ही सस्पेंशन सेटअप में भी सुधार किया जा सकता है। वर्तमान में मौजूद टेलीस्कोपिक फोर्क और डुअल शाक एब्जार्बर की जगह अधिक प्रीमियम सस्पेंशन यूनिट्स दिए जाने की चर्चा है। इसके अलावा फ्रंट में ट्विन-डिस्क ब्रेक सेटअप मिलने की भी संभावना है, जिससे ब्रेकिंग परफार्मेंस बेहतर होगी। बाइक में प्रीमियम फीचर्स के जुड़ने की उम्मीद है, जिससे इसकी कीमत बढ़ सकती है। फिलहाल कान्टिनेंटल जीटी 650 भारत में पांच कलर आप्शन्स के साथ उपलब्ध है और इसकी एक्स-शोरूम कीमत 3.50 लाख से 3.78 लाख रुपये के बीच है।

अमेरिकी बाजार से कानपुर को मिले 400 करोड़ के आर्डर, उत्तर प्रदेश को 1700 करोड़ का लाभ

कानपुर। अमेरिकी बाजार से लंबे समय से परेशान चल रहे कानपुर के निर्यातकों को अब बड़ी राहत मिली है। टैरिफ में कटौती के बाद महज सात से दस दिनों के भीतर शहर को करीब 300 से 400 करोड़ रुपये के नए आर्डर प्राप्त हुए हैं। कुछ महीने पहले ऊंचे शुल्क के कारण कई आर्डर अटक गए थे और शिपमेंट अन्य देशों की ओर शिफ्ट कर दिए गए थे, लेकिन अब हालात तेजी से बदलते नजर आ रहे हैं। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार, पूरे उत्तर प्रदेश को अब तक अमेरिका से लगभग 1700 करोड़ रुपये के आर्डर मिल चुके हैं। इसमें कानपुर की हिस्सेदारी करीब 400 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इससे साफ संकेत मिलते हैं कि प्रदेश का निर्यात क्षेत्र फिर से पटरी पर लौट रहा है और विदेशी खरीदारों का भरोसा मजबूत हुआ है। सबसे अधिक फायदा लेदर उद्योग को हुआ है, जो पिछले कुछ समय से दबाव में था। कुल आर्डर में लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रानिक उत्पादों का है। टेक्सटाइल सेक्टर को करीब 15 प्रतिशत और लेदर-फुटवियर सेक्टर को लगभग 12 प्रतिशत आर्डर प्राप्त हुए हैं। गारमेंट, केमिकल और हैंडीक्राफ्ट उद्योगों को भी बड़े कंसाइनमेंट मिले हैं। नए आर्डर मिलने के बाद फैक्ट्रियों में उत्पादन बढ़ाने की तैयारियां तेज हो गई हैं।

क्या पाकिस्तान पर मेहरबान बना रहेगा आईएमएफ आर्थिक हालातों से तय होगी अगली किस्त

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की एक स्टाफ टीम 25 फरवरी से पाकिस्तान का दौरा करेगी, जहां

वह विस्तारित कोष सुविधा (ईएफएफ) के तहत चल रहे आर्थिक सुधार कार्यक्रम की तीसरी समीक्षा करेगी। इसके साथ ही रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी (आरएसएफ) के तहत दूसरी समीक्षा पर भी चर्चा की जाएगी। आईएमएफ पाकिस्तान के साथ करेगी आर्थिक स्थिरता पर चर्चा आईएमएफ की संचार निदेशक जूली कोजैक ने प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए कहा कि यह दौरा नीति मानकों और सुधार प्रतिबद्धताओं के आकलन के लिहाज से अहम होगा। उन्होंने बताया कि टीम पाकिस्तान के साथ आर्थिक स्थिरता से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर विस्तृत बातचीत करेगी। कोजैक के अनुसार, ईएफएफ कार्यक्रम के तहत पाकिस्तान द्वारा किए गए नीतिगत प्रयासों से अर्थव्यवस्था को स्थिर करने और निवेशकों का भरोसा बहाल करने में मदद मिली है। वित्त वर्ष 2025 में देश का प्राथमिक राजकोषीय अधिशेष जीडीपी का 1.3 प्रतिशत रहा, जो कार्यक्रम के तय लक्ष्यों के अनुरूप है और इसे मजबूत राजकोषीय प्रदर्शन का संकेत माना जा रहा है। मुख्य महंगाई दर अपेक्षाकृत नियंत्रित रही है, जबकि वित्त वर्ष 2025 में पाकिस्तान ने 14 वर्षों में पहली बार चालू खाते में अधिशेष दर्ज किया है, जो बाहरी संतुलन में सुधार की दिशा में सकारात्मक संकेत है।

सस्ती व बेहतर कारों की उम्मीद, सालाना 90 लाख तक पहुंचेगा कार उत्पादन

1 लाख करोड़ के निवेश से 65 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी क्षमता

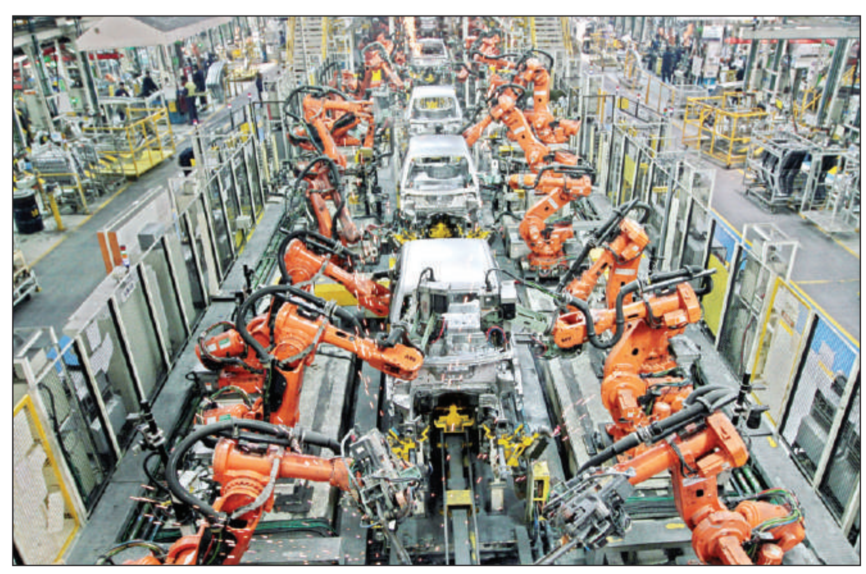

मुंबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

देश की पांच प्रमुख आटोमोबाइल कंपनियां अगले 5-6 वर्षों में करीब 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश कर उत्पादन क्षमता में लगभग 65प्रतिशत की बढ़ोतरी करने जा रही हैं। इस विस्तार के बाद देश में कारों का सालाना उत्पादन मौजूदा 55 लाख से बढ़कर करीब 90 लाख यूनिट तक पहुंच सकता है। बढ़ती मांग को देखते हुए यह कदम सप्लाई मजबूत करेगा, नए माडल लान्च होंगे और लोकप्रिय कारों की वेटिंग अवधि कम होने की संभावना है।

इस महत्वाकांक्षी योजना में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, टोयोटा क्रिलोस्कर मोटर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया शामिल हैं। कंपनियां नए प्लांट स्थापित करने, मौजूदा संयंत्रों का विस्तार करने और अत्याधुनिक तकनीक अपनाने पर जोर दे रही हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार, आने वाले वर्षों में एसयूवी, इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) और हाइब्रिड टेक्नोलाजी पर विशेष फोकस रहेगा। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में तेजी से बढ़ती मांग और सरकार की प्रोत्साहन नीतियां भी निवेश को गति दे रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि उत्पादन क्षमता बढ़ने से बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज होगी। इससे उपभोक्ताओं को बेहतर फीचर्स, उन्नत सुरक्षा मानकों और नई तकनीक से लैस कारें अपेक्षाकृत किफायती दामों पर मिल सकती हैं। साथ ही, घरेलू उत्पादन बढ़ने से निर्यात के अवसर भी मजबूत होंगे, जिससे आटो सेक्टर अर्थव्यवस्था में और बड़ी भूमिका निभा सकेगा। कुल मिलाकर, यह निवेश न केवल आटो उद्योग के विस्तार का संकेत है, बल्कि भारतीय विनिर्माण क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

किआ कार्निवाल नए अवतार में आ रही भारतीय बाजार में

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में लग्जरी कार किआ कार्निवाल अब नए अवतार में आने वाली है। कंपनी ने 2024 के अंत में इसका चौथी पीढ़ी वाला माडल पेश किया था, जिसके बाद इसके लुक, इंटीरियर और फीचर्स पहले से अधिक प्रीमियम हो गए। फिलहाल कार्निवाल भारत में सीकेडी रूट से आती है, लेकिन अब रिपोर्ट्स के मुताबिक किआ इसका पेट्रोल हाइब्रिड वर्जन लान्च करने की तैयारी कर रही है, जो साल के अंत तक बाजार में दस्तक दे सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहले से उपलब्ध पेट्रोल हाइब्रिड माडल को ही भारत में पेश किए जाने की संभावना है। खास बात यह है कि इसकी कीमत मौजूदा डीजल वर्जन से कम रखी जा सकती है, जिससे यह अधिक ग्राहकों के लिए आकर्षक बनेगी। इसमें 1.6 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ हाइब्रिड सिस्टम मिलेगा, जो मिलकर लगभग 242 एचपी की पावर और 367 एनएम का टार्क देने में सक्षम होगा। साथ ही 54 केडब्ल्यू की इलेक्ट्रिक मोटर और 6-स्पीड आटोमैटिक गियरबाक्स का संयोजन बेहतर परफार्मेंस सुनिश्चित करेगा। अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों के अनुसार इसका माइलेज करीब 14.5 केएमपीएल तक रह सकता है। फीचर्स के मामले में भी कार्निवाल हाइब्रिड बेहद प्रीमियम होगी। इसमें 19-इंच ग्लास ब्लैक अलाय व्हील्स, एलईडी हेडलैंप-टेललैंप, डुअल सनरूफ और डार्क एडिशन स्टाइलिंग जैसे फीचर्स मिल सकते हैं। केबिन में पावर्ड स्लाइडिंग डोर्स, स्मार्ट पावर टेलगेट, बड़ा टचस्क्रीन डिस्प्ले और हीटेड स्टीयरिंग व्हील जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। सुरक्षा के लिए अडास फीचर्स की लंबी लिस्ट इसे अपने सेगमेंट की सबसे फीचर-लोडेड एमपीवी बना सकती है।

बाइक स्ट्रीट ट्रिपल आरएक्स की प्री-बुकिंग प्रारंभ

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

ट्रायम्फ इंडिया ने अपनी नई परफार्मेंस बाइक स्ट्रीट ट्रिपल आरएक्स की प्री-बुकिंग चुनिंदा डीलरशिप्स पर शुरू कर दी है। इस माडल को अब भारतीय सड़कों पर उतारने की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। कंपनी ने फिलहाल इसकी कीमत का खुलासा नहीं किया है, लेकिन अनुमान है कि यह रुपए 12.93 लाख (एक्स-शोरूम) से ऊपर रह सकती है, जिससे यह प्रीमियम स्पोर्ट्स बाइक सेगमेंट में मजबूत चुनौती पेश करेगी।

स्ट्रीट ट्रिपल आरएक्स को खासतौर पर ऐसे राइडर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिन्हें सड़क और ट्रैक दोनों पर एग्रेसिव राइडिंग स्टाइल पसंद है। यह आरएस वर्जन पर आधारित है, लेकिन इसकी राइडिंग पोजिशन और कंट्रोल को और ज्यादा ट्रैक-फोकस्ड टच दिया गया है। बाइक में 765सीसी इनलाइन-3 सिलेंडर इंजन मिलता है, जो 128.2 बीएचपी की शक्ति और 80 एनएम का टार्क प्रदान करता है। पावर डिलीवरी की स्मूदनेस और तेज एक्सेलेरेशन इसे अपने क्लास में और आकर्षक बनाते हैं। इसके सस्पेंशन सेटअप में ओहलिन्स एनआईएक्स 30 एडजस्टेबल फ्रंट फोर्क और ओहलिन्स एसटीएक्स40 रियर मोनोशाक शामिल हैं, जो हाई-स्पीड पर भी बेहतर कंट्रोल देते हैं। क्लिप-आन हैंडलबार उसकी राइडिंग पोजिशन को ज्यादा स्पोर्टी बनाते हैं।

ब्रेकिंग के लिए ब्रेम्बो स्टायलेमा कैलिपर्स और ब्रेम्बो एमसीएस मास्टर सिलेंडर का इस्तेमाल किया गया है, जबकि पिरेली डियाब्लो सुपरकोर्सा एसपी वी3 टायर हाई-स्पीड कार्नरिंग में उत्कृष्ट ग्रिप सुनिश्चित करते हैं। इलेक्ट्रानिक फीचर्स में ट्रैक मोड वाला एबीएस, आप्टिमाइज्ड कार्नरिंग एबीएस, ट्रैक्शन कंट्रोल और ट्रायम्फ शिफ्ट असिस्ट जैसे एडवांस्ड सिस्टम शामिल हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सबवे से...

पर तत्कालीन एमसीएच द्वारा बनाया गया सबवे अब बंद पड़ा है। पैदल यात्रियों को वहां भेजने के लिए ट्रैफिक वार्डन तैनात किए गए, फिर भी लोगों ने इसे नहीं अपनाया। वर्तमान में इस सबवे में पुरानी किताबों की दुकानें चलती हैं। इसी तरह, 1980 के दशक में आरटीसी क्रॉस रोड्स पर बना सबवे भी वर्षों तक अप्रयुक्त रहा और अंततः मेट्रो रेल परियोजना के दौरान इसे ध्वस्त कर दिया गया।

हैदराबाद में सबवे की विफलता के पीछे खराब डिजाइन और रखरखाव को मुख्य कारण माना जाता है। वेंटिलेशन की कमी, अपर्याप्त रोशनी के कारण होने वाली घुटन , स्वच्छता का अभाव और सुरक्षा संबंधी चिंताओं ने लोगों को इनसे दूर कर दिया। जीएचएमसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, पुराने अंडरपास सीपेज (रिसाव), जलभराव और खराब रोशनी से प्रभावित थे। बारिश के दौरान इनके डूबने की शिकायतों ने इन्हें और भी अलोकप्रिय बना दिया।

सीवरेज नेटवर्क की चुनौतियां और ठंडे बस्ते में गई योजनाएं

अधिकारी के अनुसार, दिल्ली और बेंगलुरु जैसे शहरों में सबवे सफल हैं, लेकिन हैदराबाद का दशकों पुराना सीवरेज नेटवर्क अभी भी पूरी तरह अपडेट नहीं हुआ है। इस कारण जमीन के नीचे रिसाव की समस्या बनी रहती है, जो सबवे निर्माण के लिए उपयुक्त नहीं है। गौरतलब है कि साल 2013 में जीएचएमसी ने अफ़ज़लगंज, एबिड्स, ओवैसी अस्पताल और मेहंदीपट्टनम में लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से चार नए सबवे बनाने की योजना बनाई थी। हालांकि समिति ने इसे मंजूरी दे दी थी, लेकिन बाद में इन प्रस्तावों को चुपचाप ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

कांग्रेस का...

लगाए और जो यह भूल जाए कि देशहित सर्वोपरि है, उसे राजनीति नहीं कहा जा सकता।

ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया और फ्रांस के बाद भारत दुनिया का चौथा देश था, जिसने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर इस तरह के वैश्विक सम्मेलन की मेजबानी की। यह वह मंच था, जहां दुनिया भारत की क्षमता और भविष्य की दिशा को देख रही थी। लेकिन इसी मंच पर यूथ कांग्रेस के नेताओं ने विरोध के नाम पर राष्ट्रीय गरिमा की सीमा लांघ दी।

अब तक इस मामले में पुलिस ने चार कार्यकर्ताओं को तुरंत गिरफ्तार किया और तीन को हिरासत में लिया है। यूथ कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब ने प्रदर्शन को युवाओं का स्वाभाविक आक्रोश बताया और कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के हितों से समझौता किया है। वहीं बीजेपी ने इसे एंटी-इंडिया हरकत करार दिया।

दिल्ली के तिलक मार्ग थाने में यूथ कांग्रेस के सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यूथ कांग्रेस के कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने के बाद थाने में क्रिमिनल साजिश (धारा 61(2)), सार्वजनिक सेवक को चोट पहुंचाना, सार्वजनिक सेवक पर हमला करना, सार्वजनिक सेवक के निर्देश का उल्लंघन करना, अवैध सभा करना, प्रतिबंधित आदेश का उल्लंघन करना और समान उद्देश्य के तहत अन्य संबंधित आरोप लगाए गए हैं।

अभी तक की पूछताछ में, गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों ने साझा किया कि 16 और 17 तारीख को रजिस्ट्रेशन के लिए एक्सटेंशन मिलने के बाद ही उन्होंने ऑनलाइन पंजीकरण कराया था। ये प्रदर्शनकारी दो दिन पहले ही बिहार और तेलंगाना से दिल्ली आए थे।

विरोध या राष्ट्र की छवि पर आघात

यह विरोध प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बताया गया। जबकि यह समिट किसी एक दल या व्यक्ति का नहीं, बल्कि 145 करोड़ भारतीयों का प्रतिनिधित्व करने वाला आयोजन था। दुनिया इस मंच के माध्यम से नए भारत को देख रही थी।

विरोध के दौरान प्रधानमंत्री के खिलाफ नारे लगाए गए और टी-शर्ट्स पर आपत्तिजनक संदेश लिखे गए। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन यह भी समझना जरूरी है कि कब विरोध को विराम देकर देश की सामूहिक छवि को प्राथमिकता दी जाए।

यूथ कांग्रेस और संगठन का सवाल

कुछ लोग कह रहे हैं कि यूथ कांग्रेस का कांग्रेस पार्टी से सीधा संबंध नहीं है। लेकिन यूथ कांग्रेस खुद को कांग्रेस की इकाई बताती है। ऐसे में संगठनात्मक जिम्मेदारी से पूरी तरह दूरी बनाना संभव नहीं है।

प्रधानमंत्री के खिलाफ जो नारा लगाया गया, वही नारा इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी संसद के बाहर लगा चुके हैं। आरोप यह है कि भारत ने अमेरिका के साथ जो ट्रेड डील की, उसमें किसानों और डेयरी उत्पादकों के हितों से समझौता किया गया।

हालांकि, अमेरिका की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि कृषि और डेयरी क्षेत्र की जिन श्रेणियों को पहले सुरक्षित रखा गया था, वे अब भी सुरक्षित हैं। इसके बावजूद यह नारा राजनीतिक मंचों पर दोहराया जा रहा है।

विरोध का अधिकार सबको है। पहले भी प्रधानमंत्री के खिलाफ नारे लगाए गए और किसी ने रोका नहीं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय एआई समिट जैसे मंच को राजनीतिक विरोध का स्थल बनाना अलग बात है।

इस एआई समिट में 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि, 60 से अधिक मंत्री और उपमंत्री, 20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष, 500 से अधिक वैश्विक नेता और 50 से अधिक बड़ी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के प्रमुख शामिल हुए।

ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन, गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई, गूगल डीपमाइंड के सीईओ डेमिस हासाबिस, माइक्रोसॉफ्ट के ब्रैड स्मिथ, एडोबी के शांतनु नारायण और क्वालकॉम के क्रिस्टियानो एमन जैसे दिग्गज इसमें मौजूद थे।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा, अबू धाबी के क्राउन प्रिंस खालिद बिन मोहम्मद, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़, ब्रिटेन के उप-प्रधानमंत्री और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भी भाग लिया।

यह मंच भारत के लिए एक बड़ा एआई क्षण था। कई निवेश घोषणाएं भी हुईं। विशाखापट्टनम के पास एआई सिटी विकसित करने की योजना, वैश्विक कंपनियों के निवेश और भारत में डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के ऐलान इस समिट की प्रमुख उपलब्धियां रहीं।

कांग्रेस के कुछ नेता इस विरोध का बचाव करते हुए 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान हुए प्रदर्शनों का उदाहरण दे रहे हैं। लेकिन उस समय विरोध आयोजन स्थल के भीतर नहीं हुआ था और आयोजन समाप्त होने के बाद हुआ था। यहां विरोध समिट के दौरान, आयोजन स्थल के भीतर किया गया। यह अंतर महत्वपूर्ण है।

लोकतंत्र में असहमति अनिवार्य है। विरोध भी जरूरी है। लेकिन विरोध का स्तर और स्थान भी मायने रखता है। कुछ मूल बातें याद रखी जानी चाहिए:

राष्ट्र पहले, राजनीति बाद में।

विरोध गरिमापूर्ण होना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश को एकजुट दिखना चाहिए।

राजनीति ऐसी हो जो देश को बड़ा दिखाए, छोटा नहीं।

यह घटना राजनीतिक बहस को तेज करेगी, लेकिन राष्ट्रहित सर्वोपरि रहना चाहिए।

अमीरपेट में...

आदित्य एनक्लेव और मैत्रीवनम जैसी इमारतों में सैकड़ों केंद्र संचालित हैं, जहाँ रोजाना हजारों छात्र आते हैं।

अधिकारियों ने स्वीकार किया कि यदि आग बुझाने में थोड़ी भी देरी होती, तो यह एक बड़ी त्रासदी बन सकती थी। घटना की खबर से पूरे शहर में चिंता फैल गई, लेकिन हाइड्रा डीआरएफ की त्वरित कार्रवाई ने बड़ी राहत दी।

हाइड्रा कमिश्नर का दौरा; सुरक्षा सुधार के लिए एक महीने की समय सीमा

हाइड्रा कमिश्नर ए.वी. रंगनाथ ने स्थल का निरीक्षण किया और डीआरएफ टीमों की तत्परता की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह घटना व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए एक वेक-अप कॉल है।

उन्होंने याद दिलाया कि एक महीने पहले संयुक्त निरीक्षण के बाद कुछ दुकानों को सील किया गया था और कमियों को सुधारने के लिए एक महीने का समय दिया गया था।

उन्होंने चेतावनी दी कि एक महीने बाद फिर से निरीक्षण किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर सरकार को अग्नि सुरक्षा नियमों में संशोधन के प्रस्ताव भेजे जाएंगे। उन्होंने भवन स्वामियों से आपातकालीन निकास द्वारों को बाधा मुक्त रखने का आग्रह किया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 21 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

मस्जिद की मरम्मत के लिए अग्रबंधु की कड़ी निंदा

हैदराबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

सद्भावना, सौहार्द और भाईचारा जैसे शब्द तभी तक सार्थक है, जब तक यह दोनों पक्षों की साझा पहल न हो। कोई एक पक्ष लगातार आपको अपना मचाराफ बनाता रहे और आप भाईचारगी दिखाते रहेंगे तो यह आपकी अव्वल दर्जे की मूर्खता से ज्यादा और कुछ नहीं।

सनातन धर्म और संस्कृति की रक्षार्थ समर्पित संस्था अभिनव भारत को एक खबर ने झकझोर कर रख दिया। संस्था के हैदराबाद शाखा के संरक्षक श्री रमेश कुमार अग्रवाल ने एक अग्रबंधु द्वारा कथित रूप से मस्जिद की मरम्मत के लिए आर्थिक सहायता पर न केवल कडा ऐतराज़ जताया, बल्कि दानवीर से पूछा कि जिस कौम का एजेंडा ही गजवा-ए-हिन्द और लव जिहाद जैसा घिनौना कार्य हो, उसकी सहायता करना परोक्ष रूप से अपने धर्म से गद्दारी नहीं तो क्या है? और तो और अपने इस कार्य का अखबारों में ढिंढोरा पिटवाना कहाँ तक उचित है?

गौरतलब है कि यादाद्री भुवनगिरी ज़िले के जलालपुर में कुछ दिन पहले क्षतिग्रस्त एक मस्जिद की मरम्मत के लिए हैदराबाद के हिन्दू व्यवसायी ने आगे बढ़कर सहायता प्रदान की थी । इस गाँव की जामा मस्जिद में रमज़ान के दौरान उद्योगपति ने मरम्मत के लिए सहयोग देने का निर्णय लिया।

उन्होंने इस संबंध में एमबीटी नेता के साथ मस्जिद का दौरा कर मस्जिद समिति के अध्यक्ष से मुलाकात की। उन्होंने मस्जिद की मरम्मत के लिए आर्थिक सहयोग की पेशकश की, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

अवसर पर दानदाता अग्रबंधु ने बताया कि यह सहयोग उन्होंने भाईचारे और नेकदिली के उद्देश्य से दिया है। इसलिए भी कि इंसानियत का मज़हब यही सिखाता है कि धार्मिक भेदभाव से ऊपर उठकर मदद की जाए। उनकी पहल पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एमबीटी नेता द्वारा कहा गया कि यह कदम तेलंगाना की साझी संस्कृति और भाईचारे की भावना को दर्शाता है।

अभिनव भारत ने जलालपूर स्थित मस्जिद के पुनरुत्थान व पुनर्निर्माण में आर्थिक सहायता करने वाले श्री अग्रवाल को भाग्यनगर (हैदराबाद) का एक जाना पहचाना चेहरा बताते हुए कहा कि हिन्दुओं के कई मंदिर जर्जर अवस्था में है, जबकि ऐसे भी मंदिर हैं, जहाँ दीप जलाने वाला भी कोई नहीं, इन पर यदि ध्यान दिया जाता तो ज्यादा अच्छा होता।

अभिनव भारत ने आरोप लगाया कि समाचार पत्र के मुख पृष्ठ पर अपनी फ़ोटो सहित मस्जिद को आर्थिक सहायता प्रदान करने का समाचार छपवाने का श्रम करने वाले श्री अग्रवाल जी के विषय में ऐसा मानना है कि वह स्थानीय इस्लामिक सियासी दल के नेताओं से सम्बन्धों के चलते पूर्व में भी कई मदरसों व इस्लामिक संस्थाओं को आर्थिक मदद देते रहे हैं।

सेवा करना ही हमारा उद्देश्य : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में जारी नियमित अनुदान कार्यक्रम के अंतर्गत नामपल्ली स्थित पिलर संख्या 1265 ए के पास सेवा कार्य श्रद्धा और समर्पण भाव से निरंतर संचालित किया जा रहा है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का मूल उद्देश्य निस्वार्थ भाव से सेवा करना है। उन्होंने कहा कि जब तक समाज में एक भी जरूरतमंद व्यक्ति है, तब तक सेवा का यह क्रम निरंतर चलता रहेगा। सेवा केवल भोजन कराना नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को जीवित रखना है।

कार्यक्रम में उपस्थित रामप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा शहर में निराश्रित बंधुओं को भोजन कराने का कार्य सभी के सहयोग और सहभागिता का परिणाम है। यह केवल एक संस्था का नहीं, बल्कि पूरे समाज का संयुक्त प्रयास है।

इस सेवा कार्य में अनेक समाजसेवियों ने अपनी सहभागिता निभाई, जिनमें राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, जय प्रकाश सारडा, गौरव गोयल, जगन एलाकुर्थी, प्रीतिका अग्रवाल, महेश अग्रवाल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया एवं मनीष चिंडालिया प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अपनाएँ 'घर में मातृभाषा, कार्यालय में राजभाषा' का मंत्र : श्रीनिवास रेड्डी

हैदराबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सीएसआईआर - आईआईसीटी में आज अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 'मेरी मातृभाषा, मेरा हस्ताक्षर' कार्यक्रम की पहल की गई। संस्थान के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी के द्वारा तेलुगू भाषा में अपने नाम के सामने तेलुगू में हस्ताक्षर करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उन्होंने इस अवसर पर सभी कार्मिकों से 'घर में मातृभाषा, कार्यालय में राजभाषा' का मंत्र अपनाने की अपील की। संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों के द्वारा क्रमश: अपनी-अपनी मातृभाषा में नाम लिखकर हस्ताक्षर किया गया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में सीएसआईआर - आईआईसीटी के द्वारा सीए-सआईआर के तीनों प्रयोगशाल-ाओं को मिलाकर संयुक्त हिंदी कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। संस्थान के प्रशासन नियंत्रक श्री एम. आनंद कुमार ने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के द्वारा भारतीय भाषाओं में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि राजभाषा विभाग का सॉफ्टवेयर कंठस्थ का तीसरा संस्करण 'भारती अनुवाद सारथी' हिंदी के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं में भी अनुवाद की सुविधा उपलब्ध करा रही है। साथ ही हिंदी शब्द सिंधु के रूप में विश्व की सबसे विशाल शब्दावली निर्माण की योजना भी है। आगे, एनजीआरआई के प्रशासन नियंत्रक श्री एस. एन्टोनी पीटर राजा ने कहा कि हमारे यहां हिंदी के बेहतर ज्ञानस्रोत व्यक्ति हैं, जो संस्थान के अलावा दूसरे संस्थानों के राजभाषा कार्यान्वयन में अपना मार्गदर्शन के रूप में सहयोग प्रदान कर रहे हैं। प्रशासन नियंत्रक श्री के. रवि कुमार ने अपने अनुभव से बताया कि राजभाषा कार्यान्वयन की बारीकियों पर चर्चा करते हुए कहा कि मैं एक तेलुगूभाषी हूं पर राजभाषा हिंदी पर भी मेरी समान पकड़ है। हिंदी भाषा में टंकण, लेखन आसान है, हमें केवल थोड़ा समय देने की आवश्यकता है। इससे कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन सुनिश्चित होती है।

कार्यशाला में एनजीआरआई के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी श्री सुब्बाराव जी ने हिंदी में नोटिंग-ड्राफ्टिंग, पत्राचार लेखन पर अभ्यासगत सत्र का संचालन किया। उन्होंने हिंदी भाषा की सरलता, सुगमता, संक्षिप्तता पर प्रकाश डाला और कहा कि हिंदी में काम करना आसान है, बस शुरूआत की आवश्यकता है। आगे आईआईसीटी के हिंदी अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार ने राजभाषा नीति, नियम और कार्यान्वयन पर विस्तार से अभ्यासगत सत्र का संचालन किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह एक राष्ट्र के लिए एक झंडा की आवश्यकता है, एक राष्ट्रगान की आवश्यकता है, उसी तरह संघ की राजभाषा के लिए एक राजभाषा की आवश्यकता होती है। हिंदी उस आवश्यकता को पूरी करती है। एनजीआरआई के हिंदी अनुवादक डॉ. अजित कुमार, आईआईसीटी के हिंदी अनुवादक श्री आदर्श कुमार और सीसीएमबी के हिंदी अधिकारी और अनुवादक क्रमश: श्रीमती नुपूर रानी प्रसाद एवं श्रीमती सविता कुमारी के द्वारा भी अभ्यास सत्र का सफल संचालन किया गया। कार्यक्रम के अंत में श्री आदर्श कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मातृभाषा की गरिमा को कायम करने की हृदयस्पर्शी अपील की।

लक्ष्मण राव ने अफ़ज़लगंज के नए एसएचओ मोहन राव को दी बधाई

हैदराबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने अफ़ज़लगंज के नवनियुक्त स्टेशन हाउस ऑफिसर के. मोहन राव को कार्यभार संभालने के अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर क्षलक्ष्मण राव ने एसएचओ को पारंपरिक शॉल भेंट कर सम्मानित किया, जो सम्मान और सद्भावना का प्रतीक है।सम्मान समारोह के दौरान लक्ष्मण राव ने विश्वास व्यक्त किया कि नए अधिकारी के नेतृत्व में अफ़ज़लगंज क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल से सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहेगी।इस गरिमामय कार्यक्रम में बजरंग सेना के वरिष्ठ सदस्यों के साथ-साथ स्थानीय शुभचिंतक और गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

श्री राज मित्र मंडल के तत्वावधान में आठवीं निशान शोभा यात्रा कल

मल्लापुर से प्रातः 6:01 बजे होगी शुरुआत, मार्ग एवं व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा

हैदराबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री राज मित्र मंडल के तत्वावधान में आयोजित होने वाली 'आठवीं निशान शोभा यात्रा' के सफल आयोजन को लेकर मल्लापुर में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में यात्रा की तैयारियों, मार्ग निर्धारण तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विस्तार-पूर्वक विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि निशान शोभा यात्रा रविवार, 22 फरवरी को प्रातः 6:01 बजे राधिका स्टील्स, नोमा कल्याण वेदिका के निकट, मल्लापुर से प्रारंभ होगी। यात्रा एच.एम.टी., हब्सीगुड़ा, तारनाका एवं उस्मानिया विश्वविद्यालय मार्ग से होते हुए काचीगुड़ा पहुंचेगी।

यात्रा के दौरान श्री श्याम बाबा को आकर्षक एवं भव्य रूप से सुसज्जित रथ में विराजमान किया जाएगा। गाजे-बाजे, भजन-कीर्तन एवं जयकारों के साथ भक्तिमय वातावरण में शोभा यात्रा संपन्न होगी। आयोजन समिति द्वारा निशान धारी भक्तों के लिए यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर जलपान की व्यवस्था तथा प्रारंभ स्थल पर नाश्ते की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

निशान शुल्क 401 रुपये निर्धारित किया गया है। प्रत्येक निशान धारी भक्त को निशान एवं प्रसाद प्रदान किया जाएगा। आयोजन समिति ने अधिक से अधिक श्याम भक्तों से इस भव्य निशान शोभा यात्रा में सम्मिलित होकर श्री श्याम बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करने का आह्वान किया है। निशान पंजीकरण एवं सहभागिता हेतु इच्छुक भक्त प्रदीप अग्रवाल (8919972696) एवं प्रवीण अग्रवाल (9887119887) से संपर्क कर सकते हैं।

बैठक में प्रदीप अग्रवाल, सुरेश जीतपुरिया, सुनील कुमार अग्रवाल, प्रवीण जाखनीवाल, सत्यनारायण गोयल, रितेश अग्रवाल, प्रतीक नारसरिया, अमित जाखनीवाल, सुरेश जी पालाराम, प्रेम कुमार शर्मा एवं ज्वाला मोहन गुप्ता सहित आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

सूर्या कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा भगवान शिव की भव्य मूर्ति का उद्घाटन

हैदराबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सूर्या कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में कोटेश्वर शिव मंदिर, सूर्या कॉलोनी, सुभाष नगर में भगवान शिव की भव्य मूर्ति का उद्घाटन बड़े ही उत्साह और भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ।

एसोसिएशन के अध्यक्ष एम. पी. चतुर्वेदी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सुभाष नगर 130 डिवीजन कॉर्पोरेटर सुरेश रेड्डी की अध्यक्षता में एवं अध्यक्ष एम. पी. चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में यह पावन आयोजन हुआ। सिटी सिक्योरिटी विंग के एडिशनल डिप्टी कमिश्नर पाका गिरी राजी ने मूर्ति का उद्घाटन किया तथा पूजा-अर्चना कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी चौबीस घंटे निरंतर ॐ नमः शिवाय का जाप किया गया, जिसमें पूरे कॉलोनी के निवासियों का भरपूर सहयोग रहा। इस दौरान लगभग पचास हजार भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। यह आयोजन भक्ति और सामुदायिक एकता का प्रतीक रहा।इस अवसर पर अध्यक्ष एम. पी. चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष एन. के. दास तथा कार्यकारिणी सदस्यों आकाश, दिलीप, राजू, मिश्रा, शाहपुर शिव भक्त स्टाफ और सभी कार्यकर्ताओं ने पूजा को सफल बनाने में भरपूर सहयोग दिया।

प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए मिशन 108 को टीटीडी के सहयोग की दरकार

14 करोड़ की लागत से शुरू होगा मंथनी मंदिरों का कार्य

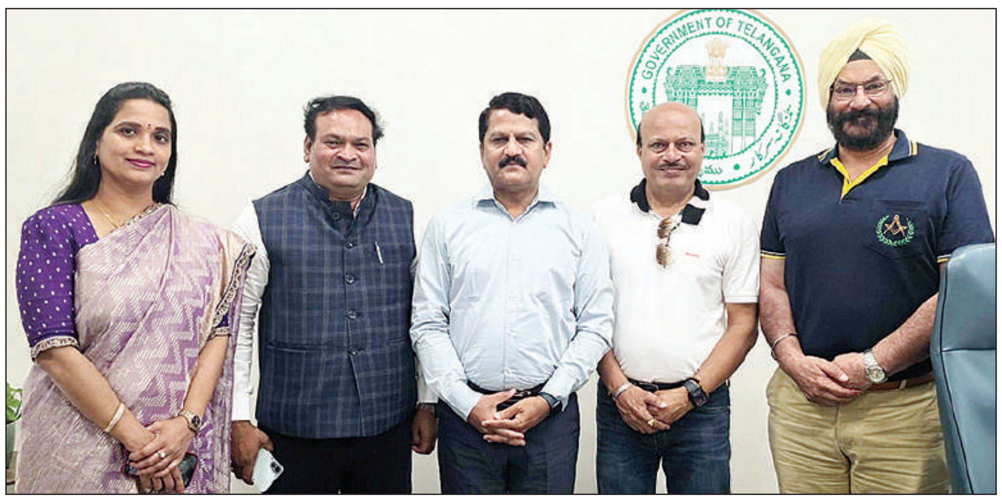

हैदराबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑल इंडिया ओल्ड टेम्पल रेनोवेशन ट्रस्ट ने देश भर में उपेक्षित और जर्जर मंदिरों के संरक्षण के लिए अपनी महत्वाकांक्षी पहल मिशन 108 टेम्पल्स के तहत तिरुमला तिरुपति देवस्थानमसे वित्तीय सहायता का अनुरोध किया है। ट्रस्ट का लक्ष्य सनातन धर्म की विरासत को सुरक्षित रखना और प्राचीन मंदिर वास्तुकला को आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित करना है।

ट्रस्ट ने सूचित किया है कि उसे आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में स्थित 35 ऐतिहासिक मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए आवश्यक अनुमति और अनुमोदन प्राप्त हो गए हैं। कार्यान्वयन के पहले चरण के रूप में, तेलंगाना के पेड्डापल्ली जिले में स्थित ऐतिहासिक मंथनी मंदिरों के समूह में जीर्णोद्धार कार्य शुरू किया जा रहा है। इस मंदिर परिसर के व्यापक संरक्षण और बहाली के लिए अनुमानित बजट लगभग 14 करोड़ है।

मंथनी परियोजना के अलावा, ट्रस्ट शेष 34 मंदिरों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर रहा है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 45 करोड़ रुपये है। टीटीडी को लिखे पत्र में ट्रस्ट ने विनम्रतापूर्वक वित्तीय सहायता की प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह किया है। ट्रस्ट का मानना है कि भगवान वेंकटेश्वर के आशीर्वाद और टीटीडी के सहयोग से, मिशन 108 टेम्पल्स हमारी पवित्र विरासत की सुरक्षा में एक ऐतिहासिक आंदोलन साबित होगा।

ट्रस्ट ने स्पष्ट किया है कि वे इस प्रतिष्ठित परियोजना के लिए आवश्यक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, तकनीकी अनुमान और अन्य दस्तावेज़ प्रदान करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि टीटीडी के मार्गदर्शन में प्राचीन मंदिरों का खोया हुआ गौरव वापस लौट सकेगा।

बेगम बाजार में किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । हैदराबाद राधे राधे ग्रुप हैदराबाद की तत्वावधान में शुक्रवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल,गोविंद राम पचेरिया, राजेश सर योगा,शिव भगवान अग्रवाल, महेश गोयल,पन्ना अग्रवाल,अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल मीना अग्रवाल स्वस्ति अग्रवाल,रेनू शर्मा आदि उपस्थित थे।

राजस्थानी स्नातक संघ द्वारा 'सीए की चौपाल' कल

निवेश एवं कराधान विषयों पर विशेषज्ञ देंगे मार्गदर्शन

हैदराबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी स्नातक संघ द्वारा समय-समय पर समाज के ज्वलंत विषयों पर व्याख्यान आयोजित करने की परंपरा के अंतर्गत रविवार, 22 फरवरी को आरजीए हॉल में प्रातः 11:30 बजे से ङ्घसीए की चौपालफ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने हेतु आयोजन समिति की बैठक संपन्न हुई।कार्यक्रम के संयोजक सीए प्रकाश चौकड़ा ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस अवसर पर सीए रामदेवजी भूतड़ा, सीए वरुण अग्रवाल एवं सीए अरुण मंत्री द्वारा इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजीज इन शेयर्स, फ्यूचर एंड ऑप्शंस की रणनीति तथा स्पेसिफाइड एसेट्स पर टैक्सेशन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए जाएंगे। यह कार्यक्रम विशेष रूप से निवेशकों, व्यवसायियों एवं युवाओं के लिए उपयोगी रहेगा।संघ के मंत्री अजय कुमार अग्रवाल ने जानकारी दी कि कार्यक्रम के पूर्व प्रातः 11 बजे से संस्था की ईजीएम आयोजित की जाएगी। उन्होंने सभी सदस्यों से आग्रह किया है कि वे ईजीएम में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

आयोजन संबंधी बैठक में संघ के अध्यक्ष मनोज गोयल, मंत्री अजय कुमार अग्रवाल, सह मंत्री श्रीमती कविता तोषनीवाल, संयोजक सीए प्रकाश चौकड़ा, सीए देवाशीष गोयल एवं हरि प्रिया गोयल उपस्थित रहे।संघ के अध्यक्ष मनोज गोयल ने सभी आरजीए सदस्यों से इस सारगर्भित कार्यक्रम में शामिल होकर विशेषज्ञों के अनुभव का लाभ उठाने का निवेदन किया है।

श्री राज मित्र मंडल के तत्वावधान में आठवीं निशान शोभा यात्रा कल

मल्लापुर से प्रातः 6:01 बजे होगी शुरुआत, मार्ग एवं व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा

हैदराबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री राज मित्र मंडल के तत्वावधान में आयोजित होने वाली 'आठवीं निशान शोभा यात्रा' के सफल आयोजन को लेकर मल्लापुर में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में यात्रा की तैयारियों, मार्ग निर्धारण तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विस्तार-पूर्वक विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि निशान शोभा यात्रा रविवार, 22 फरवरी को प्रातः 6:01 बजे राधिका स्टील्स, नोमा कल्याण वेदिका के निकट, मल्लापुर से प्रारंभ होगी। यात्रा एच.एम.टी., हब्सीगुड़ा, तारनाका एवं उस्मानिया विश्वविद्यालय मार्ग से होते हुए काचीगुड़ा पहुंचेगी।

यात्रा के दौरान श्री श्याम बाबा को आकर्षक एवं भव्य रूप से सुसज्जित रथ में विराजमान किया जाएगा। गाजे-बाजे, भजन-कीर्तन एवं जयकारों के साथ भक्तिमय वातावरण में शोभा यात्रा संपन्न होगी। आयोजन समिति द्वारा निशान धारी भक्तों के लिए यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर जलपान की व्यवस्था तथा प्रारंभ स्थल पर नाश्ते की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

निशान शुल्क 401 रुपये निर्धारित किया गया है। प्रत्येक निशान धारी भक्त को निशान एवं प्रसाद प्रदान किया जाएगा। आयोजन समिति ने अधिक से अधिक श्याम भक्तों से इस भव्य निशान शोभा यात्रा में सम्मिलित होकर श्री श्याम बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करने का आह्वान किया है। निशान पंजीकरण एवं सहभागिता हेतु इच्छुक भक्त प्रदीप अग्रवाल (8919972696) एवं प्रवीण अग्रवाल (9887119887) से संपर्क कर सकते हैं।

बैठक में प्रदीप अग्रवाल, सुरेश जीतपुरिया, सुनील कुमार अग्रवाल, प्रवीण जाखनीवाल, सत्यनारायण गोयल, रितेश अग्रवाल, प्रतीक नारसरिया, अमित जाखनीवाल, सुरेश जी पालाराम, प्रेम कुमार शर्मा एवं ज्वाला मोहन गुप्ता सहित आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

मुंबई पेंट इंडिया प्रदर्शनी में शेरकोट्टि पेंट का आकर्षक स्टॉल, देश-विदेश के आगंतुकों ने की सराहना

मुंबई, 20 फरवरी (विशेष संवाददाता)।

पेंट इंडिया प्रदर्शनी में शेरकोट्टि पेंट द्वारा लगाए गए आकर्षक स्टॉल ने आगंतुकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। देश-विदेश से आए उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, वितरकों एवं ग्राहकों ने स्टॉल का अवलोकन कर कंपनी के उत्पादों की गुण-वत्ता और विविधता की सराहना की।प्रदर्शनी के दौरान शेरकोट्टि पेंट ने अपने नवीनतम उत्पादों एवं उन्नत तकनीक आधारित पेंट शृंखला का प्रदर्शन किया।

कंपनी प्रतिनिधियों ने आगंतुकों को उत्पादों की विशेषताओं, टिकाऊपन, पर्यावरण- अनुकूल गुणों तथा विभिन्न उपयोग क्षेत्रों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।एग्जीबिशन में विभिन्न देशों से आए व्यापारिक प्रतिनिधियों ने उत्पादों में रुचि दिखाई और संभावित व्यावसायिक सहयोग पर चर्चा की। कई वितरकों ने भविष्य में साझेदारी की संभावना भी व्यक्त की।

बाल सुरक्षा प्रणाली को मजबूत करने की पहल

बाल अधिकार आयोग ने डीजीपी और एडीजी से की मुलाकात

हैदराबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने राज्य में बाल संरक्षण प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी से मुलाकात की। इस उच्च स्तरीय बैठक में आयोग के अध्यक्ष सीता दयाकर रेड्डी, श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल, श्री वचन, श्रीमती वंदना गौड़ और श्रीमती अपर्णा चंदना उपस्थित थे।

बैठक के दौरान आयोग द्वारा अब तक की गई पहलों और तेलंगाना के हर बच्चे की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। आयोग ने पुलिस विभाग के साथ मिलकर बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए एक मजबूत तंत्र विकसित करने पर जोर दिया। आयोग ने महिला सुरक्षा विंग की एडीजी चारू सिन्हा के साथ भी एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में भरोसा केंद्रों और मानव तस्करी विरोधी इकाइयों के तहत चल रही गतिविधियों की समीक्षा की गई। चर्चा का मुख्य केंद्र पोक्सो पीड़ितों और बाल श्रम या बंधुआ मजदूरी से छुड़ाए गए बच्चों के प्रति पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाना रहा। आयोग ने स्पष्ट किया कि केवल बच्चों को बचाना ही काफी नहीं है, बल्कि उनका उचित पुनर्वास, सुरक्षा और उन्हें समय पर न्याय दिलाना भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। एडीजी के साथ हुई इस बातचीत में छुड़ाए गए बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने और अपराधियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया।

चूड़ीबाजार में नए सामुदायिक भवन का उद्घाटन

हैदराबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शुक्रवार प्रातः 11:30 बजे हैदराबाद के चूड़ीबाजार स्थित अरुंधति सेवक मंडिला की पहली मंजिल पर निर्मित नए सामुदायिक भवन का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह मंडिला के अध्यक्ष एम. कृष्ण के तत्वावधान में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में बेगमबाजार के पार्षद शंकर यादव, जयगुड़ा के पार्षद बोहिनी दर्शन एवं गोशामहल के पार्षद लाल सिंह ने फीता काटकर भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि नए सामुदायिक भवन का उपयोग सामाजिक सेवा गतिविधियों, तेलंगाना सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों तथा चुनाव के दौरान मतदान केंद्र के रूप में भी किया जाएगा।समारोह के दौरान जीयागुड़ा नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण ने अरुंधति सेवक मंडिला के अध्यक्ष एम. कृष्ण को शॉल ओढ़ाकर एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया। उपस्थित जनसमूह ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।कार्यक्रम में बीआरएस नेता गद्दाम श्रीनिवास यादव, जीयागुड़ा नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण, अरुंधति सेवक मंडिला के प्रतिनिधि एम.पी. भीष्म, डी. वेंकटेश, एम. चंद्रमोहन, पी. हन्नंता राव, के. देवेंद्र, पी. वेंकटेश, शिवा, एम. राजशेखर, भाजपा नेता जे. लक्ष्मीनारायण सहित 15 संबद्ध संघों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

प्रेमचन्द शर्मा के जन्म दिवस के अवसर पर उन्हें बधाई देते हुए महेश बैंक के वाईस चेयरमैन गोविन्द नारायण राठी एवं अन्य।

श्री वासुपूज्य स्वामी मंदिर की 33वीं वर्षगांठ के तहत 18 अभिषेक महापूजन सम्पन्न

हैदराबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। चैतन्यपुरी स्थित श्री अचल-गच्छ जैन संघ द्वारा संचालित श्री वासुपूज्य स्वामी मंदिर जिनालय की 33वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण एवं पूजन कार्यक्रम सहित 2 दिवसीय भक्ति महोत्सव का शुभारंभ पूरे उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ।

संघ के ट्रस्टी केशवजीभाई छेडा ने जारी संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि शासनरत्न, राष्ट्रसंत, अचलगच्छाधिपति प.पू. आ.भ. श्री गुणसागरसूरीश्वरजी म.सा. एवं वर्तमान गच्छाधिपति तपस्वीरत्न प.पू. आ. भ. गुणोदयसागरसूरीश्वरजी म.सा. की आज्ञा-आशिष से तथा साहित्य दिवाकर सौमय स्वभावी दक्षिण दीपक प.पू. आ. भ. श्री कलाप्रभसागरसूरीश्वरजी म.सा., श्री कवीन्द्रसागरसूरीश्वरजी म.सा., श्री वीरभद्रसागरजी म.सा., श्री महोदयसागरसूरीश्वरजी म.सा. के शुभाशिर्वादों से, प. पू. साध्वीश्री चारुदर्शनाश्रीजी म.सा. एवं प.पू. साध्वीश्री कैवल्यदर्शनाश्रीजी म.सा. की पावन निशा में तथा कच्छी समाज के लाडले चैतन्यरन श्री नरेन्द्रभाई रामजी नंदु, कच्छ व (गजपुरी) के शुभप्रेरणा से श्री वासुपूज्य स्वामी भगवान को बिराजमान होकर 33 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं।

शुक्रवार दिनांक 20 फरवरी से शनिवार दिनांक 21 फरवरी तक 2 दिवसीय भक्त महोत्सव आयोजित किया गया है। संघ के नरेश मोमाया ने कहा कि मंदिर की 33 वर्षगांठ मंगल कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार दिनांक 20 फरवरी को दोपहर 1.01 बजे से श्री 18 अभिषेक महापूजन सम्पन्न हुआ। तत्पश्चात सायं 5 बजे से स्वामीवात्सल्य लाभार्थी मातुश्री सोनबाई माणेकजी घेलाभाई लोडाया परिवार वारापधर कच्छ की ओर से आयोजित किया गया। शनिवार दिनांक 21 फरवरी को प्रातः 9.15 बजे से श्री सत्तरभेदी पूजा एवं ध्वजारोहण किया जाएगा। वहीं मंदिर की 34वीं ध्वजारोहण विधि (पूजा के दौरान वार्षिक चढ़ावे बुलाए जाएंगे) एवं दोपहर 12 बजे से स्वामीवात्सल्य का आयोजन रखा गया है। स्वामीवात्सल्य के लाभार्थी एक सद् गृहस्थ परिवार है।निखिल किर्तीकुमार मोमाया ने आगे कहा कि मुख्य ध्वजा श्री वासुपूज्य स्वामी ध्वजा : मातृश्री झवेरवेन रामजी नंदु (मुंबई) और मातृश्री चंपाबाई नरसी वेलजी मोमाया (हैदराबाद), श्री मुनिसुव्रत स्वामी भगवान की ध्वजा : मातृश्री वेजबाई खीमजी विकमसी (सोलापुर), श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की ध्वजा : श्री विशनजी टोकरसी नागडा (मुंबई), श्री रंग मंडप घुमट की ध्वजा : श्री शिवजी वालजी गाला (मुंबई), श्री उतर वाजु चोकीयार की ध्वजा : श्री हंसकुमार रायचंद आसारीआ सायला (हैदराबाद), श्री दक्षिण बाजु चोकीयार की ध्वजा : श्री भाणजीभाई राणा देढिया (मुंबई), श्री पूर्व वाजु चोकीयार की ध्वजा : मातृश्री आशवाई भाणजी मुरजी गडा (हैदराबाद), श्री सीमंधर स्वामी की ध्वजा : मातुश्री शांताबेन हीरजी कानजी गोसर हस्ते श्रीमती कुसुमवेन सुरेशचंद्र गोसर हैदराबाद, श्री गौतमस्वामी की ध्वजा : श्रीमती उषावेन तलकसी नानजी गाला (हैदराबाद), श्री पद्मावती माताजी की ध्वजा : स्व. मंगलावेन झवेरचंद लखमशी काराणी (हैदराबाद), श्री महाकाली माताजी की ध्वजा : श्रीमती पुष्पावेन केशवलाल धनजी संघवी (हैदराबाद) परिवारा द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। महामहोत्सव में मंदिर में भव्य आंगी रची जाएगी।

ध्वजारोहण कार्यक्रम में चैतन्यपुरी नरेन्द्रभाई रामजी नंदु, कयवन, जय-मेघ नंदु बुधु त्रिपुटी मुंबई से अपनी मंडली सहित विधिविधान कराने तथा कृष्णकांत सामाणी एंड पार्टी संगीतकार संगीत की धूम मचाने पधारेंगे।

श्री अचलगच्छ संघ के ट्रस्टीयों एवं सदस्यों ने सभी धर्मानुरागी भाई-बहनों से उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में सपरिवार उपस्थित रहने की विनती की है।

अतिथि गृह में 13 रूमों का नवनीकरण किया गया है, जिसका विधिवत उद्घाटन लाभार्थी परिवारों द्वारा किया जाएगा। 18 अभिषेक कार्यक्रम में संघ के केशवजीभाई छेडा, विजय जागीरदार, दिनेश गोसर, रिद्धीश जागीरदार, नरेश मोमाया, राहुल छेडा, निखिल किर्ती मोमाया, दिलीप मोमाया, कांतीलाल मोता, राकेश मोमाया, गौतम लोडाया, रमेश सोनी (डुमरा कच्छ), नूतन छेडा, हिराबेन मोमाया, मधुबेन जागीरदार, वंदना मोमाया, अवनी राहुल छेडा, नेहल शाह, रश्मी सतरा आदि व्यक्ति उपस्थित थे।

समाज भवन की सप्तम वर्षगांठ पर चोयल परिवार ने किया ध्वजारोहण

आईमाता के जयकारों से गुंजायमान हुआ परिसर, भक्ति और उल्लास का वातावरण

बेंगलूरू, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीरवी समाज ट्रस्ट, एच.एस.आर. लेआउट की ओर से मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा एवं समाज भवन उद्घाटन की सप्तम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण कार्यक्रम धूमधाम और श्रद्धा के साथ सम्पन्न हुआ। प्रातः कालीन पूजा-अर्चना के पश्चात अमर ध्वजा के लाभार्थी शोभाराम चोयल, प्रदीप चोयल एवं घनश्याम चोयल परिवार द्वारा भवन के शिखर पर विधिवत ध्वजारोहण किया गया। जैसे ही ध्वजा फहराई गई, आईमाता के जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान हो उठा। ध्वजारोहण के उपरांत उपस्थित श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर पारंपरिक गैर नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी गई, जिसने कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भर दिए।

श्रद्धालु भक्ति एवं उत्साह के वातावरण में झूमते नजर आए। ध्वजारोहण के पश्चात महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने एक स्वर में आरती गाकर धर्मलाभ अर्जित किया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं द्वारा मंगल गीतों का गायन किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया।

शहर का विकास ही हमारा मुख्य ध्येय : उमारानी

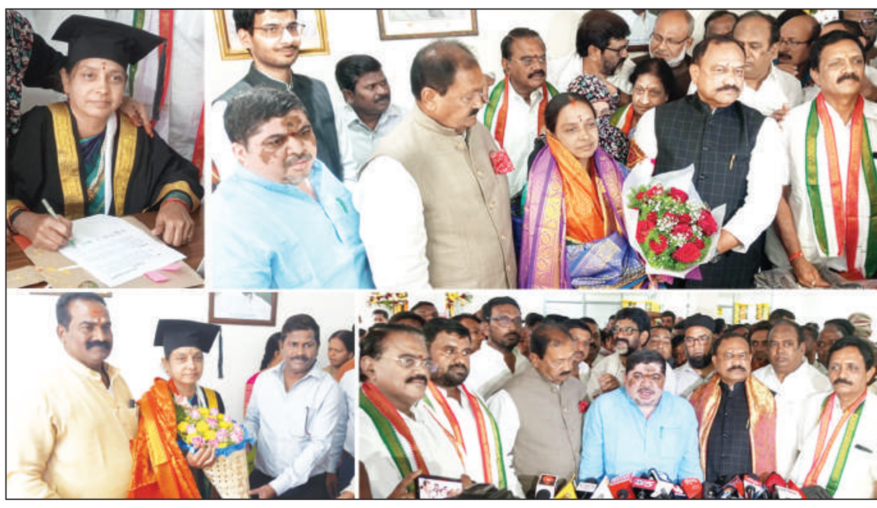

निज़ामाबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। निज़ामाबाद शहर को सभी क्षेत्रों में प्रगति की ओर ले जाने और सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ नवनियुक्त मेयर कुरगायला उमारानी ने अपना कार्यभार संभाल लिया है। शुक्रवार को निज़ामाबाद नगर निगम कार्यालय में आयोजित एक गरिमामय समारोह में, उन्होंने राज्य के सड़क, भवन एवं सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और सरकार के सलाहकार शब्बीर अली की उपस्थिति में पद्भार ग्रहण किया। इस अवसर पर वेद पंडितों द्वारा विशेष पूजा-अर्चना संपन्न की गई।

उमारानी की यह यात्रा अत्यंत प्रेरणादायक रही है। चुनाव से पहले तक वह एक सामान्य महिला के रूप में पहचानी जाती थीं। कांग्रेस पार्टी ने उन्हें निज़ामाबाद शहर के 49वें डिवीजन से कॉर्पोरेटर के रूप में टिकट दिया, जहाँ उन्होंने कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। शुक्रवार को उन्होंने आधिकारिक रूप से मेयर की जिम्मेदारी संभाली। इस कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार, सभी 60 डिवीजनों के कॉर्पोरेटर्स और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता मौजूद रहे।

पदभार ग्रहण करने के बाद मेयर कुरमयला उमारानी को बधाई देने वालों का तांता लग गया। मंत्रियों, टीपीसीसी अध्यक्ष, सरकारी सलाहकारों, नगर निगम के सदस्यों और विभिन्न दलों के नेताओं ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मेयर ने दोहराया कि उनका एकमात्र लक्ष्य निज़ामाबाद शहर को विकास के पथ पर आगे बढ़ाना है।

हाईवे टोल गेटों पर 1 अप्रैल से बंद हो सकते हैं नकद भुगतान

नई दिल्ली/हैदराबाद, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) पूरी तरह से डिजिटल टोलिंग प्रणाली का लक्ष्य रखते हुए, 1 अप्रैल से देश भर के सभी राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क प्लाजा पर नकद भुगतान बंद करने पर विचार कर रहा है।

यदि यह निर्णय लागू होता है, तो राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर स्थित 1,150 से अधिक शुल्क प्लाजा पर टोल भुगतान विशेष रूप से फास्टैग और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) जैसे डिजिटल माध्यमों से ही किया जाएगा। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कैशलेस प्रणाली में संक्रमण से लेन की क्षमता में सुधार, भीड़भाड़ में कमी और टोल लेनदेन में अधिक निरंतरता सुनिश्चित होने की उम्मीद है।

सरकार का कहना है कि प्रस्तावित उपाय का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (ईटीसी) के तहत हासिल किए गए लाभ को मजबूत करना और टोल प्लाजा पर परिचालन दक्षता और पारदर्शिता को और बढ़ाना है। यह पहल राजमार्ग उपयोगकर्ताओं के लिए आवागमन की सुगमता को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई है। अधिकारियों का मानना है कि नकद भुगतान को पूरी तरह से समाप्त करने से परिचालन सुव्यवस्थित होगा, यातायात प्रबंधन में सुधार होगा और देरी कम होगी।

फास्टैग की पहुंच 98 प्रतिशत तक पहुंची

पिछले कुछ वर्षों में, आरएफआईडी -सक्षम फास्टैग सिस्टम ने भारत में टोल संग्रह प्रथाओं को पूरी तरह बदल दिया है। वर्तमान में 98 प्रतिशत से अधिक पहुंच के साथ, अधिकांश टोल लेनदेन पहले से ही इलेक्ट्रॉनिक रूप से संसाधित किए जा रहे हैं, जिससे टोल प्लाजा के माध्यम से निर्बाध और संपर्क रहित आवाजाही संभव हो पा रही है। फास्टैग के अलावा, अब यूपीआई भुगतान सुविधाएं भी चालू कर दी गई हैं, जिससे यात्रियों को तत्काल डिजिटल भुगतान के विकल्प मिल रहे हैं।

गैर-डिजिटल भुगतान पर लगेगा अधिक शुल्क

मौजूदा नियमों के अनुसार, वैध और कार्यात्मक फास्टैग के बिना टोल प्लाजा में प्रवेश करने वाले वाहनों को नकद भुगतान चुनने पर लागू शुल्क का दोगुना भुगतान करना पड़ता है। वहीं, यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने वाले यात्रियों से मानक टोल शुल्क का 1.25 गुना शुल्क लिया जाता है। प्लाजा-स्तर के आकलन से संकेत मिला है कि नकद लेनदेन के कारण अक्सर प्रतीक्षा समय लंबा हो जाता है और पीक आवर्स के दौरान विवाद की स्थिति बनती है।

देश के लिए खतरा राहुल गांधी नहीं, बल्कि मोदी सरकार है : गोपालदादा तिवारी

पुणे, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर संसद में उत्तर देने से बचने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के इतिहास के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो जवाबदेही से दूर भाग रहे हैं। सत्ता पक्ष अपनी जिम्मेदारी छिपाने के लिए विपक्ष के नेता पर निर-ाधार आरोप लगाकर देश को गुमराह कर रहा है। यह आर-ोप कांग्रेस के वरिष्ठ राज्य प्रवक्ता गोपालदादा तिवारी ने लगाया।

उन्होंने कहा कि अब तक नोटबंदी, पुलवामा और पहलगाम आतंकी हमले, मणिपुर की घटनाएं, तथाकथित 'ऑपरेशन सिंदूर', विदेश नीति, चीन की घुसपैठ तथा अमेरिका के साथ व्यापार समझौते जैसे अनेक गंभीर और महत्वपूर्ण विषयों पर संसद में व्यापक और सार्थक चर्चा कराने का साहस सत्तारूढ़ भाजपा-एनडीए सरकार ने नहीं दिखाया है।

तिवारी ने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में एक भी पत्रकार परिषद का सामना न करने वाला भाजपा नेतृत्व केवल विपक्षी नेताओं पर निरर्थक आरोप लगाने में ही अपनी ऊर्जा लगा रहा है।

उन्होंने कहा कि देश की जनता ने 10 वर्षों के मोदी काल का अनुभव कर ही लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की सीटों में 100 प्रतिशत वृद्धि की है, जबकि सत्तारूढ़ भाजपा की सीटों में 33 प्रतिशत की कमी आई है। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू इस तथ्य को सुविधाजनक ढंग से भूल रहे हैं। तथ्यात्मक एवं बेबाक बयानों के लिए विख्यात कांग्रेस प्रवक्ता गोपाल दादा तिवारी ने यह भी कहा कि संसद में कथित जनहित के निर्णयों का समर्थन भी यदि सरकार चर्चा के माध्यम से नहीं कर सकती, तो ऐसे भाषणजीवी सत्ता पक्ष से ही देश को अधिक खतरा है, न कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी से। उन्होंने केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कड़ा प्रत्युत्तर दिया।

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ Classifieds — FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, Sanjeev S/o. Sinde Krishna rao, R/o. 18-7-455/A/165, Patel Nagar, Gowlipura, Bandlaguda Mandal, Hyderabad, Telangana-500 053. Have changed my name from SANJEEV to SANJU SHINDE S/o. KRISHNA RAO SHINDE vide affidavit before M. GOVERDHAN Advocate and Notary, Neckale Pride Apts., Bholakpur, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, KARETI JHANSI LAKSHMI Mother of Service No. 2611327H Hav RAGHAVENDRARAO KARETI, Residing at 13-6-72, Sivalayam Street, Pinapadu PO & Tehsil: Tenali, Dist:Guntur, Andhra Pradesh-522202 have changed my name and DOB from JHANSI LAKSHMI, DOB:21-02-1963 to KARETI JHANSI LAKSHMI, DOB:01-01-1964 vide affidavit dt:20-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

Manav Seva — Madhav Seva
Badrivishal Pannalal Pitti Trust — Agarwal Seva Dal
in coordination with
Yadav's Seva Sangam, Telangana (Regd No. 834/2016)
Organises
161st Camp MEGA MEDICAL CAMP FREE
In Associates with
LCH Sadhuram Eye Hospital, Domalguda, Hyd.
KIMS Sunshine Hospitals, Begumpet, Hyd.
SHRI BHAGWAN MAHAVEER VIKLANG SAHAYATA SAMITI, Hyderabad
Free Aids & Appliances: Artificial Limbs | Hand Kits | Callipers | Hands
Specialities at the Camp
• EYE CHECKUP (FREE CATARACT SURGERY RETINA DISORDER EVALUATION CAMP & OPTICALS TO THE NEEDY)
• GENERAL PHYSICIAN DR.AKHILS CLINIC (PURANDAS RANCHHODDAS) DR. AKHIL SUGANDHI, (RHEUMATOLOGY) & DR. MEENAL KHIRAIYA SUGANDHI (MBBS DIPLOMA BIABETES)
• PHYSIOTHERAPY (BAJAJ PHYSIO CARE, DR. MEETA BAJAJ)
• DENTAL (SNR DENTAL, DR.S TEJESSWI, NAVNEET RAJ, DR.S NIKHIL RAJ)
• ORTHOPAEDIC • CARDIOLOGY
• ECG / 2D ECHO / BMD • RBS / BP CHECKUP
रविवार 22 फरवरी 2026
प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे तक
VENUE : SAI SIDDHARTHA HIGH SCHOOL
Nagaram Road, Dammaiguda, Sec'bad
REGISTRATION 10.00 AM to 12 NOON
"Please bring along your past health records, if available, for a detailed evaluation."
शिविर में जरूरतमंद रोगियों के लिए निःशुल्क डायलिसिस की सेवा भी उपलब्ध करवायी जायेगी।
: संयोजक :
प्रदीप अग्रवाल 9246504222 | सुधीर गुप्ता 9550522277 | सुरेन्द्र गोयल 9866493222 | अल्लडी रमेश यादव 9000522356 | अल्लडी अनिल यादव 9951755055 | अल्लडी शरत यादव 9963495371
: स्थान प्रदत्त :
AGROHA BANK
AGROHA CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Opp. High Court, Rikabgunj, Hyderabad – 500002 Ph-040-24511322, 7093326428
2 years 9.00%
Senior Citizen 9.50%

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.

iDO EVENTS
ANVITA
BUILDING HAPPINESS
NAVKAR ENTERTAINMENT
PRESENTS
THE BIGGEST HOLI BASH IN HYDERABAD
POWERED BY
FINECAB WIRES AND CABLES
POWERED BY
manepally Jewellers Pvt Ltd.
ASSOCIATED WITH
Regd. No. 5583/1998
Balaji INFRA We Build Your Dreams
ASSOCIATED WITH
The Gujarati Social Welfare Society Hyd'sec Prerna Ladies wing
SKYLINE Backpackers
VASAVI GROUP
OFFICIAL EMCEE
MC KRUPA PATEL
OFFICIAL PHOTOGRAPHY BY
CLICK MAGIK
JASWIR KAUR
BOLLYWOOD ACTRESS
(FEATURED IN ANUPAMA)
Balam Pichkari
Thoda Desi, Thoda Videshi
SEASON 7
DJ ABISHEK
DJ PREET-E
4 MARCH
JALVIHAR NECKLACE ROAD
9 AM ONWARDS
WEDNESDAY
EVENT HIGHLIGHTS
PUNJABI DHOL | ORGANIC COLOURS | VEG BUFFET |
FLORAL HOLI | THANDAI | FREE KIDS ZONE | VIP CABANAS |
RAIN DANCE | BOLLYWOOD CELEBRITY
SPONSORS
Mayur Pan House
SANKALP STEELS Hitesh Saraf
SHIVRAJ LAXMICHAND JAIN JEWELLERS
Exclusive Traditional & Designer Jewellery Collection
THE VogueNaari BY SALONI JAIN
MOHA INDIA
HIMALAYA
SCAPE ROCKS
A Unit of Banjara Marble and Granites
KULTURE CRAFT YOUR LIVING
POOJA SAREES POOJA DESIGN STUDIO
PAREKH TEXTILES (P) LTD. Since 1995
UMESH BAGRECHA
AMIT MUNOTH
PARAG SHAH
LALA MAHARAJ
PARAS DOSHI
PAVAN PANDYA
CHINTAN MEHTA
HIMANSHU JAIN
PRITI JAIN
PARTNERS
HOSPITALITY
DECOR & SOUND
CATERING
REEL
THE PLATINUM HOTELS
VARMALA
RAMDEV CATERERS
IN ASSOCIATION : JIGNESH DOSHI PRESIDENT OF GUJARATI WELFARE SOCIETY
FOR BOOKINGS CONTACT : 8142111145, 8019161198, 9032797797